निरंतर अभ्यास-ज्ञान और सत्य के साथ

काल: सत्यं वदति

दैनिक

सच समाचार

www.dainiksachsamachar.com, E-mail ID: sachsamachar013@gmail.com

RNI NO. - MPHIN/2025/A2700

वर्ष-1 || अंक- 330 || पृष्ठ-8 || शुल्क- 2 रुपए || भोपाल || सोमवार 07 सितंबर || 2026

सागर में जहरीली शराब से मौत का तांडव

अब तक 14 की दर्दनाक मौत, आबकारी अधिकारी कीर्ति दुबे के पास आई थी केडिया ग्रुप की बाम्बे व्हिस्की की शिकायत, नहीं लिया एक्शन

सच संवाददाता || सागर

मध्य प्रदेश के सागर जिले से एक चिंताजनक मामला सामने आया है, जहां बंडा तहसील के बराज गांव में कथित तौर पर जहरीली शराब पीने से 14 लोगों की मौत होने की खबर ने पूरे प्रशासनिक तंत्र को झकझोर दिया है। वहीं 10 लोगों की हालत गंभीर बनी हुई है। शनिवार और रविवार की दरमियानी रात हुई इस घटना के बाद गांव में शोक और भय का माहौल है। एक साथ कई लोगों की मौत की सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों की टीम मौके पर पहुंच गई। इस बीच कुछ समय पहले नकली शराब को लेकर की गई शिकायतों के सामने आने से मामले ने और गंभीर रूप ले लिया है।बंडा थाना क्षेत्र के बराज गांव में शनिवार देर रात कई लोगों की तबीयत बिगड़ने और मौत होने की सूचना सामने आई। शुरुआती जानकारी में मामला कथित जहरीली शराब से जुड़ा बताया जा रहा है। घटना की खबर फैलते ही गांव में अफरा-तफरी का माहौल बन गया और प्रशासनिक अमले को तत्काल मौके पर रवाना किया।

एसपी और प्रशासनिक अधिकारी पहुंचे मौके पर

घटना की जानकारी मिलते ही सागर पुलिस अधीक्षक अनुराग सुजानिया समेत पुलिस और प्रशासन की टीम गांव पहुंची। अधिकारियों ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और पूरे मामले की जांच शुरू कर दी। प्रशासन यह पता लगाने में जुटा है कि पीड़ितों ने क्या सेवन किया था और किन परिस्थितियों में उनकी मौत हुई।

शिकायत के बाद भी ठोस कार्रवाई नहीं

इस घटना के बाद जिले में अवैध और नकली शराब के कारोबार को लेकर कई सवाल खड़े हो गए हैं। जानकारी के अनुसार हाल ही में एक शराब ठेकेदार ने आबकारी अधिकारी कीर्ति दुबे को केडिया ग्रुप की बाम्बे व्हिस्की नाम से कथित नकली शराब की बिक्री की शिकायत दी थी। आरोप है कि शिकायत मिलने के बावजूद इस मामले में कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई।

बैठक में भी उठा था अवैध शराब का मुद्दा

बताया जा रहा है कि करीब चार दिन पहले आयोजित आबकारी विभाग की बैठक में लाइसेंसी ठेकेदारों ने भी जिले में नकली और अवैध शराब की बिक्री का मुद्दा जोरदार तरीके से उठाया था। इस दौरान विभागीय अधिकारियों का ध्यान इस ओर दिलाया था। अब मौतों की घटना के बाद विभाग की निगरानी व्यवस्था और कार्रवाई को लेकर सवाल और तेज हो गए हैं।

पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद होगी पुष्टि

प्रशासन का कहना है कि मौतों के कारणों को लेकर फिलहाल कोई अंतिम निष्कर्ष नहीं निकाला जा सकता। मृतकों के पोस्टमार्टम और अन्य वैज्ञानिक जांच रिपोर्ट आने के बाद ही यह स्पष्ट होगा कि मौतें जहरीली या नकली शराब के सेवन से हुई हैं या इसके पीछे कोई अन्य वजह है।

कलेक्टर ने दिए जांच के निर्देश

सागर कलेक्टर प्रतिभा पाल ने कहा है कि मामले की सभी पहलुओं से जांच की जा रही है। शराब कहां से लाई गई, किसके माध्यम से उपलब्ध हुई और मृतकों ने वास्तव में क्या सेवन किया था, इसकी पड़ताल की जा रही है। प्रशासन का कहना है कि जांच रिपोर्ट आने के बाद तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

मुख्यमंत्री बोले- सख्त से सख्त कार्रवाई करेंगे

सागर में जहरीली शराब से हुई मौतों पर मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कहा कि मैंने संबंधित मंत्री और अधिकारियों को तत्काल मौके पर पहुंचने के निर्देश दिए हैं। हम इस मामले में सख्त से सख्त कार्रवाई करेंगे और जांच कराएंगे। हमारी सरकार इस तरह की घटनाओं को बिल्कुल बर्दाश्त नहीं करेगी।

सिंघार-पटवारी ने सरकार को घेरा पूछा- शराब माफिया किसके संरक्षण में

सागर जिले में जहरीली शराब पीने से मौतों की खबर के बाद कांग्रेस ने सरकार और प्रशासन पर सवाल खड़े किए हैं। नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने अलग-अलग बयानों में घटना को गंभीर बताते हुए अवैध शराब के कारोबार पर तत्काल रोक लगाने की मांग की है। उमंग सिंघार ने कहा कि सागर में जहरीली और अवैध शराब ने कई परिवारों को उजाड़ दिया है। शुरुआती जानकारी के मुताबिक 14 लोगों की मौत और 25 से ज्यादा लोगों के अस्पताल में भर्ती होने की बात सामने आई है। उन्होंने कहा कि मौतों का आंकड़ा बढ़ने की आशंका को देखते हुए सरकार तत्काल उच्चस्तरीय जांच टीम सागर भेजे।सिंघार ने सवाल उठाया कि सरकार की नाक के नीचे अवैध शराब का कारोबार कैसे चल रहा है। उन्होंने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से मृतकों के परिवारों को तत्काल आर्थिक सहायता देने, जिम्मेदार अधिकारियों की जवाबदेही तय करने और दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की मांग की। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने सागर जिले के बंडा क्षेत्र के घूघर, नौराज, बराज और आसपास के गांवों में जहरीली शराब से करीब 14 लोगों की संदिग्ध मौत की सूचना का हवाला दिया।

मृतकों के नाम

मृतकों में गोलू (उर्फ चमन) लोधी (45) निवासी गूगरा खुर्द, दिग्विजय (28) पुत्र देवेंद्र लोधी, करतार सिंह (30) पुत्र जोधन लोधी, उजयार सिंह (56) पुत्र विजय सिंह लोधी, रोशन लोधी (30) पुत्र जगन्नाथ (पाटन) और राजेंद्र (32) पुत्र मूरत लोधी (नौराज-गूगरा) शामिल हैं। मिली जानकारी के अनुसार, मृतक गोलू को कैंसर की भी शिकायत थी।प्रशासन ने घायलों को बेहतर उपचार के लिए सागर बीएमसी अस्पताल रेफर कर दिया है। रेफर किये गए लोगों में हरणाम (42) पुत्र घनश्याम राय, उत्तम नत्थू नायक (42), मंगल रजक (40), परम आदिवासी पुत्र रणसिंह और धनसिंह (30) शामिल हैं।

नौराज और गूगरा खुर्द पहुंचे अधिकारी

ग्राम नौराज और गूगरा खुर्द में अवैध जहरीली शराब पीने से हुई मौतों के बाद सागर कमिश्नर, आईजी, कलेक्टर और एसपी मौके पर मौजूद हैं। अधिकारियों ने पीड़ित परिवारों से मुलाकात की और अस्पताल में भर्ती मरीजों के इलाज की व्यवस्था देखी। अधिकारियों ने अवैध शराब कारोबारियों के खिलाफ कठोर कानूनी कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। प्रथम दृष्टया एहतियात के तौर पर क्षेत्र की छह शराब दुकानों को सील कर दिया गया है और तत्काल सैंपलिंग कराने के निर्देश दिए गए हैं।

मुनीर को तीनों सेनाओं की संयुक्त कमान

इस्लामाबाद। पाकिस्तान की संसद ने देश के इतिहास में पहली बार, एक ही अधिकारी को सेना, नौसेना और वायुसेना की संयुक्त कमान सौंप दी है। अगस्त के आखिर में नेशनल असेंबली से डिफेंस फोर्सेज ऑफ पाकिस्तान एक्ट, 2026 पास हुआ और चीफ ऑफ डिफेंस फोर्सेज (सीडीएफ) का पद बनाया गया। इसके साथ ही, फील्ड मार्शल आसिम मुनीर पाकिस्तान के पहले सीडीएफ बन गए हैं। वह सेना प्रमुख के तौर पर अपनी मौजूदा भूमिका के साथ-साथ यह पद भी संभालेंगे। इससे पहले किसी भी कानून ने एक अधिकारी को तीनों सेनाओं पर एक साथ इतना औपचारिक अधिकार नहीं दिया था। 1976 के बाद से पाकिस्तान की सैन्य कमान में यह सबसे बड़ा बदलाव है। अब तक इसका समकक्ष पद संयुक्त चीफ ऑफ स्टाफ कमेटी के अध्यक्ष का था। इसे 1976 में सेनाओं के बीच तालमेल बिठाने के लिए बनाया गया था। इस पद के पास नौसेना या वायुसेना की कमान संभालने का कोई कानूनी अधिकार नहीं था और आखिरी बार यह पद किसी गैर-सेना अधिकारी को 1997 में दिया गया था।

झारखंड के मंत्री सुदिव्य कुमार का निधन

गिरिडीह। सूबे के उच्च एवं तकनीकी शिक्षा, नगर एवं आवास, पर्यटन, कला एवं संस्कृति, खेलकूद एवं युवा कार्य विभाग के मंत्री सुदिव्य कुमार का निधन हो गया। उन्होंने गिरिडीह शहर के बस पड़ाव के पास स्थित एक निजी अस्पताल में अंतिम सांस ली।जानकारी के अनुसार, मंत्री पिछले कई दिनों से गिरिडीह से बाहर थे और दो दिन पहले ही लौटे थे। शनिवार और रविवार की मध्यरात्रि वे हरसिंगरायडीह स्थित अपने घर पर थे, जहां अचानक उनके सीने में दर्द हुआ। दर्द की शिकायत पर उन्हें रात में ही एक गिरिडीह के एक निजी अस्पताल ले जाया गया। जहां चिकित्सकों ने जांच और इलाज शुरू किया, लेकिन उन्हें बचाया नहीं जा सका।इधर मर्सी अस्पताल के एमडी जेनरल मेडिसिन डॉ शाहजाद शेख ने मौत की पुष्टि की है। पत्रकारों से बात करते हुए डॉ शेख ने बताया कि सुदिव्य कुमार सोनू अस्पताल में लगभग 2:15 में पहुंचे। मरीज के छाती में दर्द था। साथ ही साथ अस्पताल आने के दौरान उनके द्वारा उल्टी की गई थी, जो उनके लंग्स ने चला गया था।

मुरैना में आसमान से आफत भैंसोरा तालाब फूटा, सोन-कुंवारी नदियां उफनीं

सच संवाददाता || मुरैना

बरसती आफत ने जौरा और कैलारस क्षेत्र की तस्वीर बदल दी है। लगातार दो दिनों से हो रही तेज बारिश के बीच पगारा बांध का जलस्तर खतरे के निशान को पार कर गया। शुक्रवार-शनिवार रात बांध का जलस्तर 658 फीट पहुंच गया, जबकि इसकी क्षमता 656 फीट है। पानी का दबाव बढ़ते ही पगारा डेम के ऑटोमेटिक सभी छह गेट अपने आप खुल गए। इस मानसून सीजन में पहली बार डेम के सभी छह गेट खुले हैं। वहीं, मुरैना का भैंसोरा तालाब फूटने से कई गांवों में पानी भर गया है। गेट खुलते ही आसन नदी भी उफान पर आ गई और नदी किनारे बसे गांवों में बाढ़ का खतरा बढ़ गया है। हालात को देखते हुए जिला प्रशासन ने 32 गांवों में अलर्ट जारी किया है। इधर, लगातार बारिश से सोन और कुंवारी नदियों का जलस्तर भी तेजी से बढ़ रहा है। कई नाले और रपटे डूब गए हैं, जबकि निचले इलाकों में पानी भरने से लोगों की मुश्किलें बढ़ गई हैं।सोन नदी किनारे बसे गांवों में पानी पहुंचने के बाद प्रशासन ने संवेदनशील इलाकों में निगरानी बढ़ा दी है और ग्रामीणों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया जा रहा है। पिछले दो-तीन दिनों से हो रही अत्यधिक बारिश के चलते पगारा बांध में पानी की आवक लगातार बढ़ रही थी।

पीएम मोदी 11 साल बाद कल राज्य मंत्रियों से सीधा संवाद करेंगे

नई दिल्ली। मंत्रिमंडल विस्तार पर जारी चर्चा के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सोमवार को सेवा तीर्थ में अपने राज्य मंत्रियों और राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) वाले मंत्रियों से सीधे रूबरू होंगे। इस बैठक में सामाजिक न्याय, कृषि और जनकल्याण क्षेत्र की नीतियों की समीक्षा के साथ इनसे जुड़ी प्रस्तुतियां दी जाएंगी। बैठक में स्वास्थ्य और आयुष विभाग के साथ खेल मंत्रालय पर भी चर्चा होगी।करीब 12 साल के कार्यकाल में यह दूसरा मौका होगा जब प्रधानमंत्री अपने जूनियर मंत्रियों से सीधा संवाद करेंगे। माना जा रहा है कि बैठक के बाद पीएम चुनिंदा राज्य मंत्रियों से अलग से भी बात कर सकते हैं। इससे पहले साल 2014 में प्रधानमंत्री बनने के नौ महीने बाद मोदी मार्च 2015 में राज्य मंत्रियों की टीम के साथ बैठक की थी। उस बैठक में सरकार की नीतियों पर चर्चा करने के साथ राज्य मंत्रियों को जनता से सीधे फीडबैक लेने के निर्देश दिए गए थे। मोदी सरकार में 36 राज्य मंत्री और 5 स्वतंत्र प्रभार वाले मंत्री हैं। सूत्रों के मुताबिक कामकाज, वर्तमान और भावी नीतियों, उपलब्धियों पर प्रस्तुति के बाद संबंधित मंत्रालय के राज्य मंत्रियों को भी तीन-तीन मिनट तक अपनी बात रखने का मौका मिलेगा। बैठक ऐसे समय में हो रही है जब मोदी मंत्रिमंडल में विस्तार की अटकलें तेज हैं। माना जा रहा है कि प्रधानमंत्री ब्रिक्स की बैठक के बाद और 17 सितंबर को अपने जन्म दिन से शुरू हो रहे भाजपा के एक महीने के देशव्यापी जनसंपर्क अभियान के बीच अपनी टीम को नया लुक दे सकते हैं।

महानंदा एक्सप्रेस के इंजन समेत तीन हिस्से पटरी से उतरे

भोजपुर। बिहार के भोजपुर जिले में रविवार सुबह बड़ा रेल हादसा होते-होते टल गया। आरा रेलवे स्टेशन से कुछ दूरी पर अलीपुरद्वार से दिल्ली जा रही महानंदा एक्सप्रेस (ट्रेन संख्या 15484) अचानक डिरेल हो गई। ट्रेन के पटरी से उतरते ही यात्रियों में अफरा-तफरी मच गई। हादसे के दौरान ट्रेन में सवार बड़ी संख्या में यात्री नींद में थे। तेज आवाज होने के कारण अचानक यात्रियों में हड़कंप मच गया। हालांकि राहत की बात यह रही कि हादसे में किसी यात्री के हताहत होने की सूचना नहीं है। जानकारी के मुताबिक, महानंदा एक्सप्रेस आरा रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर-2 से रवाना हुई थी। स्टेशन से कुछ दूरी आगे पश्चिमी ओवरब्रिज के समीप पहुंचते ही ट्रेन के इंजन, एसएलआर बोगी और एक एसी कोच के पहिए पटरी से उतर गए।

केरलम में दो दुर्घटनाओं में पांच लोगों की मौत

तिरुवनंतपुरम केरलम के त्रिशूर जिले में कल देर रात हुए सड़क हादसे में एक ही परिवार के तीन लोगों की मौत हो गई। पुलिस के मुताबिक, तेज रफ्तार कार ने बाइक को टक्कर मार दी थी। बाइक पर पति-पत्नी और उनका तीन साल का बेटा सवार था। हादसे में तीनों की जान चली गई।मृतकों की पहचान एडक्काझियूर निवासी मुनीर (35), शिफना (24) और उनके तीन साल के बेटे एमिल ऐबक के रूप में हुई है।

नए शाही अंदाज || बाहुबली चारपाई, 9 क्विंटल वजन, 60 किलो पीतल और 22 रंग

अशोक स्तंभ की आकृति वाली चारपाई चार लाख की

हांसी || एजेंसी

कभी गांव की चौपाल की पहचान मानी जाने वाली चारपाई अब आधुनिक दौर में नए शाही अंदाज के साथ लोगों को फिर आकर्षित कर रही है। हांसी के ढाणा खुर्द गांव के रहने वाले भोले भंडारी ने देसी चारपाई और विशाल पलंग बनाने की कला को ना केवल हरियाणा, बल्कि देश के दूसरे हिस्सों तक पहचान दिलाई है। फिलहाल उन्होंने 18 फीट से अधिक लंबी और 9 फीट से ज्यादा चौड़ी एक विशाल शाही चारपाई तैयार की है। ये चारपाई

झज्जर जिले के सोंधी गांव स्थित गुलिया खाप की चौपाल की शोभा बढ़ाएगी।

इसकी सबसे खास चीज इसकी बुनाई है। महाभारत की थीम पर इसका डिजाइन तैयार किया गया है। इसमें चौसर और चक्रव्यूह बनाया गया है। इसके लिए गुजरात के महुवा से करीब डेढ़ से दो क्विंटल रंगीन रेशमी रस्सियां मंगाई गई। इन रस्सियों में करीब 22 अलग-अलग रंगों का इस्तेमाल किया गया। रंगों का ये संयोजन पलंग को पारंपरिक होने के साथ-साथ शाही रूप दे रहा है।

भोले भंडारी के यहां बनने वाली देसी चारपाइयां भी सामान्य बाजार की चारपाइयों से अलग होती हैं। यहां एक चारपाई की कीमत करीब 25 हजार रुपये से शुरू होकर लाखों रुपये तक जाती है। इसी तरह बैठने के लिए बनाए जाने वाले पारंपरिक पीढ़ों की कीमत करीब 4 से 6 हजार रुपये तक बताई गई है।

चार महीने में बनकर हुई तैयार

इस विशाल चारपाई को तैयार करने में करीब 4 लाख 25 हजार रुपये खर्च होने का अनुमान है। पलंग की लंबाई 18 फीट 3 इंच, चौड़ाई 9 फीट 3 इंच और ऊंचाई करीब 4 फीट 6 इंच रखी गई है। भोले भंडारी के मुताबिक, इस चारपाई को चार महीने की कड़ी मेहनत से तैयार किया गया है। फाइनल टच देने के बाद इसे सोंधी गांव की गुलिया खाप चौपाल में पहुंचाया जाएगा। इस पलंग को सामान्य चारपाई से अलग और भव्य बनाने के लिए इसमें करीब 60 किलो पीतल लगाया गया है। इसके पायों और सीढ़ियों पर खास डिजाइन बनाए गए हैं।

रूस-यूक्रेन जंग पर 72 घंटे की ब्रेक

मॉस्को। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने अगले 72 घंटे तक यूक्रेन की राजधानी कीव पर हमले रोकने का आदेश दिया है। शनिवार आधी रात से अगले तीन दिन तक कीव पर रूसी हमले नहीं होंगे। क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेस्कोव के मुताबिक यह फैसला ऐसे समय लिया गया है, जब अमरीकी दूत स्टीव विटकॉफ और ट्रंप के दामाद जेरेड कुशनर युद्ध खत्म कराने और शांति वार्ता को आगे बढ़ाने के लिए मॉस्को पहुंचे हैं। इससे पहले यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने भी अमरीकी प्रतिनिधिमंडल की यात्रा के दौरान हवाई हमले रोकने की बात कही थी और रूस से भी इसी तरह संयम बरतने की अपील की थी। अमरीकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के विशेष दूत स्टीव विटकॉफ और उनके दामाद जेरेड कुशनर शनिवार को मॉस्को पहुंचे। रूस की सरकारी समाचार एजेंसी तास के मुताबिक एयरपोर्ट पर रूसी दूत किरिल दिमित्रिएव ने दोनों का स्वागत किया।इस यात्रा का मकसद रूस और यूक्रेन के बीच रुकी हुई शांति कोशिशों को फिर से आगे बढ़ाना है। विटकॉफ और कुशनर इससे पहले भी मॉस्को का दौरा कर चुके हैं। अब मॉस्को की बातचीत के बाद उनके कीव जाने की भी उम्मीद है। रूस और यूक्रेन के बीच शांति वार्ता अभी किसी नतीजे तक नहीं पहुंची है। इस बीच, कीव समेत यूक्रेन के कई शहरों पर रूसी हवाई हमले तेज हुए हैं। यूक्रेन भी रूस के अंदर लगातार ड्रोन हमले कर रहा है। एक रूसी ड्रोन ने कीव में यूक्रेन की सुरक्षा एजेंसी एसबीयू के मुख्यालय को निशाना बनाया। एसबीयू रूस के अंदर किए जाने वाले यूक्रेन के कई लंबी दूरी के हमलों में भी भूमिका निभाती है।

सच-संक्षेप

एक माह में 89 बच्चे मरे अस्पताल अधीक्षक को हटाया

मालदा। पश्चिम बंगाल के मालदा मेडिकल कॉलेज में एक ही दिन 10 नवजात बच्चों की मौत के बाद मामले की जांच के दौरान सामने आए आंकड़ों ने स्वास्थ्य विभाग को हैरान कर दिया। बच्चों की मौतों की वजह जानने के लिए बनाई गई चार सदस्यीय विशेषज्ञ समिति ने अस्पताल के रिकॉर्ड की जांच की तो पता चला कि अगस्त में इलाज के दौरान 89 बच्चों की मौत हुई थी। समिति की रिपोर्ट मिलने के बाद स्वास्थ्य विभाग ने कार्रवाई करते हुए अस्पताल के अधीक्षक सह एमएसवीपी प्रसनजीत बर को पद से हटा दिया।

जमीन विवाद को लेकर भाजपा के दो विधायक आमने-सामने

नदिया। पश्चिम बंगाल के नदिया जिले में एक जमीन को लेकर सत्तारूढ़ भाजपा के दो विधायक आमने-सामने आ गए हैं। दोनों एक ही जमीन को अपना बता रहे हैं। बताया जा रहा है कि जब मामला बातचीत से नहीं सुलझा तो मुख्यमंत्री दरबार तक पहुंच गया है। मामला नदिया जिले के चाकदह थाना क्षेत्र के शिमुराली स्थित नरपतिपाड़ा मौजा का है। राष्ट्रीय राजमार्ग-12 से लगी कुल 32 कट्ठे जमीन में 11 डेसिमल हिस्से पर रानाघाट दक्षिण के विधायक असीम कुमार विश्वास और हरिणघाटा के विधायक असीम सरकार अपना-अपना अधिकार जता रहे हैं। दोनों के पास जमीन के स्वामित्व से जुड़े अलग-अलग दस्तावेज होने का दावा है।

डांस क्लास जा रही पत्नी ने नहीं बनाया खाना तो हत्या कर दी

नागपुर। नागपुर में नशे में धुत कृष्णलाल यादव (41) ने डांस क्लास जाने के लिए खाना बनाने से इन्कार करने पर पत्नी यामिनी (38) की हत्या कर दी। पुलिस के अनुसार, आरोपी काम से घर लौटा था और यामिनी से खाना बनाने को कहा लेकिन वह डांस क्लास के लिए तैयार हो रही थी। उसने तुरंत खाना बनाने से मना कर दिया।

इसी बात पर दोनों के बीच तीखी नोकझोंक हुई। कृष्ण लाल ने दोनों बच्चों के सामने ही यामिनी को बुरी तरह पीटा। इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

महिला के पेट से निकलीं 6 सुइयां, नुकीले हेयर पिन और कांच की चूड़ियों के टुकड़े

प्रयागराज। 'पायका' नामक एक दुर्लभ ईटिंग डिसऑर्डर होता है, जिसके कारण इनसान सुई, पिन, कांच और अन्य अखाद्य वस्तुएं निगलने लगता है। ऐसा ही एक मामला उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में आया है, जहां एक निजी अस्पताल में डॉक्टरों ने सर्जरी कर महिला के पेट से छह सुइयां, नुकीले हेयर पिन और कांच की चूड़ियों के टुकड़े निकाले हैं। डॉक्टरों के अनुसार कुछ सुइयां आंत में छेद करते हुए दाहिने गुर्दे तक पहुंच गई थीं। करीब तीन घंटे चले ऑपरेशन के बाद सभी सुइयों को सफलतापूर्वक निकाल लिया गया। क्षतिग्रस्त आंतों की मरम्मत के बाद महिला की हालत में सुधार है और उसे वार्ड में शिफ्ट कर दिया गया है। फतेहपुर जिला के खागा की रहने वाली विजमा कुमारी पिछले करीब सात महीने से मानसिक तनाव और अवसाद से परेशान थीं। डॉक्टरों के मुताबिक इसी दौरान उन्हें पायका नामक एक दुर्लभ ईटिंग डिसऑर्डर हो गया, जिसके कारण वह सुई, पिन, कांच और अन्य अखाद्य वस्तुएं निगलने लगीं। इसके चलते उनकी आंतों में कई जगह छेद हो गए और पेट में गंभीर संक्रमण फैलने लगा। डॉक्टरों ने बताया कि दो सुइयां आंत को चीरते हुए दाहिने गुर्दे तक पहुंच गई थीं। महिला की हालत गंभीर होने पर परिजन उसे उपचार के लिए प्रयागराज लेकर आए। महिला के जेठ गुमान सिंह ने बताया कि विजमा करीब सात महीने से मानसिक रूप से परेशान थीं। कई जगह उपचार कराने के बावजूद समस्या में सुधार नहीं हुआ। एक दिन काम से लौटने पर उन्होंने विजमा को रोते हुए देखा और कारण पूछा। तब उन्होंने सुई निगलने की बात बताई। इसके बाद परिजन उन्हें स्थानीय डॉक्टर के पास ले गए, जहां एक्स-रे के बाद चिकित्सकों ने उन्हें बड़े अस्पताल ले जाने की सलाह दी। इसके बाद वह उन्हें प्रयागराज लेकर आए। डॉक्टर राजीव सिंह ने बताया कि स्थानीय स्तर पर एक्स-रे और बाद में सीटी स्कैन के जरिए पेट में फंसी सुइयों की स्थिति का पता लगाया गया। आंतों में सुइयों को तलाशना और उन्हें सुरक्षित निकालना चुनौतीपूर्ण था। ऑपरेशन थिएटर में आधुनिक सी-आर्म मशीन की मदद से डॉक्टरों की टीम ने करीब तीन घंटे तक सर्जरी कर सभी सुइयां बाहर निकालीं। क्षतिग्रस्त आंतों की भी मरम्मत की गई। डॉक्टर के अनुसार पायका एक ऐसा ईटिंग डिसऑर्डर है, जिसमें व्यक्ति मिट्टी, चॉक, कागज, सुई, पिन, कांच या अन्य ऐसी चीजें खाने लगता है, जो भोजन नहीं हैं।

इंदौर के विकास को मिली नई रफ्तार : लोक परिवहन के क्षेत्र में इंदौर को मिली बड़ी सौगात

मेट्रो परियोजना परिवहन तंत्र को आधुनिक बनाने के साथ ही शहर के विकास को करेगी नई गति प्रदान : मोहन

सच संवाददाता ॥ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि इंदौर में मेट्रो ट्रेन का विस्तार केवल परिवहन सुविधा का विस्तार नहीं, बल्कि विकास के एक नए अध्याय की शुरुआत है। आज मेट्रो का नया चरण शुरू हुआ है और आने वाले समय में इसके और चरण पूरे होंगे। मेट्रो के माध्यम से इंदौर को उज्जैन और पीथमपुर सहित आसपास के क्षेत्रों से जोड़ने का कार्य क्रमशः आगे बढ़ेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शनिवार को इंदौर में मेट्रो ट्रेन के नये चरण के लोकार्पण कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि मेट्रो के पहले चरण को मिले सकारात्मक प्रतिसाद के बाद अब इसका विस्तार शहर के अंदरूनी क्षेत्रों तक हो रहा है। यह सिलसिला लगातार आगे बढ़ेगा और आने वाले समय में मेट्रो इंदौर सहित पूरे मालवा क्षेत्र की यातायात व्यवस्था को नयी दिशा देगी। इंदौर के मेट्रो रेल नेटवर्क के विस्तार की दिशा में आज एक महत्वपूर्ण कदम आगे बढ़ा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मध्यप्रदेश मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड द्वारा 2 हजार 850 करोड़ रुपये की लागत से सुपर कॉरिडोर-3 से मालवीय नगर तक मेट्रो कॉरिडोर का शुभारंभ किया। कार्यक्रम में अतिथियों ने बटन दबाकर मेट्रो का शुभारंभ किया। कार्यक्रम में केंद्रीय आवासन एवं शहरी कार्य मंत्री मनोहर लाल विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। केंद्रीय आवास एवं शहरी राज्य मंत्री तोखन साहू, नगरीय विकास एवं आवास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट, इंदौर सांसद शंकर लालवानी, महापौर पुष्यमित्र भार्गव, विधायक गोलू शुक्ला, श्रीमती मालिनी लक्ष्मण सिंह गौड़, मधु वर्मा तथा सुश्री उषा ठाकुर सहित अन्य जनप्रतिनिधि और अधिकारीगण मौजूद थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश के सभी क्षेत्रों में विकास के लिए पर्याप्त संसाधन उपलब्ध कराए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि कुछ दिन पहले सामने आई आर्थिक विकास दर के आंकड़े देशवासियों का उत्साह और गौरव बढ़ाने वाले हैं। अमेरिका की विकास दर लगभग 2 प्रतिशत और चीन की 4 प्रतिशत के मुकाबले भारत की विकास दर 7.8 प्रतिशत रहना देश की मजबूत आर्थिक स्थिति को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि भारत आज दुनिया के बड़े देशों के सामने अपने हितों और अपनी शर्तों के साथ मजबूती से अपनी बात रख रहा है। यह प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में भारत के बढ़ते आत्मविश्वास और सामर्थ्य का परिचायक है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि इंदौर को मिली मेट्रो की सौगात के साथ ही इंदौर-मनमाड़ नई रेल लाइन के लिए 18 हजार 500 करोड़ रुपये की मंजूरी भी क्षेत्र के लिए बड़ी उपलब्धि है। यह परियोजना इंदौर, मालवा और पूरे मध्यप्रदेश के विकास में नया इतिहास रचेगी। उन्होंने कहा कि इस रेल परियोजना के पूर्ण होने के बाद इंदौर और मुंबई के बीच आवागमन के लिए गुजरात होकर जाने की आवश्यकता नहीं होगी। इंदौर से मनमाड़ के माध्यम से महाराष्ट्र और मुंबई से सीधा संपर्क स्थापित होगा। इसी प्रकार मध्यप्रदेश के अन्य क्षेत्रों से भी इंदौर और उज्जैन के बीच संपर्क और अधिक सुगम होगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि आने वाले समय में गुना से उज्जैन, उज्जैन से इंदौर और इंदौर से मनमाड़ तक बेहतर रेल कनेक्टिविटी विकसित होगी। इसके साथ ही इन्दौर मेट्रो के उज्जैन तक विस्तार का संकल्प भी लिया गया है। इससे उज्जैन और इंदौर सहित आसपास के पूरे महानगरीय क्षेत्र को एकजुट करने में मेट्रो महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। उन्होंने कहा कि माँ देवी अहिल्या की नगरी इंदौर विकास और विरासत दोनों क्षेत्रों में अपनी विशिष्ट पहचान रखता है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मेट्रो का सफर गांधीनगर से मालवीय चौराहे तक आगे बढ़ रहा है। इस कॉरिडोर की लंबाई 17 किलोमीटर है और इसमें 16 स्टेशन शामिल हैं। यह परियोजना इंदौर के परिवहन तंत्र को आधुनिक और सशक्त बनाने के साथ ही शहर के विकास को नयी गति प्रदान करेगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री सहित सभी संबंधित अधिकारियों और मेट्रो परियोजना से जुड़े लोगों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इंदौर को लगातार मिल रही विकास की सौगातों का सिलसिला इसी तरह आगे भी जारी रहेगा।

मेट्रो परियोजना परिवहन के साथ ही विकसित भारत के निर्माण का महत्वपूर्ण माध्यम : मनोहर लाल

केंद्रीय आवास एवं शहरी विकास मंत्री मनोहर लाल ने कहा कि इंदौर में मेट्रो के नए 11 किलोमीटर लंबे कॉरिडोर का शुभारंभ शहर के विकास की दिशा में मील का पत्थर है। पहले मेट्रो का लगभग 6 किलोमीटर का हिस्सा आउटर क्षेत्र तक सीमित था, लेकिन नए कॉरिडोर के जुड़ने से मेट्रो अब शहर के प्रमुख क्षेत्रों से भी जुड़ गई है। उन्होंने कहा कि मेट्रो के विस्तार से विद्यार्थियों, कर्मचारियों, व्यापारियों और आम नागरिकों को सुरक्षित, सुविधाजनक और समयबद्ध परिवहन की सुविधा मिलेगी। इससे शहर में आवागमन सुगम होगा और लोगों के समय की बचत होगी। उन्होंने कहा कि मेट्रो शहरों के विकास के साथ उद्योग और व्यापार को गति देने का भी महत्वपूर्ण माध्यम है। केन्द्रीय मंत्री श्री मनोहर लाल ने कहा कि वर्ष-2014 में देश के केवल पांच शहरों में 245 किलोमीटर मेट्रो नेटवर्क संचालित था, जबकि आज 26 शहरों में लगभग एक हजार 170 किलोमीटर लम्बा मेट्रो का नेटवर्क होने जा रहा है। केन्द्रीय मंत्री श्री मनोहर लाल ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी के स्थिर नेतृत्व में मेट्रो के विस्तार की यह गति विश्व में अभूतपूर्व है और भारत शीघ्र ही मेट्रो नेटवर्क के मामले में अमेरिका को पीछे छोड़कर दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा देश बन सकता है। उन्होंने कहा कि मेट्रो केवल यातायात का साधन नहीं, बल्कि विकसित भारत के निर्माण की आधारभूत संरचना का महत्वपूर्ण हिस्सा है। शहरीकरण, इंफ्रास्ट्रक्श्च र, औद्योगिकीकरण, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसे क्षेत्रों में तेजी से विकास होने पर ही भारत 2047 तक विकसित राष्ट्र के लक्ष्य को प्राप्त कर सकेगा। उन्होंने कहा कि इंदौर मेट्रो के विस्तार से बस स्टेंड, रेलवे स्टेशन, एयरपोर्ट और उज्जैन सहित महत्वपूर्ण स्थलों को जोड़ने की दिशा में भी नई संभावनाएं बनेंगी। इससे इंदौर के उद्योग, व्यापार, पर्यटन और धार्मिक गतिविधियों को और गति मिलेगी तथा आसपास के क्षेत्रों से आने वाले नागरिकों को बेहतर परिवहन सुविधा प्राप्त होगी।

मेट्रो परियोजना का मूल उद्देश्य, पीथमपुर-महू से देवास-उज्जैन और आगे मक्सी तक विस्तार करना है : विजयवर्गीय

नगरीय विकास एवं आवास मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय ने कहा कि इंदौर मेट्रो की योजना का मूल उद्देश्य शहर के भीतर आवागमन को सुगम करने के साथ ही इंदौर के विस्तार को गति देना और शहर को विकेंद्रित करना था। इसी मूल उद्देश्य को पूरा करने के लिये मेट्रो परियोजना का विस्तार पीथमपुर, महू, देवास- मक्सी और उज्जैन तक किया जायेगा। उन्होंने कहा कि पहला चरण शहर में पूरा होने के बाद दूसरे चरण का काम आगे बढ़ाया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने भी इसके लिए आवश्यक स्वीकृति प्रदान की है। इसके बाद मेट्रो को पीथमपुर तक ले जाने की योजना है। आगे औद्योगिक क्षेत्रों से होते हुए उज्जैन, अवंतिकापुरी और मक्सी तक इसके विस्तार की परिकल्पना है। मंत्री श्री विजयवर्गीय ने कहा कि अगले 10 से 15 वर्षों तक इंदौर क्षेत्र में मेट्रो का काम लगातार चलता रहेगा। यह एक दीर्घकालिक योजना है, जिसके माध्यम से इंदौर और आसपास के क्षेत्रों को बेहतर कनेक्टिविटी के साथ विकसित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि मेट्रो का उद्देश्य केवल परिवहन सुविधा उपलब्ध कराना नहीं, बल्कि शहर का विकेंद्रीकरण और तेज गति से समग्र विकास करना है। मंत्री श्री विजयवर्गीय ने कहा कि इंदौर में मेट्रो का एक बड़ा हिस्सा तैयार हो चुका है। शहर के नागरिकों की मांग और इंदौर की सुंदरता को ध्यान में रखते हुए शहर के प्रमुख हिस्सों में मेट्रो को भूमिगत करने का निर्णय लिया गया है। उन्होंने कहा कि एमजी रोड जैसी प्रमुख और सुंदर सड़कों पर मेट्रो के खंभे लगने से शहर के सौंदर्य पर असर पड़ सकता था। इसलिए इसे भूमिगत करने के लिए प्रयास किए गए। मंत्री श्री विजयवर्गीय ने कहा कि भूमिगत मेट्रो परियोजना से बजट में कुछ वृद्धि अवश्य होगी, लेकिन इससे इंदौर की सुंदरता और पहचान सुरक्षित रहेगी।

मध्यप्रदेश में शुरू होगी नई मोबिलिटी क्रांति

इंदौर में 11-12 सितंबर को यात्री परिवहन विजन समिट

सच संवाददाता ॥ भोपाल

मध्यप्रदेश में यात्री परिवहन की तस्वीर बदलने की तैयारी है। प्रदेश सरकार इंदौर में 11 और 12 सितंबर को यात्री परिवहन विजन समिट-2026 आयोजित करने जा रही है। ब्रिलियंट कन्वेंशन सेंटर में होने वाली दो दिवसीय समिट में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। परिवहन एवं स्कूल शिक्षा मंत्री राव उदय प्रताप सिंह भी कार्यक्रम में मौजूद रहेंगे। समिट का मुख्य फोकस मुख्यमंत्री सुगम परिवहन सेवा पर रहेगा।

सरकार की कोशिश है कि प्रदेश में यात्री परिवहन को केवल बसों की संख्या बढ़ाने तक सीमित न रखते हुए इसे आधुनिक तकनीक, बेहतर कनेक्टिविटी, डिजिटल सुविधाओं और निजी क्षेत्र की भागीदारी से जोड़ा जाए। समिट में निजी बस ऑपरेटर, बस निर्माता, परिवहन विशेषज्ञ, नीति निर्माता, निवेशक, टेक्नोलॉजी कंपनियां और इंफ्रास्ट्रक्चर सेक्टर से जुड़े प्रतिनिधि शामिल होंगे। इन सभी के बीच प्रदेश की भविष्य की परिवहन व्यवस्था को लेकर चर्चा होगी। खास बात यह है कि सरकार पीपीपी मॉडल के जरिए यात्री बसों के संचालन को बढ़ावा देने की दिशा में भी रोडमैप तैयार करेगी। इससे निजी क्षेत्र को परिवहन व्यवस्था में बड़े स्तर पर भागीदारी का मौका मिलेगा। समिट में यात्री परिवहन से जुड़े कई आधुनिक क्षेत्रों पर चर्चा होगी। इनमें इलेक्ट्रिक और हाइड्रोजन मोबिलिटी, इंटेलिजेंट ट्रांसपोर्ट सिस्टम, डिजिटल टिकटिंग, फ्लीट मैनेजमेंट, चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर, एआई और डेटा एनालिटिक्स, स्मार्ट बस स्टॉप, पैसेंजर इंफॉर्मेशन सिस्टम और मोबिलिटी फाइनेंस प्रमुख हैं। सरकार का जोर ऐसी परिवहन व्यवस्था तैयार करने पर है, जिसमें यात्री को बस की जानकारी, टिकटिंग और यात्रा से जुड़ी सुविधाएं डिजिटल माध्यम से आसानी से मिल सकें। समिट में मोबिलिटी सेक्टर के 12 संभावनाशील क्षेत्रों को प्रमुखता से सामने रखा जाएगा। इनमें बस निर्माण, इलेक्ट्रिक एवं हाइड्रोजन मोबिलिटी, डिजिटल टिकटिंग, फ्लीट मैनेजमेंट, चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर, एआई एवं एनालिटिक्स, स्मार्ट बस स्टॉप, पैसेंजर इंफॉर्मेशन सिस्टम, मोबिलिटी-एज-ए-सर्विस और परिवहन वित्त जैसे क्षेत्र शामिल हैं। इन क्षेत्रों में काम करने वाली कंपनियों के लिए मध्यप्रदेश में निवेश और साझेदारी के नए अवसर तलाशे जाएंगे।

समिट की एक खास बात सरकार और उद्योग जगत के बीच सीधे संवाद को माना जा रहा है। इसमें शामिल कंपनियों को प्रदेश सरकार के संबंधित अधिकारियों के साथ वन-टू-वन बैठक का अवसर भी मिलेगा। कंपनियां अपने तकनीकी समाधान और बिजनेस मॉडल प्रस्तुत कर सकेंगी। इसके जरिए पायलट प्रोजेक्ट, निवेश और सार्वजनिक-निजी भागीदारी की संभावनाओं को आगे बढ़ाने की कोशिश होगी।

यात्री परिवहन विजन समिट से प्रदेश के लिए मोबिलिटी विजन-2030 को आगे बढ़ाने की दिशा में भी काम होगा। इसमें पीपीपी मॉडल को गति देने, डिजिटल-फर्स्ट मोबिलिटी फ्रेमवर्क तैयार करने, स्वच्छ परिवहन को बढ़ावा देने और सरकार-उद्योग के बीच सहयोग मजबूत करने जैसे मुद्दे शामिल हैं। समिट में छह प्रमुख विषयों पर विशेष फोकस रहेगा। इनमें पीपीपी आधारित मोबिलिटी, इंटेलिजेंट ट्रांसपोर्ट मैनेजमेंट सिस्टम, वित्तीय स्थिरता, स्वच्छ मोबिलिटी, एकीकृत टिकटिंग और बेहतर यात्री अनुभव शामिल हैं।

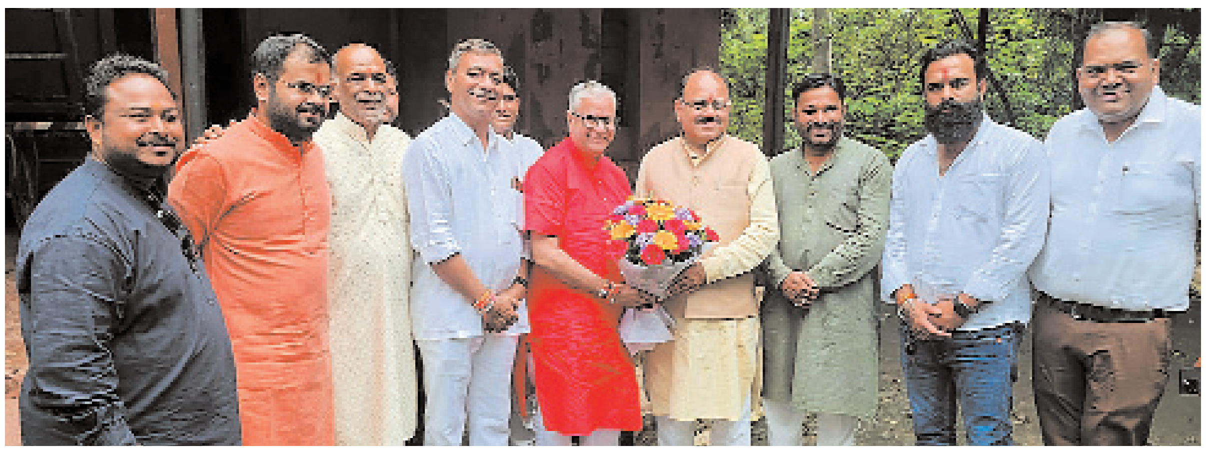

भोपाल। विधायक भगवानदास सबनानी के जन्मदिन पर वरिष्ठ भाजपा कार्यकर्ता लीलेंद्र सिंह मारण ने अपने समर्थकों के साथ स्वागत किया और उन्हें जन्मदिन की बधाई दी।

बारिश में बफर सफारी का क्रेज, हजारों पर्यटकों ने निहारा बांधवगढ़ का जंगल

उमरिया। बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व में मानसून के दौरान भले ही कोर क्षेत्र में पर्यटन गतिविधियां बंद रहती हैं। लेकिन बफर क्षेत्र में पर्यटकों को लगातार आकर्षित कर रहा है। जुलाई और अगस्त 2026 में धमोखर और पनपता बफर क्षेत्र में करीब 2400 पर्यटकों ने 500 से अधिक पर्यटन वाहनों से जंगल सफारी का आनंद लिया। बारिश के बीच वन्य जीवों को करीब से देखने के लिए पर्यटकों की रुचि ने पर्यटन कारोबार से जुड़े लोगों में भी उत्साह बढ़ाया है। पिछले वर्ष जुलाई अगस्त की तुलना करें तो इस बार बफर क्षेत्र में पर्यटन गतिविधियों में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है। वर्ष 2025 में इसी अवधि के दौरान करीब 2000 पर्यटकों ने 438 वाहनों से सफारी की थी।

वैध परिवहन के दस्तावेज नहीं दे सकी फर्म

कटनी कलेक्टर न्यायालय ने लगाया 27.44 करोड़ रुपए का जुर्माना

सच संवाददाता ॥ कटनी

मध्यप्रदेश के कटनी जिले में रेत के स्टॉक में भारी गड़बड़ी के मामले में कलेक्टर न्यायालय ने बड़ा एक्शन लिया है। सैंड पोर्टल पर दर्ज रेत के स्टॉक और मौके पर मिली रेत में 1 लाख 46 हजार 362 घनमीटर का अंतर पाए जाने पर मेसर्स विस्टा सेल्स प्राइवेट लिमिटेड पर 27 करोड़ 44 लाख 29 हजार 650 रुपये की शास्ति अधिरोपित की गई है। कलेक्टर न्यायालय ने फर्म को निर्धारित राशि जमा कराने के निर्देश दिए हैं। मामले में करीब तीन साल तक चली कार्रवाई और सुनवाई के दौरान जिला प्रशासन की ओर से अभियोजन पक्ष और कंपनी के अधिवक्ता ने अपने-अपने दस्तावेज और तर्क प्रस्तुत किए। उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर कलेक्टर न्यायालय ने यह फैसला सुनाया।

जिले के स्वीकृत रेत भंडारण स्थलों में दर्ज स्टॉक के भौतिक सत्यापन के दौरान विजयराघवगढ़ तहसील के ग्राम पुरैनी स्थित मेसर्स विस्टा सेल्स प्राइवेट लिमिटेड के स्टॉक की जांच की गई। जांच में सामने आया कि सैंड पोर्टल पर 1 लाख 46 हजार 462 घनमीटर रेत का स्टॉक दर्ज था, जबकि मौके पर करीब 100 घनमीटर रेत ही मिली। इस तरह पोर्टल और वास्तविक स्टॉक में 1 लाख 46 हजार 362 घनमीटर का अंतर सामने आया। कटनी के माइनिंग अधिकारी रत्नेश दीक्षित के मुताबिक, पूरे प्रकरण की जांच के आदेश 30 सितंबर 2023 को तत्कालीन खनिज अधिकारी को प्राप्त हुए थे। इसके बाद कलेक्टर के निर्देशन में 1 अक्टूबर 2023 को खनिज और राजस्व विभाग की संयुक्त टीम ग्राम पुरैनी स्थित रेत भंडारण स्थल पर पहुंची।

कौन है बिट्टू तबाही? जिसे डच सीईओ ने ऑफर की नौकरी नदी सफाई के जुनून से केविन पीटरसन भी हुए मुरीद

सच संवाददाता ॥ भोपाल/राजगढ़

अजनार नदी के किनारे रोज एक लड़का पहुंचता था। हाथ में कोई बड़ी मशीन नहीं, तैरना भी नहीं आता था, लेकिन नदी से कचरा निकालने का जुनून जरूर था। शुरुआत में लोगों ने इसे सनक समझा, किसी ने मजाक उड़ाया तो किसी ने इसे बेकार की कवायद बताया। मगर ब्यावरा का 21 वर्षीय बिट्टू अपने इरादे पर कायम रहा। दिन बीतते गए और नदी से निकलता कचरा बढ़ता गया। बिट्टू की मेहनत की तस्वीरें सोशल मीडिया तक पहुंचीं तो कहानी ब्यावरा से निकलकर देश-दुनिया तक जा पहुंची। उद्योगपति आनंद महिंद्रा और मुख्यमंत्री मोहन यादव समेत कई लोगों ने उसके प्रयास की सराहना की। यहां तक कि नीदरलैंड की पर्यावरण संस्था 'द ओशन क्लीनअप' के सीईओ बोयान स्लाट ने भी उसकी मुहिम से प्रभावित होकर उसे अपने साथ काम करने का ऑफर दे दिया। बिट्टू ब्यावरा में रहते हैं और बीएससी सेकंड ईयर में बायोलॉजी की पढ़ाई कर रहे हैं। सोशल मीडिया पर उन्होंने अपना नाम 'बिट्टू तबाही' रखा है। इस नाम के पीछे भी उनकी एक दिलचस्प सोच है। वे बताते हैं, 'तबाही नाम थोड़ा अटपटा है, इसलिए सोचा कि अच्छे कामों में ही तबाही मचाई जाए।' खास बात यह है कि नदी में सफाई के दौरान वे गंभीर रूप से बीमार भी पड़े, उनके हाथ-पैरों में त्वचा का गंभीर संक्रमण भी हुआ लेकिन इससे उनका हौसला कम नहीं हुआ। उन्होंने और उनके कुछ दोस्तों ने मिलकर पैसे जुटाए और लगभग 30,000 खर्च कर सफाई के औजार खरीदे व कचरा हटाने के लिए जेसीबी मशीन भी लगवाई। बिट्टू को हाल ही में सीएम मोहन यादव ने भी सम्मानित किया है। जब अजनार नदी की सफाई में बिट्टू जुटा, तब लोगों ने उसे लेकर अलग-अलग प्रतिक्रियाएं व्यक्त कीं। हालांकि, इसी के बीच 30 मार्च को उद्योगपति आनंद महिंद्रा ने बिट्टू का वीडियो शेयर किया। उसमें उन्होंने आलोचना पर टिप्पणी करते हुए कहा कि अगर लाइक्स पाने की चाहत में किसी अच्छे काम का जरिए बन सकती है, तो इसमें कोई आपत्ति नहीं है। इस दौरान उन्होंने बिट्टू को अपना आदर्श भी बताया। इधर, केविन पीटरसन ने इंस्टाग्राम पर बिट्टू की पोस्ट साझा करते हुए लिखा कि मैंने आज सुबह यह कहानी पढ़ी और सोचा कि इसे आपके साथ साझा करना चाहिए शाबाश, भाई! 20 साल की उम्र में बिट्टू तबाही एक प्रदूषित नदी में उतर गए। न हाथों में दस्ताने थे, न पैरों में जूते और न ही उन्हें तैरना आता था। फिर भी उन्होंने अकेले ही नदी की सफाई शुरू कर दी। 26 जनवरी 2026 को मध्य प्रदेश के ब्यावरा में एक मंदिर के पास बीएससी के छात्र बिट्टू ने अजनार नदी की सफाई का अभियान शुरू किया। नदी के कुछ हिस्से कचरे के ढेर में तब्दील हो चुके थे। बिट्टू ने वहां से प्लास्टिक और अन्य कचरा निकालना शुरू किया। उन्होंने पूजा सामग्री से निकलने वाले कचरे को खाद में बदलने की पहल भी की और दोस्तों के साथ मिलकर पैसे जुटाकर सफाई के औजार और कूड़ेदान खरीदे। इस अभियान पर करीब 30 हजार रुपये खर्च हुए। एक समय तो उनके हाथों में संक्रमण भी हो गया, लेकिन उन्होंने सफाई का काम नहीं छोड़ा। इसके बाद उनकी मुहिम की तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर हजारों लोगों तक पहुंचे। कुछ लोगों ने उन पर लाइक्स और लोकप्रियता के लिए यह सब करने का आरोप भी लगाया।

बिट्टू के उपनाम 'तबाही' का अर्थ विनाश होता है। लेकिन आज वह किसी और चीज की तबाही के लिए जुटे हैं- जल प्रदूषण के विनाश के लिए। क्योंकि कई बार बदलाव की शुरुआत तब होती है, जब कोई एक व्यक्ति दूसरों का इंतजार करना छोड़कर खुद पहला कदम उठा लेता है। मेरी नजर में बिट्टू एक असली हीरो हैं। वे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान और सम्मान के हकदार हैं! सीएम डॉ मोहन यादव ने एक्स पर एक पोस्ट साझा करते हुए लिखा कि बिट्टू ने अपनी दृढ़ इच्छाशक्ति और संकल्प से सिर्फ अजनार नदी की सफाई ही नहीं की, बल्कि अपने प्रयासों से समाज को यह संदेश भी दिया है कि बदलाव के लिए बड़ी भीड़ नहीं, एक सच्ची पहल ही काफी है।

बिट्टू तबाही से मिले मुख्यमंत्री

मध्य प्रदेश के राजगढ़ जिले के ब्यावरा शहर का रहने वाला बिट्टू तबाही एक बार फिर चर्चा में है। शुक्रवार को वह दिनभर सोशल मीडिया पर ट्रेंड करता रहा। ट्रेंड होने के बाद उसे मुख्यमंत्री ने भी शुक्रवार को मिलने बुलाया। सीएम से बिट्टू तबाही की मुलाकात के बाद ब्यावरा नगर पालिका ने शनिवार सुबह अजनार नदी को सफाई को लेकर अभियान शुरू कर दिया है।असल में सोशल मीडिया पर नदी की सफाई को लेकर उसके द्वारा डाली गई तस्वीर को किसी ने एआई क्रिएटेड लिख दिया। इसके बाद बिट्टू ने सभी को आईना दिखा दिया। उसकी मेहनत और उसके द्वारा किए गए काम के बाद की तस्वीरें बताई। इसके बाद सभी उसके काम की तारीफ क रहे हैं। उसके काम की सराहना की जा रही है। देश के साथ ही विदेशों में भी उसके वीडियो शेयर किए जा रहे हैं और खूब तारीफें वह बटोर रहा है। बिट्टू के जज्बे को देखकर और सोशल मीडिया पर ट्रेंड देख मुख्यमंत्री कार्यालय से भी मिलने का न्यौता मिला। शुक्रवार को बिट्टू मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से मिलने पहुंचा। देर शाम हुई मुलाकात में सीएम यादव ने बिट्टू के काम की सराहना की है। साथ ही हर संभव मदद देने की बात कही है। साथ ही कहा कि बिट्टू की मेहनत बेकार नहीं जाएगी। बिट्टू तबाही से मुलाकात का वीडियो भी सोशल मीडिया पर शेयर किया। शुक्रवार को सीएम मोहन यादव और बिट्टू तबाही की मुलाकात के बाद शनिवार सुबह ब्यावरा नगर पालिका हरकत में आया। नगर पालिका ने बिट्टू तबाही के सफाई अभियान का समर्थन करते हुए अजनार नदी में जमा पुराने कचरे और पॉलीथीन को जेसीबी और पोकलेन मशीन के माध्यम से साफ किया।

राजधानी में देर रात तक मना कान्हा का जन्मोत्सव

मामा के घर में मनी जन्माष्टमी, शिवराज ने फोड़ी दही-हांडी

सच संवाददाता || भोपाल

राजधानी मे कान्हा का जन्मोत्सव देर रात तक मना। श्रद्धालुओं ने भजन-कीर्तन कर अपने आराध्या के जन्मोत्सव की खुशियां मनाई। मंदिरों में विशेष साज सज्जा की गई जबकि विभिन्न कालोनियों और सोसायटियों में भी सांस्कृतिक और धार्मिक आयोजन किए गए। राजधानी में मामा घर में जन्माष्टमी धूमधाम के साथ मनाई गई। भजन मंडली ने भगवान श्रीकृष्ण के लीला प्रसंगों पर आधारित भजनों की कर्णप्रिय प्रस्तुत दी। इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान भी मंडली के सुर में सुर मिलाकर भजन गाए। कार्यक्रम में मंत्री विश्वास सारंग, महापौर मालती राय, सांसदद्वय आलोक शर्मा, सांसद दर्शन सिंह चौधरी, किरार महासभा की अध्यक्ष श्रीमती साधना सिंह चौहान , प्रदेश अध्यक्ष प्रदीप चौहान, राधेश्याम धाकड़, जिला भाजपाध्यक्ष रविंद्र यति सहित अन्य श्रद्धालु मौजूद रहे। झमाझम बारिश के बीच श्रद्धालु भजनों की कर्णप्रिय प्रस्तुति पर झूम उठे । इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने दही-हाडी फोड़ी और माखन मिसरी का प्रसाद बांटा गया। कार्यक्रम की शुरुआत में केंद्रीय मंत्री ने भगवान श्री कृष्ण के जीवन चरित्र से शिक्षा लेने के साथ ही उनके बताए मार्ग पर चलने का आव्हान किया।

गोपाल के श्रृंगार की रही धूम, भोपाल समेत देशभर में 35 हजार करोड़ रुपए से अधिक का व्यापार

20 करोड़ रुपए की बिकी दूध, दही माखन, मिठाई और पूजन सामग्री

श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के उत्सव से राजधानी भोपाल सहित देशभर के बाजार गुलजार रहे हैं। बाजारों में जन्माष्टमी को लेकर खरीदारी का उत्साह चरम पर नजर आया। भगवान श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव से जुड़ी सामग्री की मांग बढ़ने से कारोबारियों के चेहरे भी खिले हुए हैं। व्यापारिक संगठनों के प्रतिनिधियों और बाजार विशेषज्ञों के अनुमान के मुताबिक श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर देशभर के बाजारों में 35 हजार करोड़ रुपए से अधिक का कारोबार हुआ। जबकि राजधानी भोपाल में पूजा सामग्री, मिठाई, फल और विशेष रूप से डेयरी उत्पादों (दूध, दही, माखन, पनीर) का 20 करोड़ रुपए से अधिक के व्यापार का अनुमान है।

माखन-मिश्री, दही और पनीर की बढ़ी बिक्री

जन्माष्टमी पर भगवान श्रीकृष्ण के प्रिय माने जाने वाले माखन-मिश्री और दही की मांग में खासा इजाफा देखने को मिला। घरों और मंदिरों में भोग लगाने के लिए लोग दूध और डेयरी उत्पादों की खरीदारी कर रहे हैं। पनीर समेत अन्य डेयरी उत्पादों की बिक्री में भी तेजी रही। जन्माष्टमी के बाजार में लड्डू गोपाल की मूर्तियां, मुकुट, बांसुरी, मोरपंख और विशेष पोशाकें लोगों के आकर्षण का केंद्र बनी रहीं। दुकानों पर कान्हा की पोशाकों की अलग-अलग डिजाइन और रंगों में बड़ी रेंज उपलब्ध रही। बच्चों के लिए कृष्ण की पोशाकों की भी अच्छी मांग रही।

फूल-मालाएं, सजावटी सामान और कान्हा के झूलों की हुई खरीदारी

भगवान श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव के लिए घरों और मंदिरों की सजावट को लेकर भी लोगों ने जमकर खरीदारी की। पूजन सामग्री, फूल-मालाएं, सजावटी सामान और कान्हा के झूलों की मांग बढ़ी। आकर्षक डिजाइन वाले झूले और पालने लोगों की पसंद बने। उल्लेखनीय है कि जन्माष्टमी के चलते शहर के प्रमुख बाजारों में दिनभर चहल-पहल बनी रही। बाजारों में धार्मिक आस्था के साथ खरीदारी का उत्साह भी दिखाई दिया। बाजारों की यह रौनक त्योहारी सीजन की मजबूत शुरुआत का संकेत दे रही है। भोपाल से लेकर देश के अलग-अलग शहरों तक 'कान्हा के जन्म' की खुशी ने बाजारों में भी कारोबार का उत्सव खड़ा कर दिया है।

सिंघाड़े का आटा, मखाना, राजगीरा, सेंधा नमक और सूखे मेवे की खरीदारी

जन्माष्टमी पर व्रत रखने वाले श्रद्धालु साबूदाना, सिंघाड़े का आटा, मखाना, राजगीरा, सेंधा नमक और सूखे मेवे की खरीदारी की। वहीं पूजा के लिए फूल, माला, तुलसी, पंचामृत सामग्री, धूप, दीप, कपूर और अन्य पूजन सामग्री की दुकानों पर भी ग्राहकों की भीड़ रही। वहीं फलाहार के लिए केला, सेब, अंगूर, अनार सहित अन्य फलों की खरीदारी हुई है। पूजा सामग्री की दुकानों पर रोली, अक्षत, चंदन, धूप, अगरबत्ती, कपूर, कलावा, गंगाजल, फूल-माला, तुलसी दल और पंचामृत की सामग्री की बिक्री हुई है।

भोजपाल महोत्सव मेला के तत्वावधान में मना उत्सव

भोपाल. भोजपाल महोत्सव मेला समिति के तत्वावधान में बरखेड़ा स्थित भेल यादव सभा श्री कृष्ण मंदिर में जन्माष्टमी का पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। शाम 7 बजे से भजन संध्या का आयोजन किया गया। मथुरा वृंदावन से आए कलाकारों ने रासलीला और फूलों की होली का मंचन किया। भगवान के दर्शन करने मंदिर में सुबह से ही श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा। श्रद्धालुओं को साबूदाने की खिचड़ी और खीर की महाप्रसादी वितरित की गई। कार्यक्रम में भेल यादव सभा श्रीकृष्ण मंदिर के सचिव सुनील यादव, भोजपाल महोत्सव मेला समिति की टीम सहित हजारों की संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे।

राधा-कृष्ण के रूप में नन्हे-मुन्नों ने बिखेरी भक्ति की अद्भुत छटा

भोपाल। जन्माष्टमी के पावन पर्व के अवसर पर बरखेड़ीकलां स्थित शारदा विद्या मंदिर विद्यालय परिसर में फैंसी ड्रेस कार्यक्रम का भव्य एवं मनमोहक आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में नन्हे-मुन्ने बच्चे राधा, कृष्ण की बाल लीलाओं से जुड़े विभिन्न स्वरूपों में सजे-धजे नजर आए। बच्चों की आकर्षक वेशभूषा और मनमोहक प्रस्तुतियों ने सभी का मन मोह लिया। कार्यक्रम के दौरान बच्चों ने भगवान श्रीकृष्ण के जीवन, उनके बाल स्वरूप तथा बाल लीलाओं से जुड़ी रोचक एवं ज्ञानवर्धक जानकारियाँ साझा कीं। बच्चों ने कृष्ण जी से जुड़ी चीजों जैसे गायों की रक्षा, मटकी फोड़, माखन मिश्री, बांसुरी, मोरपंख, गोवर्धन पर्वत आदि पर जानकारी दी। किसी ने नटखट कान्हा का रूप धारण कर माखन चोरी की लीला प्रस्तुत की, तो किसी ने राधा के रूप में अपनी सुंदर प्रस्तुति से सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। बच्चों को राधा-कृष्ण के रूप में सजा-धजा देखकर और उनकी आत्मविश्वास से भरपूर प्रस्तुतियों से विद्यालय परिसर कृष्णमय हो उठा।

एक लाख की इनामी मटकी फोड़ प्रतियोगिता कल

भोपाल। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के पावन अवसर पर पिछले दो दशकों से आयोजित मध्यप्रदेश की सबसे बड़ी एवं लोकप्रिय मटकी फोड़ प्रतियोगिता इस कल शाम 7 बजे से करोंद स्थित भगत सिंह चौराहा, भोपाल में आयोजित की जाएगी। मटकी फोड़ आयोजन समिति के प्रमुख, भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य एवं पूर्व जिला अध्यक्ष सुमित पचौरी सके मुताबिक प्रतियोगिता में विजेता गोविंदा टीम को एक लाख रुपये नगद पुरस्कार प्रदान किया जाएगा।उन्होंने बताया कि यह आयोजन पिछले 20 वर्षों से निरंतर कराया जा रहा है और आज यह मध्यप्रदेश की सबसे बड़ी जन्माष्टमी मटकी फोड़ प्रतियोगिता के रूप में अपनी पहचान बना चुका है। इस मंच पर पूर्व वर्षों में भी फिल्म एवं मनोरंजन जगत की कई प्रसिद्ध हस्तियां अपनी उपस्थिति दर्ज करा चुकी हैं। इस वर्ष आयोजन में बॉलीवुड (केरेला फाइल्स कीअभिनेत्री) अदा शर्मा, अभिनेता चंकी पांडे, अभिनेता राजपाल यादव तथा सुप्रसिद्ध भजन गायक प्रमोद त्रिपाठी अपनी विशेष प्रस्तुतियां देंगे।

खाद्य सुरक्षा को लेकर प्रशासन सख्त

मिलावटखोरों पर पैनी नजर होगी सख्त कार्रवाई

अंसार उल हसन सिद्दीकी, भोपाल

आने वाले नवरात्र, दशहरा और दीपावली जैसे बड़े त्योहारों और धार्मिक व्रत-पूजन के सीजन को देखते हुए भोपाल जिला प्रशासन ने मिलावटखोरों के खिलाफ आर-पार की लड़ाई का ऐलान कर दिया है। शहर में नकली दूध, मावा, पनीर और मिठाइयों की लगातार मिल रही शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए अतिरिक्त जिला कलेक्टर (नॉर्थ) सुमित पांडे ने एक विशेष ज्वाइंट टास्क फोर्स का गठन किया है, जो अब शहर में अचानक छापा मारकर मौके पर ही सख्त कार्रवाई करेगी। एडीएम सुमित पांडे को पिछले कई दिनों से लगातार गुप्त शिकायतें मिल रही थीं कि त्योहारों का फायदा उठाकर शहर में नकली और जहरीले खाद्य पदार्थों का एक बड़ा संगठित कारोबार चल रहा है। शिकायतों के अनुसार नकली दूध, नकली मावा, नकली पनीर, नकली दही और नकली मठा तो आम है, इसके अलावा मिठाइयों में जानलेवा मिलावट की जा रही है। जानकारी के मुताबिक मिठाइयों में महंगी शक्कर की जगह सस्ती और कैंसर कारक सैकरीन का उपयोग किया जा रहा है। खटाई के लिए इमली की जगह तेजाब (एसिड) का इस्तेमाल हो रहा है। समोसे और अन्य व्यंजनों के साथ दी जाने वाली हरी चटनी में हरा रंग और तेज खुशबू के लिए परफ्यूम मिलाया जा रहा है। इतना ही नहीं, बेसन, मसालों और तेल में भी बड़े पैमाने पर मिलावट की शिकायतें हैं। इस पूरे खेल में एक और बड़ा सवाल स्थानीय पुलिस थानों की भूमिका पर उठ रहा है।

पीड़ितों का आरोप है कि जब वे इसकी शिकायत लेकर थाने जाते हैं तो पुलिस इसे खाद्य विभाग का मामला बताकर शिकायत लेने से ही इनकार कर देती है। इस वजह से मिलावटखोरों के हौसले और बुलंद हो गए हैं।

इस गंभीर स्थिति को देखते हुए अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट सुमित पांडे ने सख्त रुख अपनाया है। उन्होंने एक विशेष टीम का गठन किया है जिसमें एसडीएम, जिला खाद्य सुरक्षा अधिकारी, तहसीलदार और भारी पुलिस बल को शामिल किया गया है। इसके साथ ही प्रशासन के खुफिया तंत्र को भी सतर्क कर दिया गया है ताकि मिलावटखोरों की हर हरकत पर नजर रखी जा सके। सुमित पांडे ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि उनके सीधे निर्देशन में यह टीम शहर के सभी एंट्री नाकों, ट्रांसपोर्ट नगर, कोल्ड स्टोरेज, रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड और मंडियों पर पैनी नजर रखेगी। बाहर से आने वाले दूध के टैंकरों, मावे के वाहनों की सघन जांच की जाएगी। पकड़े जाने पर किसी को बख्शा नहीं जाएगा और मौके पर ही एफआईआर, सीलिंग और लाइसेंस निरस्त करने जैसी कड़ी कार्रवाई की जाएगी। सूत्रों के अनुसार त्योहारों के समय सबसे ज्यादा मिलावटखोरी की वारदातें पुराने भोपाल के थाना मंगलवारा और हनुमानगंज क्षेत्र में देखने को मिलती हैं, जहां नकली मावा और पनीर बनाने की फैक्ट्रियां चलती हैं। वहीं सबसे अधिक नकली और मिलावटी मिठाइयों की खपत थाना गौतम नगर क्षेत्र में थाने के आसपास स्थित बड़े-बड़े मिष्ठान भंडारों में होती है।

सदस्यता अभियान को लेकर बैठक

भोपाल। सर्व विश्वकर्मा एकता संकल्प फाउंडेशन के द्वार चलाए जा रहे है जातिगत जनगणना सदस्यता अभियान की दिल्ली से हुए। इस कार्यक्रम में अखिल भारतीय विश्वकर्मा विराट संघ दिल्ली के राष्ट्रीय अध्यक्ष यशपाल पांचाल ने संगठन के कार्यों सराहना की और सयोग देने की बात कही। सर्व विश्वकर्मा एकता संकल्प फाउंडेशन के अध्यक्ष राधेश्याम विश्वकमा के मुताबिक इस अवसर पर बीजेपी विधायक करतार सिंह वेद प्रकाश शर्मा पिछड़ा वर्ग आयोग के सदस्य कमल किशोर पांचाल विधायक प्रीतिनिधि जगवीर विश्वकर्मा व्यवसायी अरुण विश्वकर्मा सहित पदाधिकारियों के साथ अभियान को आगे बढाने का निर्णय लिया गया।

ग्राम रोजगार सहायकों के एग्रीमेंट में बदलाव

सच संवाददाता || भोपाल

प्रदेश की 23 हजार से अधिक ग्राम पंचायतों में काम कर रहे ग्राम रोजगार सहायकों (जीआरएस) के संविदा एग्रीमेंट को लेकर मध्य प्रदेश राज्य ग्रामीण रोजगार गारंटी परिषद ने व्यवस्था में बदलाव किया है। अब जिन ग्राम पंचायतों में पंचायत सचिव का पद रिक्त है, सचिव पदस्थ नहीं हैं या ग्राम रोजगार सहायक को ही सचिव का प्रभार मिला हुआ है, वहां जीआरएस का एग्रीमेंट जनपद पंचायत स्तर पर पदस्थ अतिरिक्त कार्यक्रम अधिकारी मनरेगा के साथ किया जाएगा। परिषद के सीईओ ने इस संबंध में निर्देश जारी किए हैं। इसमें सभी जिलों के कलेक्टर, जिला कार्यक्रम समन्वयक और मुख्य कार्यपालन अधिकारियों को नए प्रावधान का कड़ाई से पालन कराने के निर्देश दिए गए हैं। सामान्य स्थिति में ग्राम रोजगार सहायक का संविदा अनुबंध ग्राम पंचायत सचिव और जीआरएस के बीच होता है। लेकिन कई पंचायतों में सचिव का पद रिक्त होने या सचिव के उपलब्ध नहीं होने के कारण जीआरएस को ही सचिव का प्रभार दिया गया है। ऐसी स्थिति में वही कर्मचारी अपने ही साथ संविदा अनुबंध करने की प्रक्रिया में आ रहे थे। परिषद के संज्ञान में ऐसी शिकायतें आने के बाद इस विसंगति को दूर करने के लिए नया प्रावधान किया गया है। परिषद ने माना कि स्वयं के साथ संविदा अनुबंध करना प्रशासनिक और विधिक दृष्टि से उचित नहीं है। नए प्रावधान के मुताबिक पंचायत में सचिव उपलब्ध होने पर एग्रीमेंट पहले की तरह सचिव और ग्राम रोजगार सहायक के बीच ही होगा। वहीं सचिव का पद रिक्त होने, सचिव पदस्थ नहीं होने या जीआरएस के ही सचिव के प्रभार में होने पर अनुबंध जनपद पंचायत के संबंधित अतिरिक्त कार्यक्रम अधिकारी मनरेगा द्वारा किया जाएगा। इस व्यवस्था से सचिव विहीन पंचायतों में ग्राम रोजगार सहायकों के नए अनुबंध और नवीनीकरण की प्रक्रिया आसान होगी, साथ ही खुद के साथ एग्रीमेंट करने की स्थिति भी खत्म हो जाएगी।

लोक अदालत 12 को, 62 खण्डपीठों में आपसी रजामंदी से निपटेंगे मामले

सच संवाददाता || भोपाल

मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जबलपुर के दिशा-निर्देशों के अनुक्रम में तथा प्रधान जिला न्यायाधीश एवं अध्यक्ष मनोज कुमार श्रीवास्तव के मार्गदर्शन में आगामी 12 सितंबर को जिला न्यायालय भोपाल एवं तहसील न्यायालय बैरसिया में वर्ष 2026 की तृतीय नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया जा रहा है। पक्षकारों को सुलभ, त्वरित एवं सर्वसमावेशी न्याय उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जिला न्यायालय भोपाल, तहसील न्यायालय बैरसिया, कुटुम्ब न्यायालय, श्रम न्यायालय तथा रेरा सहित संपूर्ण जिले में लगभग 62 समर्पित खण्डपीठों का गठन किया जा रहा है। वर्तमान समय में भोपाल जिले के अंतर्गत विभिन्न न्यायालयों में समस्त श्रेणियों के कुल 1,64,821 मामले विचाराधीन हैं। इन प्रकरणों में से आपसी सहमति और सौहार्द के माध्यम से निराकरण के लिए 10,757 लंबित राजीनामा योग्य मामलों को चिह्नित कर लोक अदालत के समक्ष प्रस्तुत किया गया है। इनमें प्रमुख रूप से आपराधिक शमनीय प्रकरण, धारा 138 पराक्रम्य लिखित अधिनियम (चेक बाउंस), मोटर दुर्घटना दावा (क्लेम) प्रकरण, विद्युत अधिनियम, पारिवारिक वैवाहिक विवाद एवं विभिन्न सिविल मामले शामिल हैं। इसके साथ ही, विवादों के न्यायालयीन दौर में पहुंचने से पूर्व ही उनके समाधान के लिए 80,500 प्री-लिटिगेशन प्रकरण भी रखे गए हैं, जिनमें मुख्य रूप से विद्युत अधिनियम, बैंक रिकवरी, जलकर, बी.एस.एन.एल. बकाये तथा यातायात ई-चालान से संबंधित विषय समाविष्ट हैं। जनसामान्य को राहत पहुँचाने की दिशा में राज्य शासन के निर्देशों का समुचित अनुपालन करते हुए इस बार भी विद्युत विभाग एवं नगर निगम द्वारा लोक अदालत के माध्यम से निराकृत होने वाले मामलों में विशेष छूट एवं रियायत प्रदान की जाएगी। इस जनहितैषी पहल से नागरिकों को अपने बकाए प्रभारों के सुगम निपटारे का सुअवसर प्राप्त होगा। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण भोपाल के सचिव श्री सुनीत अग्रवाल ने जानकारी देते हुए बताया कि नेशनल लोक अदालत के माध्यम से न्यायालयीन प्रकरणों का सफलता पूर्वक निस्तारण होने पर शासन द्वारा नियमानुसार संपूर्ण कोर्ट फीस की वापसी की जाती है। इसके अतिरिक्त, उभयपक्षों के मध्य पारस्परिक सहमति एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में मुकदमों का अंत होने से पक्षकारों के बहुमूल्य समय तथा धन दोनों की सार्थक बचत होती है।

पक्षपातपूर्ण सीलिंग कार्रवाई की शिकायत पहुँची सुप्रीम कोर्ट

भोपाल। अरेरा कॉलोनी में अवैध निर्माण एवं आवासीय क्षेत्रों में व्यावसायिक गतिविधियों के विरुद्ध लंबे समय से संघर्ष कर रहे रहवासियों ने नगर निगम भोपाल की सीलिंग की कार्यवाही को लेकर गंभीर सवाल उठाए हैं।

रहवासियों का आरोप है कि सर्वोच्च न्यायालय के स्पष्ट निर्देशों के बावजूद अरेरा कॉलोनी में चिन्हित अवैध मॉल एवं बड़े व्यावसायिक निर्माणों पर अब तक प्रभावी सीलिंग एवं तालाबंधी की कार्रवाई नहीं की गई है। याचिकाकर्ता विवेक त्रिपाठी ने बताया कि रहवासियों द्वारा जिन अवैध मॉल एवं व्यावसायिक निर्माणों के संबंध में नगर निगम को लगातार शिकायतें एवं दस्तावेज उपलब्ध कराए गए थे, उन पर अपेक्षित कार्रवाई नहीं हुई। वहीं दूसरी ओर छोटे व्यापारियों और दुकानदारों के विरुद्ध नगर निगम द्वारा कार्रवाई की जा रही है इस पक्षपातपूर्ण कार्यवाही से रहवासियों में भारी आक्रोश है। त्रिपाठी ने कहा कि इसी कथित भेदभावपूर्ण एवं पक्षपातपूर्ण कार्रवाई के संबंध में रहवासी सर्वोच्च न्यायालय पहुँचे हैं और पूरे मामले से संबंधित दस्तावेज न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किए गए हैं।

एम्स भोपाल में नेत्रदान जागरूकता के लिए निकली पदयात्रा

सच संवाददाता || भोपाल

एम्स भोपाल के आई बैंक एवं नेत्र रोग विभाग द्वारा 25 अगस्त से 8 सितंबर 2026 तक 41वां राष्ट्रीय नेत्रदान पखवाड़ा आयोजित किया जा रहा है। इसी क्रम में नेत्रदान के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए एम्स भोपाल में पदयात्रा आयोजित की गई। पदयात्रा चिकित्सा महाविद्यालय भवन से गेट नंबर 3 तक निकाली गई, जिसमें चिकित्सकों, फैकल्टी सदस्यों, नर्सिंग अधिकारियों, कर्मचारियों तथा नर्सिंग और एमबीबीएस विद्यार्थियों ने भाग लिया।

पोस्टरों, बैनरों और जागरूकता संदेशों के माध्यम से आमजन एवं मरीजों के परिजनों को मृत्यु के बाद नेत्रदान करने के लिए प्रेरित किया गया। राष्ट्रीय नेत्रदान पखवाड़े के दौरान एम्स भोपाल में विभिन्न जागरूकता एवं शैक्षणिक कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं, ताकि अधिक से अधिक लोग नेत्रदान के महत्व को समझें और इस नेक कार्य के लिए आगे आएं।

नेत्रदान के प्रति लोगों में जागरूकता बढ़ाने और अधिक से अधिक लोगों को मृत्यु के बाद नेत्रदान के लिए प्रेरित करने के उद्देश्य से एम्स भोपाल के आई बैंक एवं नेत्र रोग विभाग द्वारा 41वें राष्ट्रीय नेत्रदान पखवाड़े का आयोजन किया जा रहा है। यह पखवाड़ा 25 अगस्त से 8 सितंबर 2026 तक आयोजित किया जा रहा है। यह आयोजन एम्स भोपाल के कार्यपालक निदेशक लेफ्टिनेंट जनरल (डॉ) नरेन्द्र कोतवाल (रि) के नेतृत्व में किया जा रहा है। पदयात्रा के दौरान लोगों को बताया गया कि मृत्यु के बाद किया गया नेत्रदान किसी व्यक्ति के जीवन में रोशनी लाने में मदद कर सकता है। प्रतिभागियों ने लोगों से नेत्रदान का महत्व समझने और इस नेक कार्य के लिए आगे आने की अपील की। इस अवसर पर आई बैंक एवं नेत्र रोग विभाग, एम्स भोपाल की टीम ने आमजन से नेत्रदान का संकल्प लेने का आग्रह किया। टीम ने लोगों से यह भी अपील की कि वे नेत्रदान के संदेश को केवल अपने तक सीमित न रखें, बल्कि अपने परिवार, मित्रों और समाज के अन्य लोगों तक भी पहुंचाएं।

राष्ट्रीय नेत्रदान पखवाड़े के दौरान एम्स भोपाल द्वारा विभिन्न जन-जागरूकता कार्यक्रम, शैक्षणिक गतिविधियां और नेत्रदान संबंधी जागरूकता अभियान आयोजित किए जा रहे हैं। इन गतिविधियों का उद्देश्य समाज में नेत्रदान की आवश्यकता और महत्व के बारे में जानकारी बढ़ाना तथा अधिक से अधिक लोगों को नेत्रदान के लिए प्रेरित करना है।

एम्स भोपाल की ओर से आमजन से अपील की गई है कि वे नेत्रदान का संकल्प लें और दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करें। मृत्यु के बाद किया गया नेत्रदान किसी जरूरतमंद व्यक्ति के लिए नई रोशनी और बेहतर जीवन की उम्मीद बन सकता है।

एंटीक ज्वैलरी देगी हरेक ड्रेस को रॉयल लुक

जब आप कोई ड्रेस पहनती हैं तो आपको उसके अनुसार ज्वैलरी को भी कैरी करना होता है। यदि आप ऐसा नहीं करेंगी तो आपका लुक प्रॉपर नजर नहीं आएगा। जानिये एंटीक ज्वैलरी के बारे में कि किस तरह से आप इस ज्वैलरी को कैरी करके अपने आउटफिट को शानदार लुक दे सकती हैं।

यदि देखा जाए तो एंटीक ज्वैलरी का फैशन आउट नहीं होता है। साथ ही इसकी खूबसूरती और रॉयल अंदाज हर आउटफिट को खास बना देता है। एंटीक ज्वैलरी की विंटेज डिजाइन, गोल्डन फिनिश, कुंदन, मोती और ट्रेडिशनल मोटिफ्स इसे बाकी एक्सेसरीज से अलग बनाते हैं। यही वजह है कि आजकल महिलाएं इसे सिर्फ साड़ी या लहंगे के साथ ही नहीं, बल्कि कुर्ती, सूट और यहां तक कि वेस्टर्न ड्रेस के साथ भी स्टाइल कर रही हैं।

एंटीक नेकलेस साड़ी को बनाएगा खास

यदि आपको अपनी साड़ी को एक खास लुक देना है तो एंटीक नेकलेस कैरी करें। इसका लुक आपको एलिगेंट अंदाज देगा। सिल्क, बनारसी, कॉटन या ऑर्गेंजा साड़ी के साथ एंटीक गोल्ड नेकलेस आपके पूरे लुक को रॉयल टच दे सकता है। अगर साड़ी हैवी है तो मीडियम साइज का नेकलेस चुनें और अगर साड़ी सिंपल है तो थोड़ा हैवी नेकपीस ट्राई कर सकती हैं। इसके साथ छोटे झुमके या स्टड ईयररिंग्स पहनें, ताकि लुक जरूरत से ज्यादा भारी न लगे।

ऑक्सीडाइज्ड ज्वैलरी व कुर्ती

यदि आप सिंपल कुर्ती पहनकर जा रही हैं और आपको लगता है कि कुछ ऐसी ज्वैलरी कैरी की जाए जिससे वह डिफरेंट बन जाए तो इसके लिए एंटीक चोकर या ऑक्सीडाइज्ड नेकलेस ट्राई करें। प्लेन व्हाइट, ब्लैक, बेज, ग्रीन या मरून कुर्ती के साथ कॉन्ट्रास्टिंग एंटीक ज्वैलरी काफी खूबसूरत लगेगी। इसके साथ जूतियां और छोटा हैंडबैग कैरी करके आप ऑफिस से लेकर कैजुअल आउटिंग तक के लिए स्टाइलिश लुक पा सकती हैं।

एंटीक ज्वैलरी वेस्टर्न ड्रेस पर भी जंचेगी

एंटीक ज्वैलरी की खासियत है कि वह सिर्फ ट्रेडिशनल ड्रेस को ही खास लुक नहीं देती, बल्कि वेस्टर्न ड्रेस पर भी खूब जंचती है। ब्लैक, व्हाइट या सॉलिड कलर की वेस्टर्न ड्रेस के साथ एंटीक स्टेटमेंट नेकलेस पहनकर आप एक खूबसूरत इंडो-वेस्टर्न लुक क्रिएट कर सकती हैं। अगर ड्रेस की नेकलाइन सिंपल है, तो हैवी नेकपीस अच्छा लगेगा। वहीं हाई नेक या ज्यादा डिजाइन वाली ड्रेस के साथ स्टेटमेंट ईयररिंग्स बेहतर विकल्प हैं।

झुमके देंगे कानों को खूबसूरती

कई बार ऐसा होता है कि गले में ज्वैलरी पहनने का मन नहीं होता है, तो ऐसे में आप सिर्फ कानों में भी ज्वैलरी को कैरी कर सकती हैं। बड़े झुमके खासतौर पर साड़ी, अनारकली और एथनिक ड्रेस के साथ अच्छे लगते हैं। सिंपल ड्रेस के साथ बड़े झुमके पहनने पर चेहरे पर भी ध्यान जाता है और लुक ज्यादा ग्लैमरस दिखाई देता है। तो एंटीक झुमकों को अपनी ज्वैलरी में जरूर शामिल करें।

एंटीक ब्रेसलेट और कड़े

जब आप कानों में या फिर गले में एंटीक ज्वैलरी कैरी करती हैं तो ऐसे में जरूरी हो जाता है कि हाथों में भी कुछ एंटीक कैरी किया जाए। तो ऐसे में आप एंटीक ब्रेसलेट या फिर कड़े पहन सकती हैं। स्लीवलेस ड्रेस या शॉर्ट-स्लीव आउटफिट के साथ स्टेटमेंट ब्रेसलेट अच्छा लगेगा, जबकि एथनिक ड्रेस के साथ एंटीक कड़ों की लेयरिंग की जा सकती है।

आउटफिट हैवी और मिनिमल ज्वैलरी

जरूरी है कि सिंपल ड्रेस के साथ हैवी एंटीक ज्वैलरी ट्राई करें। यदि आपका आउटफिट हैवी है तो उसके साथ मिनिमल ज्वैलरी चुनें। ड्रेस और ज्वैलरी के रंगों में अच्छा कॉन्ट्रास्ट रखें। एक साथ बहुत सारे स्टेटमेंट पीसेज पहनने से बचें। फंक्शन के लिए चोकर, झुमके और मांग टीका का कॉम्बिनेशन चुन सकती हैं। कैजुअल लुक के लिए सिर्फ एंटीक ईयररिंग्स या पेंडेंट काफी हैं। वेस्टर्न ड्रेस के साथ एंटीक ज्वैलरी पहनकर इंडो-वेस्टर्न लुक क्रिएट करें।

खानदानी बहुओं के गले खूब जचेंगे ग्रीन एंटीक नेकलेस, 5 डिजाइन करें कलेक्शन में शामिल

ग्रीन एंटीक नेकलेस इन ट्रेंड

ग्रीन एंटीक नेकलेस आजकल महिलाओं की ज्वेलरी कलेक्शन का खास हिस्सा बनते जा रहे हैं। इन नेकलेस की सबसे बड़ी खासियत इनका रॉयल और ट्रेडिशनल लुक है, जो किसी भी एथनिक आउटफिट की खूबसूरती को बढ़ा देता है। खासकर शादी, त्योहार, पारिवारिक समारोह में ग्रीन स्टोन और एंटीक फिनिश वाले नेकलेस बेहद आकर्षक नजर आते हैं। आइए देखते हैं ग्रीन एंटीक नेकलेस के 5 ऐसे खूबसूरत डिजाइन्स, जिन्हें आपको अपने ज्वेलरी कलेक्शन में शामिल करना चाहिए।

बड़े-छोटे मोतियों का नेकलेस

खानदानी बहुएं अपने लुक और स्टाइल की वजह से हमेशा फेमस रहती हैं। उनपर बड़े-छोटे हरे मोतियों वाले एंटिक नेकलेस खूब जचेंगे। वे इन्हें इन हाउस फंक्शन या फिर किटी पार्टीज में स्टाइल कर सकती हैं। इससे उनका लुक एकदम हटके और क्लासी दिखेगा।

गोल्डन टच एंटिक नेकलेस

गोल्डन टच एंटिक नेकलेस की डिमांड भी काफी है। इनमें बारीक हरे मोतियों के साथ गोल्डन मोतियों को अटैच किया जाता है, जिससे इनका लुक एकदम शानदार दिखता है। इन्हें खानदानी बहुएं ग्रैंड वेडिंग फंक्शन में पहन सकती हैं। इन्हें साड़ी या लहंगा पर स्टाइल किया जा सकता हैं।

झालर वाला नेकलेस

लेडीज इन दिनों झालर वाले नेकलेस के लिए क्रेजी

नजर आ रही हैं। हरे और गोल्डन मोतियों की झालर वाले ये नेकलेस राजसी लुक देते हैं। इन्हें हैवी साड़ी या फिर ट्रेडिशनल लहंगा के साथ पहना जा सकता है। इन्हें पहनने से लुक एकदम ग्रेसफुल नजर आता है।

डिजाइनर नेकलेस

खानदानी बहुओं पर डिजाइनर नेकलेस खूब जचेंगे। बड़े मोती से बना ये नेकलेस अपने क्लासी लुक और स्टाइल की वजह से काफी पॉपुलर है। इन्हें लेडीज इंडो-वेस्टर्न आउटफिट के साथ कैरी कर सकती हैं।

बारीक मोतियों का नेकलेस

बारीक मोतियों वाला लंबा नेकलेस पहनने के बाद लुक को ग्रेसफुल बना देता है। इस तरह के नेकलेस में हरे मोतियों की कई लेयर होती है और बीच लाल-सफेद कुंदन से इन्हें अटैच किया जाता है।

पान का सफर: स्वाद से आगे तहज़ीब की पहचान

पान, जिसे ऐतिहासिक दृष्टि से ताम्बूला भी कहते हैं, का उल्लेख प्राचीन संस्कृत व तमिल साहित्य और पांचवीं शताब्दी के कालिदास के लेखन में भी मिलता है। प्राचीन आयुर्वेदिक ग्रंथों जैसे चरक संहिता में बताया गया है कि यह पाचन में मदद करता है, श्वांस में ताज़गी लाता है और शरीर के दोषों को संतुलित करता है। कामसूत्र में कहा गया है कि पान चबाने से रोमांस में वृद्धि होती है। इस पृष्ठभूमि में पान का भारतीय संस्कृति का अटूट हिस्सा बनना स्वाभाविक था और वह भी इस हद तक कि प्राचीन व मध्ययुग की हिंदू रियासतों में राजा के हाथों से पान हासिल करना बहुत बड़ा शाही सम्मान माना जाता था। स्वागत व विदाई में पान के पत्तों की संख्या से हैसियत मालूम होती थी-राजा को 32 पान, राजकुमार को 24 पान, ज्ञानी को 12 पान और साधारण व्यक्ति को 4 पान। औपचारिक समारोह में मेज़बान दोनों हाथों से पान पेश करता। दूसरों के सामने पान खाना और उन्हें पेश न करना बदतमीजी में शुमार होता था। प्रतिद्वंद्वी से पान लेने के लिए मजबूर होना अपमान का घूंट पीना था।

मुग़लकाल में पान का सेवन ललित कला के स्तर तक पहुंच गया। चांदी व सोने के पानदान कुलीन जीवन का आवश्यक अंग बन गये। यूरोपीय यात्रियों जैसे थॉमस रो ने लिखा है कि बादशाह जहांगीर के अपने पानदान से पान मिलना ज़बरदस्त राजनयिक सम्मान का प्रतीक था। दिल्ली व लखनऊ के नवाबी दौर में पान शेर-ओ-शायरी, संगीत व तवाइफों की तहज़ीब का हिस्सा बन गया।

ब्रिटिश प्रशासनिक व सेनेटरी दृष्टिकोण के तहत पान को 'गंदी देशज प्रथा' के रूप में देखा जाने लगा। छाली व तम्बाकू युक्त पान खाने की आदत को मुंह व गले के कैंसर से जोड़ा जाने लगा। लेकिन इस 'कोलोनियल कलंक' के बावजूद पान खाने का सिलसिला जारी रहा, रोजमर्रा के स्ट्रीट फूड के रूप में, खाने के बाद हाजमे के लिए और मेहमाननवाज़ी के तौर पर शादियों, उत्सवों व समारोह में। पहले जहां सिर्फ़ तीन क़िस्म के पान खाए जाते थे—मीठा पान, सादा पान व ज़र्दा पान तो अब चॉकलेट, फ्रूट-फ्लेवर, फायर पान आदि भी आ गये हैं।

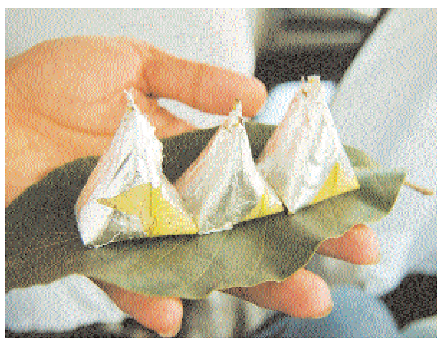

दिलचस्प बात यह है कि पान भारतीय पौधा नहीं है। यह इण्डोनेशिया के द्वीपों व मलय प्रायद्वीप से पानी के व्यापारी जहाज़ों के ज़रिये भारत आया। कर्नाटक के बेलूर में चेन्नाकेशव मंदिर, जिसका निर्माण 12वीं शताब्दी में होयसल राजवंश ने कराया था, की बाहरी दीवारों पर एक महिला को पान के पत्ते लिए हुए दर्शाया गया है, जिससे मालूम होता है कि पान को भारत में कितनी जल्दी स्वीकृति मिली और अब कोई हिंदू समारोह इसके बिना पूर्ण नहीं होता है। तमिल संगम कविता 2,000 वर्ष पुराने संसार को बयान करती है जो पान से परिचित थी। पातिप्पलाई कविता में पुहार के व्यस्त बाज़ारों का वर्णन है, जहां पान के पत्ते बेचे जाते थे। असम में मेहमान को सबसे पहले छालियां या सुपारी पेश की जाती थीं। भूटान में जब भी दो लोग मिलते तो 'डोमा ज़्हेस' (कृपया पान व छाली लें) कहते। पटनायक का कहना है, 'एक पौधा जो समुद्र के रास्ते से दूर के द्वीपों से आया, वेदों में जिसका ज़िक्र नहीं, जो होयसल मंदिरों की दीवारों पर मौजूद है, वह त्रिदेव का प्रतीक बन गया, एक साथ लक्ष्मी व यम का वास बन गया और मानव संबंधों का व्याकरण भी।

काम में आ रही रुकावटों को दूर करता है पान का पत्ता

पान का पत्ता न केवल खाने के लिए बल्कि पूजा के लिए भी इस्तेमाल किया जाता है। हालांकि, पान के पत्ते का वास्तु शास्त्र में काफी महत्व है। एक साधारण सा पान का पत्ता आपकी किस्मत भी बदल सकता है। बता दें कि यह बात न कोई तिलिस्म है, न ही कोई कोरी कल्पना। भारतीय परंपराओं और धार्मिक विश्वासों में पान का पत्ता केवल स्वाद का हिस्सा नहीं, बल्कि सौभाग्य और समाधान का भी खजाना है। व्यक्ति मेहनत तो करता है, लेकिन सफलता के लिए उसे दर-दर भटकना पड़ता है। लेकिन हमारे ही घर में मौजूद यह हरा-भरा पत्ता जीवन की तमाम रुकावटों को सुलझाने की ताकत रखता है। इसे सही विधि से उपयोग किया जाए, तो यह आपकी किस्मत के बंद दरवाजों को खोल सकता है और कष्टों को कम कर सकता है। तो आज की इस खबर में हम आपको बताने जा रहे हैं कि कैसे पान का पत्ता अटके हुए कार्यों को दूर करता है।।

पान का पत्ता ग्रहों को करता है शांत

पान का पत्ता पूजा में भगवान को चढ़ाया जाता है। यह शुभता और शुद्धता का प्रतीक माना गया है। इसे ग्रहों की शांति, विशेष रूप से राहु और केतु के प्रभाव को कम करने के लिए इस्तेमाल किया जाता है। यह सकारात्मक ऊर्जा को आकर्षित करता है और वातावरण को शुद्ध करता है। आप गुरुवार को भगवान विष्णु को ताजा पान का पत्ता चढ़ाएं करें। इससे जीवन में आ रही रुकावटें धीरे-धीरे दूर होती जाएंगी।

तिजोरी की करें पूजा

पान के पत्ते पर हल्दी और अक्षत रखकर तिजोरी या पूजा स्थान पर रखें। यह उपाय धन और समृद्धि को आकर्षित करने में सहायक होता है। साथ ही पान के पत्ते पर कपूर और लौंग रखकर जलाएं। यह नकारात्मक ऊर्जा को नष्ट करता है और मानसिक शांति प्रदान करता है।

करियर में भी होगी बरकत

कई दिनों से आपका धंधा मंदा चल रहा है और तमाम जद्दोजहद के बाद भी काम तो शनिवार के दिन 5 पान के साबुत पत्ते लेकर एक ही धागे में बांध दें। इस धागे को अपनी दुकान में पूर्व दिशा में बांध दें। हर शनिवार को यह पत्ते और धागा बदल दें। पुराने पत्तों को जल में प्रवाहित कर दें।

ऐसा करने से आपके बिजनेस में आ रही बाधाएं दूर हो जाएंगी। वैवाहिक जीवन के लिए होता है शुभ पान का पत्ता वैवाहिक जीवन के लिए काफी शुभ होता है। अगर लंबे समय से आपके जीवन में तनाव चल रहा है तो शुक्रवार के दिन पान के एक पत्ते में 7 गुलाब की ताजा पंखुड़ियां रखें और इसे माता लक्ष्मी के मंदिर में अर्पित करें।

अगर आप मंदिर नहीं जा सकती हैं तो घर में ही लक्ष्मी जी की तस्वीर के पास इसे रखें, लेकिन ऐसे रखें कि किसी भी बाहरी व्यक्ति की बिल्कुल भी नजर न पड़े।

बीमार मेडिकल सिस्टम से ईलाज की उम्मीद

इन दिनों वायरल फीवर का जोर है। तीन चार दिन के वायरल फीवर ने अपन का हुलिया ही बिगाड़ दिया। अपनी एलोपैथी डॉक्टर एमडी बेटी ने एलोपैथी दवा वहाटसएप पर लिखी। होम्योपैथिक डॉक्टर बेटी दामाद जी ने होम्योपैथी की डोज सलाह दी । जिसकी सलाह न मानूं उसके ही नाराज होने का खतरा! क्योंकि फिर भी कभी दवा और सलाह की जरूरत पड़ सकती है बीमारी से ज्यादा इलाज की पैथी को लेकर झंझट! हालांकि होम्योपैथी दवा का जबाब नहीं क्योंकि यह साइड इफेक्ट नही देती है या यह कहिये कि इसके दुष्प्रभाव बहुत कम होता है लेकिन इसकी उपचार गति थोड़ा धीमी होती है और आज की दुनिया में सब कुछ तत्काल चाहिए। रोगी एक दो दिन में सही न हो तो तुरंत एलोपैथी पर पहुंच जाता है चाहे वहां हफ्ता लग जाए और दवा के तमाम साइड इफेक्ट झेलने पड़े। बहरहाल अपन तब खुश थे जब आर्युवेद व अंग्रेजी मिक्स देसी डॉक्टर से तीन पुड़िया लाकर खा लेते थे लेकिन पढ़े लिखों डॉक्टर संतानो ने झंझट पैदा कर दिया। पापा इसमें ये छोटी सी दिख रही गोली स्ट्राइड है यह बहुत हार्मफुल है। मान लिया वह हार्मफुल थी लेकिन हम तो उसे खाकर ही ठीक होते रहे? अब तो कई कई दिन और कई कई बार ढेर गोलियां खाने के बाद भी आराम मिल जाए तो भगवान की कृपा.. शरीर ऐसे टूटता है बस। वायरल फीवर का जिक्र करते ही पापा ब्लड सीबीसी टैस्ट कराने के लिए बोला था पर आप मानते ही कहां है? कैसे समझाये इन बच्चों को हम उस पीढ़ी के लोग हैं जिनका जन्म बिना गर्भ का अल्ट्रासाउंड किए एक अशिक्षित समझी जाने वाली दाई द्वारा सकुशल सम्पन्न हो जाता था वो भी लालटेन की मद्धम रोशनी में। कोई नर्सरी में रखने की जरूरत नहीं होती थी कोई जोइंडिस नहीं होता था जून की तपती गर्मी में बिजली आती ही कब थी माताएं बिना पंखे, एसी की सुविधा के घर के एक कमरे में प्रसव पीड़ा झेल लेती थी और हम जैसे बहादुर बच्चे माँ के गर्भ में पैर चला चला कर दुनिया के रूबरू हो जाते थे। दुनिया में आने के लिए की गई यही मेहनत एक नवजात शिशु को जीवन भर के लिए मजबूत फाउंडेशन तैयार कर देती थी यह मैं नहीं कह रहा खुद शोधकर्ता डॉक्टर कहते हैं सुविधाएं बढ़ी तो सामर्थ्य घटी। मेरे बाबा जी जो वैद्य थे नाड़ी देख कर जटिल रोगों का उपचार कर देते थे। अब समूचा इलाज दवा इंडस्ट्री ने जकड़ लिया है डोलो 650 ही दी जाती है चाहे जरूरत क्रोसिन 300 की हो। गैस न भी बने एंटासिड पेंटाप देना जरूरी है आप चाहें तो हंस सकते हैं मुझे एंटासिड लेने पर उल्टा असर होता है।

भारत की नई वैश्विक आर्थिक छलांग

वैश्विक स्तरपर आज की दुनियाँ में किसी देश की आर्थिक ताकत का आकलन केवल उसके सकल घरेलू उत्पाद शेयर बाजार के सूचकांकों या विदेशी मुद्रा भंडार से नहीं किया जाता।वास्तविक शक्ति उस देश की इस क्षमता से तय होती है कि वह वैश्विक पूंजी कोकितना आकर्षित कर सकता है, अपनी आपूर्तिश्रृंखलाओं को कितना सुरक्षित रख सकता है,तकनीकी और रणनीतिक क्षेत्रों में कितनी आत्मनिर्भरता हासिल कर सकता है तथा बदलती विश्व व्यवस्था में अपनी आवाज को कितना प्रभावशाली बना सकता है।इसी दृष्टि से वर्ष 2026 भारत के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण दिखाई देता है। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह बताना चाहूंगा कि वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की अमेरिका यात्रा, ज़ी20 में भारत की सक्रिय भूमिका, ईओएस-05 जैसे अत्याधुनिक पृथ्वी अवलोकन उपग्रह की सफलता,विदेशी मुद्रा भंडार का रिकॉर्ड स्तर और आगामी 12-13 सितंबर 2026 नई दिल्ली ब्रिक्स शिखर सम्मेलन,ये सभी घटनाएं अलग-अलग दिखाई देती हैं,लेकिन वास्तव में इनके पीछे एक साझा कहानी है- भारत वैश्विक अर्थव्यवस्था में केवल भागीदार नहीं, बल्कि प्रभावशाली शक्ति बनने की दिशा में सटीकता से आगे बढ़ रहा है। साथियों, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की हालिया अंतरराष्ट्रीय आर्थिक कूटनीति इस परिवर्तन का महत्वपूर्ण हिस्सा है।सरकारी कार्यक्रम के अनुसार 25 अगस्त से 2 सितंबर 2026 तक कनाडा और अमेरिका की यात्रा के दौरान उन्होंने निवेशकों, कंपनियों और वित्तीय क्षेत्र के

प्रतिनिधियों से मुलाकात की तथा अमेरिका में शिकागो, एशविले और न्यूयॉर्क का दौरा किया।एशविले में 31 अगस्त और 1 सितंबर को आयोजित ज़ी 20 फाइनेंस मिनिस्टर्स एंड सेंट्रल बैंक गवर्नर्स बैठक में भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करना विशेष महत्व रखता है।इसका अर्थ यह है कि भारत वैश्विक आर्थिक संकटों पर प्रतिक्रिया देने वाला देश मात्र नहीं रहना चाहता,बल्कि वैश्विक आर्थिक नियमों, वित्तीय स्थिरता और विकास की दिशा तय करने वाली बातचीत में अपनी भूमिका मजबूत कर रहा है। ऐसे समय में जब व्यापार तनाव, ऊर्जा कीमतों, ऋण संकट और भू-राजनीतिक संघर्षों ने वैश्विक निवेशकों के सामने अनिश्चितता बढ़ाई है, भारत का संदेश यह है कि उसकी अर्थव्यवस्था दीर्घकालिक निवेश, उत्पादन और तकनीकी विस्तार के लिए एक महत्वपूर्ण गंतव्य बनी हुई है।इसका सीधा प्रभाव भारतीय शेयर बाजार पर भी पड़ सकता है। जब वित्त मंत्री विश्व के बड़े निवेशकों के सामने भारत की आर्थिक क्षमता, निवेश अवसरों और वित्तीय क्षेत्र की संभावनाओं को प्रस्तुत करती हैं, तो इसका महत्व केवल कूटनीतिक नहीं होता। विदेशी संस्थागत निवेशक किसी बाजार में पैसा लगाने से पहले आर्थिक वृद्धि,मुद्रास्थिरता विदेशी मुद्रा भंडार राजकोषीय स्थिति,नीतिगत स्थिरता और कॉर्पोरेट संभावनाओं को देखते हैं।यदि इन मोर्चों पर विश्वास मजबूत होता है तो भारतीय इक्विटी बाजार में दीर्घकालिक विदेशी पूंजी का प्रवाह बढ़ सकताहैहालांकि इसका अर्थ यह नहीं है कि शेयर बाजार लगातार ऊपर ही जाएगा। वैश्विक ब्याज दरें, अमेरिकी बॉन्ड यील्ड, कच्चे तेल की कीमतें, युद्ध और व्यापार नीतियां भारतीय बाजार में अस्थिरता पैदा कर सकती हैं। इसलिए भारत की कहानी मजबूत होने के बावजूद निवेशकों के लिए जोखिम प्रबंधन उतना ही महत्वपूर्ण रहेगा। साथियों, इसी आर्थिक कहानी को भारत के रिकॉर्ड विदेशी मुद्रा भंडार ने और मजबूती दी है।28 अगस्त 2026 को समाप्त सप्ताह में भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 11.475 अरब डॉलर बढ़कर 740.803 अरब डॉलर के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया।विदेशी मुद्रा परिसंपत्तियां लगभग 600.67 अरब डॉलर और स्वर्ण भंडार लगभग 116.41 अरब डॉलर रहा।

क्रिकेटरों के लिए अलग होटल की व्यवस्था नहीं बीसीसीआई अपनी पसंद का होटल ले सकता है

टोक्यो। जापान में होने वाले एशियन गेम्स के दौरान भारतीय क्रिकेट टीम के लिए भारतीय ओलंपिक संघ अलग से होटल की व्यवस्था नहीं करेगा। अगर बीसीसीआई आयोजकों की ओर से तय होटलों के बजाय अपनी पसंद का होटल चुनता है, तो खिलाड़ियों के ठहरने, खाने, स्थानीय परिवहन और मैच वेन्यू तक पहुंचाने की जिम्मेदारी बोर्ड की होगी। आईओए के सीईओ रघुराम अय्यर ने कहा कि एशियन गेम्स में शामिल सभी 36 खेलों के खिलाड़ियों, कोच और सपोर्ट स्टाफ के साथ समान व्यवहार किया जाएगा। बीसीसीआई सीईओ हेमांग अमीन और आईओई सीईओ रघुराम अय्यर के बीच इस मुद्दे पर बातचीत हुई है। बीसीसीआई अगले हफ्ते की शुरुआत में एक एडवांस्ड टीम जापान भेजेगा।यह टीम होटल, क्रिकेट वेन्यू और दूसरी स्थानीय सुविधाओं का जायजा लेगी। इसके बाद बोर्ड तय करेगा कि आयोजकों की ओर से दिए गए होटलों में रहना है या अपनी व्यवस्था करनी है। अय्यर ने कहा कि बीसीसीआई अपने खिलाड़ियों के हित में फैसला लेने के लिए स्वतंत्र है। अगर बोर्ड अलग व्यवस्था करता है तो आईओए को कोई आपत्ति नहीं है, लेकिन उससे जुड़ी लॉजिस्टिक्स की जिम्मेदारी बीसीसीआई की होगी।

मेंस टीम के लिए थ्री स्टार, वूमंस को 4-स्टार होटल

एशियन गेम्स के आयोजकों ने भारतीय मेंस टीम के लिए थ्री स्टार होटल नागोया एकिमाए और वूमंस टीम के लिए 4-स्टार ग्रैंड होटल की व्यवस्था की है। दोनों होटलों में जरूरी सुविधाएं उपलब्ध हैं, लेकिन भारतीय क्रिकेटरों के आमतौर पर रहने वाले फाइव स्टार होटल की तुलना में ये एक लेवल नीचे हैं। खिलाड़ियों के लिए कमरे ट्विन-शेयरिंग के आधार पर दिए जाएंगे। यही व्यवस्था बीसीसीआई के लिए चिंता का विषय बनी हुई है।

अलग होटल में भी लागू रहेंगे सुरक्षा और डोपिंग नियम

अगर बीसीसीआई अपनी व्यवस्था करता है तो क्रिकेटर एशियन गेम्स सिस्टम से बाहर नहीं होंगे। खिलाड़ियों पर गेम्स के सुरक्षा, एक्रेडिटेशन और एक्सेस प्रोटोकॉल लागू रहेंगे। बिना वैध एक्रेडिटेशन वाले बाहरी लोगों को खिलाड़ियों के होटल में प्रवेश नहीं मिलेगा। इसके अलावा वाडा और इंटरनेशनल टेस्टिंग एजेंसी के डोप-कंट्रोल अधिकारियों को खिलाड़ियों के ठिकाने की जानकारी देनी होगी, ताकि जरूरत पडऩे पर रैंडम डोप टेस्ट किया जा सके।

अयूब-किओंग की जोड़ी को हराकर सात्विक-चिराग चाइना मास्टर्स के फाइनल में पहुंचे

शेनझेन (चीन)। भारत के सात्विकसराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी जोड़ी ने भी टूर्नामेंट में अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए मलेशिया के नूर मोहम्मद अजीरन अयूब और टैन बी किओंग की जोड़ी के खिलाफ जीत दर्ज कर चाइना मास्टर्स के पुरुष युगल के फाइनल में जगह बना ली है। आज यहां खेले गये सेमीफाइनल में बैडमिंटन रैंकिंग में पांचवें पायदान पर मौजूद भारत की सात्विक और चिराग की जोड़ी ने मलेशिया के नूर मोहम्मद अजीरन अयूब और टैन वी किओंग की जोड़ी को एक घंटे छह मिनट तक चले मुकाबले में 21-16, 18-21, 21-11 से हराकर चाइना मास्टर्स के फाइनल में प्रवेश किया। इस जीत के साथ सात्विक और चिराग पिछले चार संस्करणों में तीसरी बार चाइना मास्टर्स के फ़ाइनल में पहुंचे हैं। वे 2023 और 2025 में रनर-अप रहे थे और 2024 में सेमीफ़ाइनल तक पहुंचे थे। एशियाई खेलों के मौजूदा पुरुष युगल बैडमिंटन चैंपियन के पास अब अपना पहला चाइना मास्टर्स ख़िताब जीतने का एक और मौका होगा। 2005 में शुरू हुए इस टूर्नामेंट को अब तक किसी भी भारतीय शटलर ने नहीं जीता है। मलेशियाई जोड़ी ने शुरुआती गेम में 5-0 की बढ़त बना ली थी, लेकिन सात्विक और चिराग ने लगातार सात अंक जीतकर वापसी की और मिड-गेम इंटरवल तक 11-9 की बढ़त बना ली। ब्रेक के बाद भी भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ियों ने अपनी बढ़त बनाए रखी और 17-15 के स्कोर से आगे बढ़ते हुए अगले पांच में से चार अंक जीतकर पहला गेम अपने नाम किया। दूसरे गेम में भी मलेशियाई खिलाड़ियों ने तेज़ शुरुआत की और 4-0 की बढ़त बना ली, लेकिन फिर सात्विक और चिराग ने अपनी लय हासिल की और 10-8 से आगे हो गए। इसके बाद बढ़त कई बार बदली और दोनों जोड़ियां 18-18 के स्कोर पर बराबरी पर आ गईं। हालांकि, नूर मोहम्मद अज़रीन अयूब और टैन वी किओंग ने लगातार तीन अंक जीतकर मैच को निर्णायक गेम (डिसाइडर) तक पहुंचा दिया। सात्विक और चिराग ने यह सुनिश्चित किया कि निर्णायक गेम में मलेशियाई खिलाड़ियों की तेज़ शुरुआत वाली रणनीति दोबारा न चल पाए। उन्होंने शुरुआत से ही नियंत्रण बनाए रखा और मिड-गेम इंटरवल तक 11-4 की बढ़त हासिल कर ली। साइड बदलने के बाद भी भारतीय जोड़ी ने खेल पर अपना दबदबा बनाए रखा और निर्णायक गेम जीतकर फ़ाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली।

सच बाजार

ऑटो कंपोनेंट कंपनियों के पास 98,000 करोड़ रुपये का स्टॉक फंसा, जानें रिपोर्ट में क्या हुआ खुलासा

एजेंसी ॥ नई दिल्ली

भारतीय ऑटो कंपोनेंट उद्योग में करीब 98,000 करोड़ रुपये का स्टॉक फंसा हुआ है। इसमें से 29,000 से 39,000 करोड़ रुपये तक की राशि स्टॉक प्रबंधन में सुधार करके जारी की जा सकती है। यह राशि कार्यशील पूंजी के रूप में उपयोग हो सकती है। एमएसएमई क्षेत्र को इससे 4,000 से 5,600 करोड़ रुपये का लाभ मिल सकता है। वेक्टर कंसल्टिंग ग्रुप ने अपनी एक रिपोर्ट में यह बात कही है।

रिपोर्ट बताती है कि देश के 80 फीसदी ऑटो कंपोनेंट निर्माता एमएसएमई हैं। खपत-आधारित इस्तेमाल का तरीका अपनाने वाली कंपनियां 30 से 40 फीसदी तक स्टॉक कम कर सकती हैं। भारत के ऑटो कंपोनेंट एमएसएमई का कुल राजस्व लगभग 2.4 से 2.9 लाख करोड़ रुपये है। उत्पादकता में 30 फीसदी सुधार से 74,000 से 88,000 करोड़ रुपये का अतिरिक्त वार्षिक राजस्व मिल सकता है। सामग्री लागत के बाद, यह 29,000 से 44,000 करोड़ रुपये का वृद्धिशील मूल्य पूल बना सकता है। इन लाभों से एक आत्म-सुदृढ़ निवेश चक्र बन सकता है। परिचालन सुधारों से कार्यशील पूंजी मुक्त होगी और उत्पादकता बढ़ेगी। इससे बाहरी पूंजी तक पहुंच भी बेहतर होगी।

क्या एमएसएमई भविष्य के लिए तैयार नहीं हैं?

वेक्टर के अध्ययन से पता चला कि 95 फीसदी उद्योग नेता मानते हैं कि एमएसएमई भविष्य की वृद्धि के लिए पर्याप्त निवेश नहीं कर रहे। यह अध्ययन ऑटोमोटिव कंपोनेंट मैन्यूफैक्चरर्स एसोशिएशन ऑफ इंडिया (एसीएमए) के 66वें वार्षिक सत्र में जारी किया गया था। शोध में भविष्य की प्रतिस्पर्धा के लिए आवश्यक क्षमताओं और वर्तमान में उपलब्ध क्षमताओं के बीच बड़ा अंतर पाया गया। यह अंतर ऑटोमोटिव एमएसएमई आपूर्तिकर्ताओं और टियर-1, टियर-2 कंपनियों के वरिष्ठ अधिकारियों के इनपुट पर आधारित है। इस अध्ययन के लिए जुलाई से अगस्त 2026 तक 21 वरिष्ठ उद्योग अधिकारियों से डेटा एकत्र किया गया था।

क्या विनिर्माण क्षमता को बरकरार रखना है चुनौती?

अध्ययन में क्षमता का विरोधाभास भी सामने आया है। संयंत्र औसतन 75 से 85 फीसदी क्षमता उपयोग पर चल रहे हैं। फिर भी, 91 फीसदी उत्तरदाताओं ने क्षमता को एक बड़ी चुनौती माना। बार-बार होने वाले बदलाव, गुणवत्ता में हानि और पुनः कार्य तथा खराब सामग्री प्रवाह प्रभावी उत्पादक क्षमता को कम करते हैं। वेक्टर कंसल्टिंग ग्रुप के मैनेजिंग पार्टनर रविंद्र पटकी ने कहा, अवसर केवल अधिक क्षमता जोड़ने का नहीं है।उन्होंने कहा, भारतीय कंपनियों के पास जो क्षमता है, उसका एक बड़ा हिस्सा उत्पादक उत्पादन में नहीं बदल रहा है।

भारत के लिए आगे क्या है महत्वपूर्ण?

रविंद्र पटकी के अनुसार, परिचालन में फंसी नकदी को मुक्त करना महत्वपूर्ण है। मौजूदा कारोबार की अर्थव्यवस्था में सुधार करना और अधिशेष को क्षमताओं में लगाना जरूरी है। यह तय करेगा कि भारतीय आपूर्तिकर्ता भविष्य की ऑटोमोटिव मूल्य श्रृंखला में कैसे बढ़ेंगे। रिपोर्ट कहती है कि भारत के ऑटोमोटिव आपूर्तिकर्ता आधार को मजबूत करना उद्योग की प्रतिस्पर्धा के लिए महत्वपूर्ण है। वाहन का मूल्य बैटरी, पावर इलेक्ट्रॉनिक्स और एकीकृत इलेक्ट्रॉनिक प्रणालियों की ओर बढ़ रहा है। भारत की घरेलू स्थानीयकरण और वैश्विक सोर्सिंग की अगली लहर पर कब्जा करने की क्षमता आपूर्तिकर्ता पारिस्थितिकी तंत्र पर निर्भर करेगी।

प्याज के दाम ने बिगाड़ा रसोई का बजट 25 से बढ़कर 60 रुपए किलो पहुंचा भाव

चंडीगढ़। चंडीगढ़ मे प्याज की कीमतों में एक बार फिर तेजी आ गई है। महज कुछ दिनों में प्याज का भाव 25 रुपए प्रति किलो से बढ़कर 60 रुपए तक पहुंच गया है। इससे रसोई का बजट बिगड़ने लगा है। लोगों का कहना है कि बरसात शुरू होने से पहले ही सब्जियों के दाम तेजी से बढ़ रहे हैं। ऐसे में बारिश के दौरान महंगाई किस कदर परेशान करेगी, इसका अंदाजा लगाया जा सकता है। थोक व्यापारियों के अनुसार मंडी में प्याज की आवक तेजी से कम हुई है। सामान्य दिनों में प्रतिदिन 15 से 20 ट्रक प्याज पहुंचते थे, लेकिन अब यह संख्या घटकर महज 4 से 5 ट्रक रह गई है। मौजूदा समय में राजस्थान, नासिक और इंदौर से सीमित मात्रा में प्याज मंडी पहुंच रहा है।

व्यापारियों का कहना है कि सबसे अधिक असर मध्य प्रदेश में बारिश के कारण प्याज की फसल खराब होने से पड़ा है। फसल की खुदाई के बाद हुई बारिश के चलते बड़ी मात्रा में प्याज खेतों में ही सड़ गया। इसके अलावा नासिक और मध्य प्रदेश में लगातार बारिश से आवक प्रभावित हुई है। थोक व्यापारियों के मुताबिक पिछले एक सप्ताह में प्याज की कीमतों में करीब 50 फीसदी तक बढ़ोतरी हुई है। इसके पीछे मांग और आपूर्ति में अंतर के अलावा पिछली रबी फसल में उत्पादन कम होना भी प्रमुख कारण है। व्यापारियों के अनुसार केंद्र सरकार की ओर से प्याज के निर्यात पर प्रतिबंध हटाना भी कीमत बढ़ने की एक वजह माना जा रहा है। सरकार ने घरेलू कीमतों को नियंत्रित करने के लिए दिसंबर 2023 में लगाए गए निर्यात प्रतिबंध को वित्त वर्ष 2024-25 की शुरुआत में हटा दिया था। आवक में कमी और बढ़ती मांग के चलते आने वाले दिनों में प्याज की कीमतों पर दबाव बने रहने की आशंका है।

रिकॉर्ड स्तर पर भारत का विदेशी मुद्रा भंडारः 740.8 अरब डॉलर पर पहुंचा आंकड़ा, जानें इजाफे का क्या है कारण

एजेंसी ॥ नई दिल्ली

भारतीय रिजर्व बैंक ने बताया कि भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 28 अगस्त को समाप्त हुए सप्ताह के दौरान 11.475 अरब अमेरिकी डॉलर बढ़कर 740.803 अरब अमेरिकी डॉलर के नए सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया है। यह देश के लिए एक महत्वपूर्ण आर्थिक उपलब्धि है। पिछले रिपोर्टिंग सप्ताह में भी यह भंडार 12.422 अरब अमेरिकी डॉलर बढ़कर 729.328 अरब अमेरिकी डॉलर के रिकॉर्ड स्तर पर था। यह लगातार दूसरे सप्ताह विदेशी मुद्रा भंडार में बड़ी वृद्धि दर्ज की गई है।इससे पहले, विदेशी मुद्रा भंडार का सर्वकालिक उच्च स्तर 27 फरवरी को 728.494 अरब अमेरिकी डॉलर था। यह मध्य पूर्व संघर्ष के ठीक पहले हासिल किया गया था। भू-राजनीतिक तनावों के कारण रुपये में गिरावट आई थी। उस समय भारतीय रिजर्व बैंक को डॉलर बेचकर विदेशी मुद्रा बाजार में हस्तक्षेप करना पड़ा था। इसके परिणामस्वरूप कई हफ्तों तक भंडार में गिरावट देखी गई थी। इस साल जून में भारतीय रिजर्व बैंक ने रियायती विदेशी मुद्रा अदला-बदली पहल की घोषणा की थी। यह स्थानीय मुद्रा के तेज मूल्यह्रास के बीच की गई थी। इस पहल से 132 अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक का नया प्रवाह हुआ है।

विदेशी मुद्रा भंडार में वृद्धि क्यों हुई?

भारतीय रिजर्व बैंक की रियायती विदेशी मुद्रा अदला-बदली पहल (एफसीएनआर-बी) इस वृद्धि का मुख्य कारण है। इस साल जून में स्थानीय मुद्रा के मूल्यह्रास को रोकने के लिए यह कदम उठाया गया था। इस पहल के कारण देश में 132 अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक का नया पूंजी प्रवाह आया है। इसने विदेशी मुद्रा भंडार को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। यह पहल वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं के बीच भारत की वित्तीय स्थिरता को दर्शाती है।

भंडार के प्रमुख घटक क्या हैं?

28 अगस्त को समाप्त सप्ताह के लिए केंद्रीय बैंक के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी मुद्रा परिसंपत्तियां भंडार का एक प्रमुख घटक हैं। ये 9.337 अरब अमेरिकी डॉलर बढ़कर 600.67 अरब अमेरिकी डॉलर हो गईं। डॉलर के संदर्भ में व्यक्त की गई इन परिसंपत्तियों में गैर-अमेरिकी इकाइयों जैसे यूरो, पाउंड और येन के मूल्य में वृद्धि या कमी का प्रभाव शामिल है। स्वर्ण भंडार का मूल्य भी इस सप्ताह 2.191 अरब अमेरिकी डॉलर बढ़कर 116.409 अरब अमेरिकी डॉलर हो गया। यह वृद्धि भारत की आर्थिक मजबूती का संकेत देती है।

अन्य घटकों की स्थिति क्या है?

भारतीय रिजर्व बैंक ने बताया कि विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) 43 दस लाख अमेरिकी डॉलर घटकर 18.81 अरब अमेरिकी डॉलर हो गए। रिपोर्टिंग सप्ताह के अंत में अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के साथ भारत की आरक्षित स्थिति भी 11 दस लाख अमेरिकी डॉलर घटकर 4.914 अरब अमेरिकी डॉलर रह गई।

भारत आ रहा है इस देश का बड़ा बिजनेस डेलिगेशन, अरबों डॉलर की ट्रेड डील पर होगी बात

एजेंसी ॥ नई दिल्ली

भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच द्विपक्षीय आर्थिक संबंधों को एक नई ऊंचाई पर ले जाने के लिए दक्षिण अफ्रीका का एक उच्च स्तरीय व्यापारिक प्रतिनिधिमंडल अगले हफ्ते भारत के दौरे पर आ रहा है। यह प्रतिनिधिमंडल 10 और 11 सितंबर, 2026 को नई दिल्ली में आयोजित होने वाली ब्रिक्स बिजनेस काउंसिल और बिजनेस फोरम की बैठकों में हिस्सा लेगा। यह महत्वपूर्ण दौरा आगामी 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन से ठीक पहले हो रहा है, जिसका मुख्य उद्देश्य दोनों देशों के बीच व्यापार असंतुलन को दूर करना और नए निवेश अवसरों की तलाश करना है।इस दौरे का नेतृत्व साउथ अफ्रीकन ब्रिक्स बिजनेस काउंसिल की चेयरपर्सन बुसी माबुजा कर रही हैं। वर्तमान में दोनों देशों के बीच बड़ा व्यापार अंतर है। साल 2025 में दक्षिण अफ्रीका को भारत के साथ व्यापार में लगभग 3।18 अरब डॉलर का व्यापार घाटा उठाना पड़ा था।फिलहाल, दक्षिण अफ्रीका से भारत को मुख्य रूप से कोयला, मैंगनीज और केमिकल वुड पल्प जैसी कच्ची रॉ मैटेरियल का निर्यात किया जाता है। वहीं, भारत से दक्षिण अफ्रीका को पेट्रोलियम उत्पाद, गाड़ियां, दवाइयां और मशीनरी भेजी जाती है। दक्षिण अफ्रीकी प्रतिनिधिमंडल इस बार पारंपरिक च्क्रेता-विक्रेताज् मॉडल को बदलकर सह-निवेश और तकनीकी सहयोग पर जोर देगा, ताकि वे भारत को ऊंचे मूल्य वाले औद्योगिक उत्पादों का निर्यात कर सकें।

इन प्रमुख क्षेत्रों पर रहेगा फोकस

दोनों देशों के बीच होने वाली बैठकों में कई महत्वपूर्ण सेक्टर्स पर चर्चा की जाएगी

ऑटोमोटिव हबः भारतीय तकनीक और पूंजी का उपयोग करके दक्षिण अफ्रीका को एक क्षेत्रीय ऑटोमोटिव उत्पादन केंद्र के रूप में विकसित करना।

फार्मास्यूटिकल्स और स्वास्थ्यः दवाओं और चिकित्सा उपकरणों के क्षेत्र में साझेदारी करना, ताकि पूरे अफ्रीकी महाद्वीप में स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच बढ़ सके।

अत्याधुनिक तकनीक और कौशल विकासः सूचना प्रौद्योगिकी,आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और साइबर सुरक्षा के क्षेत्र में स्किल-एक्सचेंज प्रोग्राम शुरू करना।

हरित ऊर्जाः रिन्यूएबल एनर्जी और ग्रीन हाइड्रोजन के क्षेत्र में संयुक्त उपक्रम स्थापित करना।

कृषि और पैकेजिंगः भारतीय बाजार में दक्षिण अफ्रीकी कृषि उत्पादों को बढ़ावा देना और भारत की आधुनिक फूड प्रोसेसिंग व पैकेजिंग तकनीक को अपनाना।

अफ्रीकी मुक्त व्यापार और ब्रिक्स बैंक की भूमिका

एसएबीबीसी की चेयरपर्सन बुसी माबुजा के अनुसार, अफ्रीकी महाद्वीपीय मुक्त व्यापार क्षेत्र भारतीय कंपनियों के लिए पूरे अफ्रीका के बुनियादी ढांचे और औद्योगिक परियोजनाओं में निवेश करने का एक शानदार अवसर है। इसके अलावा, ब्रिक्स के न्यू डेवलपमेंट बैंक ने दक्षिण अफ्रीका में बुनियादी ढांचे और सतत विकास परियोजनाओं के लिए 6.41 अरब रैंड से अधिक की वित्तीय सहायता को मंजूरी दी है।

टाटा के जेएलआर में छंटनी की खबरः ब्रिटेन में जाएंगी 4,000 नौकरियां; क्या ट्रंप का टैरिफ और घटती बिक्री कारण?

नई दिल्ली। वैश्विक ऑटो सेक्टर में मंदी के बीच, टाटा मोटर्स के स्वामित्व वाली लक्जरी कार निर्माता कंपनी जगुआर लैंड रोवर (जेएलआर) ने एक बड़ा फैसला लिया है। ब्रिटेन के अखबार द टाइम्स की एक रिपोर्ट के अनुसार, कंपनी ब्रिटेन में अगले दो साल में करीब 4,000 नौकरियों की कटौती करने जा रही है। रिपोर्ट के अनुसार जेएलआर का यह कदम अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से लगाए गए आयात शुल्कों (टैरिफ), घटती बिक्री और बढ़ती उत्पादन लागत का नतीजा है। ब्रिटिश मीडिया के अनुसार, जेएलआर पर इस समय लागत कम करने का भारी दबाव है। दरअसल, जून 2026 को समाप्त तिमाही में कंपनी का प्रदर्शन काफी निराशाजनक रहा है राजस्व में गिरावटः तिमाही के दौरान कंपनी का राजस्व करीब 10% घट गया। मुनाफे में भारी कमीः कंपनी का कर-पूर्व लाभ दो-तिहाई से अधिक गिरकर केवल 10.9 करोड़ पाउंड रह गया।

सरकारी स्कूलों में बनेंगे एनटीए मानक परीक्षण केंद्र 2027 से एनईईटी राष्ट्रीय अध्ययन सीबीटी मोड में

सच संवाददाता ॥ भोपाल।

वर्ष 2027 से देश में राष्ट्रीय दाखिला परीक्षाओं को कंप्यूटर आधारित बनाने की दिशा राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (एनटीए) में कुल शुरू कर दी हैं। नीट यूजी, जेईई मेन, सीयूईटी यूजी-पीजी और यूजीसी-नेट समेत प्रमुख राष्ट्रीय परीक्षाओं के लिए देशभर में एनटीए स्टैंडर्ड टेस्टिंग सेंटर का नेटवर्क तैयार किया जाएगा। इसके लिए केंद्रीय विद्यालय, जवाहर नवोदय विद्यालय, पीएम-श्री स्कूलों के साथ इंजीनियरिंग, पॉलिटेक्निक और मैनेजमेंट संस्थानों से भी जानकारी मांगी गई है। एनटीए अगले साल होने वाली कंप्यूटर आधारित परीक्षाओं के लिए पर्याप्त संख्या में परीक्षा केंद्र उपलब्ध कराने की तैयारी कर रहा है। इसके तहत स्कूलों और कॉलेजों से 15 सितंबर तक उनके कंप्यूटर और आईटी इंफ्रास्ट्रक्चर की विस्तृत जानकारी मांगी गई है।

कंप्यूटर से लेकर सीसीटीवी तक का होगा ऑडिट

परीक्षा केंद्रों के लिए संस्थानों में उपलब्ध कुल चालू कंप्यूटरों की संख्या, कंप्यूटर लैब, अतिरिक्त कंप्यूटर लगाने की क्षमता, प्राइवेसी स्क्रीन पार्टिशन, आईटी इंफ्रास्ट्रक्चर, नेटवर्क एवं इंटरनेट कनेक्टिविटी, पावर बैकअप, सीसीटीवी और अन्य परीक्षा सुविधाओं का ब्यौरा लिया जाएगा। इसके अलावा कंप्यूटर आधारित परीक्षा केंद्र स्थापित करने के लिए उपलब्ध खाली या अप्रयुक्त स्थान की जानकारी भी संस्थानों को देनी होगी। एनटीए को मिली जानकारी का संबंधित विभागों के अधिकारी क्रॉसचेक करेंगे।

24 लाख अभ्यर्थियों की परीक्षा बड़ी चुनौती

सूत्रों के मुताबिक, एनटीए के सामने वर्ष 2027 मेंनीट यूजी जैसी बड़ी परीक्षा को पूरी तरह कंप्यूटर आधारित कराने की चुनौती है। एक दिन या कई दिनों में अलग-अलग शिफ्टों में करीब 24 लाख अभ्यर्थियों की परीक्षा कराने के लिए फिलहाल पर्याप्त कंप्यूटर संसाधन उपलब्ध नहीं हैं। इसी को देखते हुए देशभर में उपलब्ध कंप्यूटर, इंटरनेट, सर्वर, नेटवर्क, सीसीटीवी और पावर बैकअप जैसी सुविधाओं का व्यापक ऑडिट कराया जा रहा है। एनटीए की योजना है कि वर्ष 2027 की राष्ट्रीय परीक्षाओं का शेड्यूल जारी होने से पहले देशभर में पर्याप्त संख्या में मानकों के अनुरूप टेस्टिंग सेंटर तैयार कर लिए जाएं। गौरतलब है कि वर्ष 2026 में करीब 90 फीसदी परीक्षा केंद्र सरकारी शिक्षण संस्थानों में बनाए गए थे।

छह प्रमुख बिंदुओं सहित 30 जानकारियों की जांच

एनटीए स्टैंडर्ड टेस्टिंग सेंटर के लिए संस्थानों से करीब 30 प्रकार की जानकारियां मांगी जा रही हैं। इनमें संस्थान का नाम, एआईसीटीई कार्यालय एवं आईडी, पूरा पता, पिनकोड, जिला और राज्य, निकटतम रेलवे स्टेशन व बस स्टैंड की दूरी, प्राचार्य या निदेशक की जानकारी और आईटी/कंप्यूटर लैब प्रभारी का विवरण शामिल है। इसके अलावा कंप्यूटर के हार्डवेयर-सॉफ्टवेयर, नेटवर्क केबल, सर्वर, यूपीएस की संख्या एवं क्षमता, पावर बैकअप, डीजल जनरेटर, एसी, बायोमेट्रिक वेरिफिकेशन, स्ट्रांग रूम और परीक्षा संचालन की उपलब्धता जैसी जानकारियां भी देनी होंगी।संस्थानों से यह भी पूछा जा रहा है कि वे शनिवार, रविवार और राजपत्रित अवकाश में परीक्षा आयोजित करने के लिए उपलब्ध रहेंगे या नहीं। सेमेस्टर ब्रेक की अवधि और संस्थान में पहले कभी कंप्यूटर आधारित परीक्षा आयोजित हुई है या नहीं, इसकी जानकारी भी मांगी गई है।

इंजीनियरिंग-पॉलिटेक्निक कॉलेजों से 15 सितंबर तक रिपोर्ट

एआईसीटीई के सलाहकार डॉ. एनएच सिद्धलिंग स्वामी ने देशभर के इंजीनियरिंग, पॉलिटेक्निक और मैनेजमेंट कॉलेजों के कुलपतियों एवं निदेशकों को पत्र भेजकर आवश्यक जानकारी उपलब्ध कराने को कहा है। संस्थानों को चालू कंप्यूटरों की संख्या, आईटी इंफ्रास्ट्रक्चर, नेटवर्क, इंटरनेट कनेक्टिविटी, पावर बैकअप, सीसीटीवी और अन्य परीक्षा सुविधाओं का विवरण देना होगा। उपलब्ध जानकारी के आधार पर एआईसीटीई के अधिकारी रिपोर्ट तैयार करेंगे। इस पूरी कवायद का उद्देश्य 2027 से होने वाली राष्ट्रीय परीक्षाओं के लिए सुरक्षित, पारदर्शी और पर्याप्त क्षमता वाले कंप्यूटर आधारित परीक्षा केंद्रों का मजबूत नेटवर्क तैयार करना है, ताकि बड़ी संख्या में अभ्यर्थियों की परीक्षा बिना तकनीकी और व्यवस्थागत बाधाओं के कराई जा सके।

करुणाधाम आश्रम में विधायक सबनानी का जन्मदिन सेवा कार्यों के साथ मनाया

भोपाल। करुणाधाम आश्रम में दक्षिण-पश्चिम विधानसभा क्षेत्र के विधायक श्री भगवानदास सबनानी के जन्मदिन के पूर्व सेवा एवं सामाजिक सरोकार से जुड़े कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस अवसर पर आश्रम में भोजन प्रसादी का वितरण कर जरूरतमंदों और श्रद्धालुओं के साथ जन्मदिन मनाया गया। कार्यक्रम के दौरान वस्त्रों का वितरण भी किया गया।कार्यक्रम संयोजक श्रीमती प्रतीक्षा संतोष ब्रह्मभट्ट के नेतृत्व में आयोजित आयोजन में विधानसभा प्रभारी राजू अनेजा, पार्षद श्रीमती आरती अनेजा, मंडल अध्यक्ष मुकेश दिहाड़े, महामंत्री रामनेता सिंह, मंडल मंत्री संजय शर्मा, एल्डरमैन लीलाधर यादव एवं पूर्व मंडल अध्यक्ष डिम्पल श्रीवास्तव सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी उपस्थित रहे। इस दौरान श्रीमती सपना सक्सेना, राकेश जैन, राजेंद्र ओस्लो, शैलेन्द्र यादव, श्रीमती सुमन वर्मा, श्रीमती सुधा सिंह, श्रीमती निधि चौरसिया, अरविन्द शुक्ला, राम अशुदानी, गोविंद यादव, श्रीमती कविता अनुरागी, तारा सहवाणी, राधा सेंगर और पंकज त्रिपाठी मौजूद रहे। कार्यक्रम में सेवा कार्यों के माध्यम से विधायक के जन्मदिन को सामाजिक समरसता और जनसेवा के संदेश के साथ मनाया गया।

ओरिएंटल इंस्टीट्यूट में दो दिवसीय 'शुभारंभ' ओरिएंटेशन कार्यक्रम आयोजित

सच संवाददाता ॥ भोपाल।

ओरिएंटल इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी भोपाल के बेसिक साइंसेज एंड ह्यूमैनिटीज विभाग द्वारा बीटेक प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों के लिए दो दिवसीय 'शुभारंभ 2026' ओरिएंटेशन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम 1 और 2 सितंबर को आयोजित हुआ, जिसमें नवप्रवेशित विद्यार्थियों को संस्थान की शैक्षणिक व्यवस्था और भविष्य की संभावनाओं से परिचित कराया गया। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों को संस्थान की शैक्षणिक प्रणाली, उपलब्ध सुविधाओं, परीक्षा व्यवस्था, प्लेसमेंट प्रक्रिया, करियर के अवसरों के साथ-साथ उद्योग जगत में आवश्यक व्यावसायिक एवं तकनीकी कौशल की जानकारी दी गई। विशेषज्ञ वक्ताओं ने विद्यार्थियों को इंजीनियरिंग शिक्षा के साथ व्यावहारिक ज्ञान और कौशल विकास पर भी ध्यान देने के लिए प्रेरित किया।

कार्यक्रम के पहले दिन डॉ. शिशिर सिन्हा, डीजी ने मुख्य अतिथि एवं वक्ता के रूप में विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया। उन्होंने विद्यार्थियों को तकनीकी शिक्षा के बदलते स्वरूप और उद्योग की आवश्यकताओं के अनुरूप स्वयं को तैयार करने के लिए प्रेरित किया। वहीं, कार्यक्रम के दूसरे दिन डॉ. के.के. शुक्ला, निदेशक,भोपाल ने मुख्य अतिथि एवं वक्ता के रूप में विद्यार्थियों से संवाद किया। उन्होंने विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा, तकनीकी दक्षता और करियर निर्माण के लिए निरंतर सीखते रहने का संदेश दिया।

कार्यक्रम में श्री प्रवीण ठकराल, चेयरमैन, ओरिएंटल ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूट्स तथा गौरव ठकराल, वाइस चेयरमैन की उपस्थिति रही।

संस्थान की ओर से विद्यार्थियों को उनके नए शैक्षणिक सफर के लिए शुभकामनाएं दी गईं। 'शुभारंभ 2026' ने नए विद्यार्थियों के लिए कॉलेज जीवन की सकारात्मक और उत्साहपूर्ण शुरुआत का अवसर प्रदान किया। कार्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों को संस्थान की कार्यप्रणाली को समझने के साथ अपने शैक्षणिक और व्यावसायिक लक्ष्यों को लेकर दिशा तय करने में मदद मिली।

अंग्रेजी की पुनर्परीक्षा पर हाईकोर्ट ने एनटीए से मांगा जवाब

भोपाल। यूजीसी-नेट जून 2026 की अंग्रेजी विषय की परीक्षा दोबारा कराने के राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) के फैसले को चुनौती देने वाली याचिका पर दिल्ली हाईकोर्ट ने केंद्र सरकार और एनटीए से जवाब मांगा है। न्यायमूर्ति जस्मीत सिंह की पीठ ने यूजीसी-नेट परीक्षा में शामिल अभ्यर्थी पारुल श्योराण की याचिका पर नोटिस जारी किया है। याचिका में एनटीए की ओर से 16 अगस्त को जारी उस नोटिस को रद्द करने की मांग की गई है, जिसके जरिए अंग्रेजी विषय की परीक्षा दोबारा कराने का निर्णय लिया गया था। याचिका में पुनर्परीक्षा के फैसले को मनमाना, अनुचित और प्रक्रिया के विपरीत बताया गया है। याचिकाकर्ता का आरोप है कि अंग्रेजी विषय की पुनर्परीक्षा कराने का निर्णय उन ठोस आधारों या सामग्री का खुलासा किए बिना लिया गया, जिसके आधार पर परीक्षा दोबारा कराने की जरूरत महसूस की गई।

शिक्षक छात्रों में सवाल पूछने और स्वतंत्र सोच की भावना विकसित करें : राष्ट्रपति मुर्मू

सच संवाददाता ॥ भोपाल।

शिक्षक दिवस की पूर्व संध्या पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने देशभर के शिक्षकों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि विद्यार्थियों को अच्छा इंसान बनाने और उन्हें सही दिशा देने में शिक्षकों की महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने शिक्षकों से विद्यार्थियों की प्रतिभा को पहचानकर उसे निखारने और उनके चरित्र निर्माण पर विशेष ध्यान देने का आह्वान किया। राष्ट्रपति ने अपने संदेश में कहा कि समर्पित और संवेदनशील शिक्षक प्रत्येक विद्यार्थी की अलग-अलग प्रतिभा को पहचान सकता है। अपने मार्गदर्शन और सलाह के जरिए शिक्षक विद्यार्थियों की क्षमताओं को विकसित करने के साथ उनके आत्मविश्वास को भी बढ़ाते हैं। ऐसे शिक्षक विद्यार्थियों के लिए प्रेरणा का स्रोत बनते हैं और उन्हें बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रोत्साहित करते हैं।

नई तकनीक और शिक्षण पद्धतियां अपनाने पर जोर

राष्ट्रपति मुर्मू ने शिक्षकों से लगातार अपने ज्ञान को बढ़ाने, नई तकनीक अपनाने और आधुनिक शिक्षण पद्धतियों का इस्तेमाल करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि बदलते दौर में शिक्षा के तरीकों में भी बदलाव जरूरी है। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों में केवल पाठ्यक्रम का ज्ञान देना पर्याप्त नहीं है, बल्कि उनमें स्वतंत्र सोच विकसित करना और सवाल पूछने की जिज्ञासा पैदा करना भी शिक्षा का महत्वपूर्ण उद्देश्य होना चाहिए। इससे विद्यार्थी भविष्य की चुनौतियों का बेहतर ढंग से सामना कर सकेंगे।

डॉ. राधाकृष्णन को किया याद

राष्ट्रपति ने शिक्षक दिवस के महत्व का उल्लेख करते हुए कहा कि भारत में यह दिवस पूर्व राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन की जयंती के अवसर पर मनाया जाता है। उन्होंने डॉ. राधाकृष्णन को महान लेखक, दार्शनिक और असाधारण शिक्षक के रूप में याद किया। राष्ट्रपति ने देशभर के सभी शिक्षकों के योगदान के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कामना की कि शिक्षक ऐसी जागरूक और जिम्मेदार पीढ़ी का निर्माण करें, जो देश को विकास की नई ऊंचाइयों तक ले जाए। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों के भविष्य को आकार देने में शिक्षकों की भूमिका केवल कक्षा तक सीमित नहीं है, बल्कि वे राष्ट्र निर्माण की प्रक्रिया में भी महत्वपूर्ण योगदान देते हैं।

आयुष पीजी प्रवेश परीक्षा की प्रोविजनल उत्तरकुंजी जारी, आपत्ति दर्ज कराने का आज अंतिम दिन

सच संवाददाता ॥ भोपाल।

राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसीने एआईएपीजीईटी 2026 की प्रोविजनल उत्तरकुंजी जारी कर दी है। परीक्षा में शामिल अभ्यर्थी आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर उत्तरकुंजी के साथ अपना प्रश्नपत्र और रिकॉर्ड किए गए रिस्पॉन्स देख सकते हैं। किसी उत्तर को लेकर आपत्ति होने पर अभ्यर्थियों को ऑनलाइन चुनौती दर्ज कराने का अवसर दिया गया है। एनटीए के अनुसार उत्तरकुजी पर आपत्ति दर्ज कराने की अंतिम तारीख आज रात 11.59 बजे है। इसी समय सीमा के भीतर अभ्यर्थियों को निर्धारित आपत्ति शुल्क भी जमा करना होगा। इसके बाद प्राप्त आपत्तियों पर विचार नहीं किया जाएगा।

22 अगस्त को 104 शहरों में हुई थी परीक्षा

एआईएपीजीईटी 2026 की परीक्षा 22 अगस्त को देशभर के 104 शहरों में करीब 205 परीक्षा केंद्रों पर आयोजित की गई थी। इसमें लगभग 51,482 अभ्यर्थी शामिल हुए थे। इसके अतिरिक्त 1 सितंबर को राजस्थान कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग फॉर वूमेन, जयपुर में 49 अभ्यर्थियों के लिए परीक्षा आयोजित की गई।

एनटीए ने प्रोविजनल आंसर की के साथ परीक्षा के प्रश्नपत्र और रिकॉर्डेड रिस्पॉन्स भी उपलब्ध कराए हैं। इससे अभ्यर्थी अपने उत्तरों का मिलान कर किसी प्रश्न के उत्तर पर आपत्ति होने की स्थिति में निर्धारित प्रक्रिया के तहत चुनौती दे सकते हैं। उत्तरकुंजी को चुनौती देने के लिए अभ्यर्थियों को केवल ऑनलाइन माध्यम का इस्तेमाल करना होगा।

प्रत्येक प्रश्न पर आपत्ति दर्ज कराने के लिए 200 रुपये का नॉन-रिफंडेबल शुल्क निर्धारित किया गया है। एनटीए द्वारा प्राप्त आपत्तियों की समीक्षा विशेषज्ञों से कराई जाएगी। इसके बाद आवश्यक संशोधन के आधार पर अंतिम उत्तरकुंजी तैयार की जाएगी, जिसके आधार पर आगे परिणाम प्रक्रिया पूरी की जाएगी।

राधावल्लभ मंदिर में धूमधाम से मनाया श्रीकृष्ण जन्मोत्सव

सच संवाददाता ॥ भोपाल।

श्री हरिवंश विराजमान ठाकुर श्री राधावल्लभ मंदिर, बाड़ी कलां, जिला रायसेन में श्रीकृष्ण जन्मोत्सव धूमधाम और भक्तिमय वातावरण में मनाया गया। इस अवसर पर भोपाल से पधारे प्रसिद्ध भजन गायक अभिषेक श्रीवास्तव एवं उनके साथी कलाकारों ने भगवान श्री राधा-कृष्ण के मधुर भजनों की प्रस्तुति दी। कलाकारों ने बधाई गीतों की मनमोहक प्रस्तुति देकर श्रद्धालुओं को भावविभोर कर दिया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने सहभागिता की। आयोजन श्री कृष्ण पाथेय न्यास एवं संस्कृति विभाग, मध्यप्रदेश शासन के सहयोग से संपन्न हुआ। इस अवसर पर मंदिर के समस्त न्यासीगण, वरिष्ठजन एवं समाजसेवी उपस्थित रहे। भजनों और बधाई गीतों से मंदिर परिसर देर तक भक्तिरस में डूबा रहा। श्रद्धालुओं ने भगवान श्रीकृष्ण के जयकारे लगाए और जन्मोत्सव की खुशियां साझा कीं।

मनीषा रानी और प्रिंस नरूला अपनी मज़ेदार केमिस्ट्री इंडियन गेम शो विद भारती एंड हर्ष में लेकर आए

मुंबई। सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविज़न का इंडियन गेम शो विद भारती एंड हर्ष एंटरटेनमेंट क्वोटिएंट को और ऊँचा करने के लिए तैयार है। इस एपिसोड में लोकप्रिय टेलीविजन हस्तियाँ मनीषा रानी और प्रिंस नरूला एक साथ नजर आएँगे, जो हंसी, मज़ेदार बातचीत और हाई-एनर्जी गेमप्ले से भरपूर होगा। दर्शकों के बीच बेहद पसंद किए जाने वाले होस्ट भारती सिंह और हर्ष लिम्बाचिया इस शो को संचालित करते हैं। यह शो सेलिब्रिटीज को उनके कम्फर्ट जोन से बाहर लाकर दर्शकों को उनके मज़ेदार और बेबाक व्यक्तित्व की झलक दिखाता है।

मनीषा रानी के लिए शो पर होना हंसी और यादगार पलों से भरा अनुभव रहा। अपने शो के समय के बारे में बात करते हुए मनीषा ने साझा किया, भारती दीदी और हर्ष भाई के साथ इंडियन गेम शो का हिस्सा बनना मेरे लिए बेहद शानदार अनुभव था। वे जहां भी जाते हैं, वहाँ पॉजिटिविटी और हंसी लेकर आते हैं, और उनके साथ सेट पर होना सचमुच खुशी की बात थी।

हमने गेम्स खेलते हुए और मजेदार यादें बनाते हुए बहुत अच्छा समय बिताया। मुझे खास तौर पर खुशी हुई कि मेरी जोड़ी प्रिंस नरूला के साथ बनी।

सच अलर्ट

प्रतिभाशाली स्टूडेंट्स के लिए देश के विभिन्न संस्थानों द्वारा दी जाने वाली स्कॉलरशिप, अवार्ड और प्रतियोगिताओं की जानकारी अब buddy4study के सहयोग से सच समाचार पर। आवेदन के लिए लिंक करें
www.buddy4study.com

आईसीपीसी इंटर्नशिप प्रोग्राम 2025

- विवरणः आईसीपीसी इंटर्नशिप प्रोग्राम 2025, पॉलिसी, पॉलिटिक्स एंड गवर्नेंस फाउंडेशन द्वारा अंतिम वर्ष या पूर्व-अंतिम वर्ष के स्नातक छात्रों को प्रदान किया जा रहा है। यह इंटर्नशिप कार्यक्रम युवा, उत्साही व्यक्तियों को राजनीतिक और नीति निर्माण पारिस्थितिकी तंत्र का अन्वेषण से अवगत कराता है।
- मानदंडः आवेदन अंतिम वर्ष या पूर्व-अंतिम वर्ष के स्नातक अध्ययनरत छात्रों के लिए जारी है। उन्हें स्नातक अध्ययन पूर्ण करने के बाद राजनीतिक या नीति रणनीति परामर्श में करियर बनाने में रुचि होनी चाहिए।
- इनाम/लाभः रुपए 5,000 का मासिक स्टाइपेंड तथा सराहना प्रमाण पत्र।
- अंतिम तिथिः पूरे वर्ष आवेदन आमंत्रित हैं।
- आवेदन कैसे करें: केवल ऑनलाइन आवेदन स्वीकार्य
- आवेदन लिंकः. www.b4s.in/sach/ICPI1
- QR Code: https://dle9eg0t05513.cloud-front.net/static/images/scho-media/icpc-internship-programme-20251774330906.png

एसओएफ डिफेंस सर्विसेज़ एकेडमिक एक्सीलेंस स्कॉलरशिप

- विवरणः एसओएफ डिफेंस सर्विसेज़ एकेडमिक एक्सीलेंस स्कॉलरशिप 2026-27, साइंस ओलंपियाड फाउंडेशन द्वारा कक्षा 1 से 10 तक के छात्रों को प्रदान की जा रही है। इसका उद्देश्य भारतीय रक्षा सेवाओं और आंतरिक सुरक्षा सेवाओं के परिवारों से आने वाले छात्रों की शैक्षणिक उपलब्धियों को पुरस्कृत करना है।
- मानदंडः भारतीय निवासी कक्षा 1 से 10 में अध्ययनरत छात्र आवेदन कर सकते हैं। वे सेवारत या सेवानिवृत्त रक्षा सेवा/आंतरिक सुरक्षा सेवा कर्मियों के परिवार से संबंधित होने चाहिए।
- इनाम/लाभः रुपए 5,000 का एकमुश्त नकद पुरस्कार और प्रमाण पत्र प्राप्त होगा।
- अंतिम तिथिः 31-12-2026
- आवेदन कैसे करें: केवल ऑनलाइन आवेदन स्वीकार्य
- आवेदन लिंकः www.b4s.in/sach/SDSAS7
- QR Code: https://dle9eg0t05513.cloud-front.net /static/images/scho-media/sof-defence-services-academic-excellence-scholarship-dsas-2026-271784610057.png

नेशनल फेलोशिप स्कीम फॉर शेड्यूल्ड कास्ट स्टूडेंट्स (एनएफएससी) 2026

- विवरणः नेशनल फेलोशिप स्कीम फॉर शेड्यूल्ड कास्ट स्टूडेंट्स (एनएफएससी) 2026, सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय द्वारा प्रदान किया जा रहा एक अवसर है। यह फेलोशिप यूजीसी-मान्यता प्राप्त संस्थानों में विज्ञान, मानविकी, या सामाजिक विज्ञान संकायों में उच्च शिक्षा प्राप्त करने वाले अनुसूचित जाति के छात्रों को वित्तीय सहायता प्रदान करती है। पात्र छात्रों को प्रत्येक वर्ष 2,000 नई फैलोशिप प्रदान की जाती है।
- मानदंडः सम्बंधित राज्य सरकारों द्वारा सूचीबद्ध अनुसूचित जाति वर्ग के छात्रों के लिए आवेदन जारी है। आवेदकों को यूजीसी-मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालयों या अनुसंधान संस्थानों में पूर्णकालिक, नियमित एम.फिल. या पीएच.डी. कार्यक्रमों में नामांकित होना आवश्यक है। इसके अतिरिक्त, उन्हें राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा (नेट) या स्नातक अभियान्त्रिकी प्रवेश परीक्षा (गेट) में उत्तीर्ण होना अनिवार्य है।
- इनाम/लाभः प्रति माह अधिकतम 35,000 रुपये तथा अन्य लाभ।
- अंतिम तिथिः 20-12-2026
- आवेदन कैसे करें: यूजीसी-नेट-जेआरएफ या यूजीसी-सीएसआईआर नेट-जेआरएफ परीक्षा के मेरिट आधारित चयन द्वारा ऑफलाइन आवेदन स्वीकार्य ।
- आवेदन लिंकः www.b4s.in/sach/NFSC1
- QR Code: https://dle9eg0t05513. cloud-front.net/static/images/scho-media/nation-al-fellowship-scheme-for-scheduled-caste-students-nfsc-20261769489377.png

परिवर्तन ईसीएसएस प्रोग्राम

- विवरणः परिवर्तन ईसीएसएस प्रोग्राम 2026-27 एक छात्रवृत्ति पहल है, जिसका उद्देश्य कक्षा 1 से लेकर स्नातकोत्तर स्तर तक के मेधावी और आर्थिक रूप से वंचित छात्रों को सहायता प्रदान करना है।
- मानदंडः कक्षा 1 से 12, डिप्लोमा, आईटीआई, पॉलिटेक्निक, स्नातक (सामान्य और व्यावसायिक), और स्नातकोत्तर (सामान्य और व्यावसायिक) पाठ्यक्रमों में अध्ययनरत छात्रों के लिए खुला है।
- नवीनतम योग्यता परीक्षा में न्यूनतम 55₹ अंक आवश्यक हैं।
- सभी स्रोतों से वार्षिक पारिवारिक आय ?2.5 लाख से अधिक नहीं होनी चाहिए।
- केवल भारतीय नागरिकों के लिए जारी है।
- नोटः उन आवेदकों को प्राथमिकता दी जाएगी जिन्होंने पिछले तीन वर्षों में किसी व्यक्तिगत या पारिवारिक संकट का सामना किया है, जिसने उनकी पढ़ाई जारी रखने की क्षमता को महत्वपूर्ण रूप से प्रभावित किया हो।
- इनाम/लाभः शैक्षिक स्तर के आधार पर 5,000 तक की छात्रवृत्ति।
- अंतिम तिथिः 30-09-2026
- आवेदन कैसे करें: केवल ऑनलाइन आवेदन स्वीकार्य
- आवेदन लिंकः www.b4s.in/sach/HDFC63
- QR Code: https://dle9eg0t05513.cloud-front.net/static/images/scho-media/parivar-tan-ecss-programme-2026-271786449527.png

मुस्कान स्कॉलरशिप प्रोग्राम 2.0

- विवरणः मुस्कान स्कॉलरशिप प्रोग्राम 2.0 (2026-27),वाल्वोलीन कमिंस प्राइवेट लिमिटेड की एक पहल है, जो दक्षिणी, पूर्वी और पूर्वोत्तर भारत के कक्षा 9 से 12 तक के छात्रों को सहायता प्रदान करती है। इस स्कॉलरशिप का उद्देश्य व्यावसायिक वाहन चालकों, मैकेनिकों के बच्चों और आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के छात्रों को उनकी शिक्षा जारी रखने में सहायता करना है।
- मानदंडः आंध्र प्रदेश, अरुणाचल प्रदेश, असम, बिहार, छत्तीसगढ़, झारखंड, कर्नाटक, केरल, मणिपुर, मेघालय, मिज़ोरम, नागालैंड, ओडिशा, पुडुचेरी, सिक्किम, तमिलनाडु और तेलंगाना के कक्षा 9 से 12 में अध्ययनरत छात्र आवेदन के पात्र हैं। एलएमव्ही/एचएमवी चालकों सहित व्यावसायिक वाहन चालकों के बच्चे, मैकेनिकों के बच्चे और आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के छात्र आवेदन कर सकते हैं।
- आवेदक को पिछली कक्षा में 60₹ या उससे अधिक अंक प्राप्त होना अनिवार्य है। सभी स्रोतों से वार्षिक पारिवारिक आय ?8 लाख से अधिक नहीं होनी चाहिए। वाल्वोलीन कमिंस प्राइवेट लिमिटेड (इष्टक्क) और बड्डी4स्टडी के कर्मचारियों के बच्चे आवेदन के पात्र नहीं हैं।
- इनाम/लाभः चयनित छात्रों को निम्नलिखित छात्रवृत्ति लाभ प्रदान किए जाएंगे। 12,000 तक की छात्रवृत्ति (वास्तविक खर्च के आधार पर) मेंटरशिप सहायता (रोड सेफ्टी पर सत्र)
- अंतिम तिथिः 30-09-2026
- आवेदन कैसे करें: केवल ऑनलाइन आवेदन स्वीकार्य
- आवेदन लिंक www.b4s.in/sach/MKSP3
- QR Code: https://dle9eg0t05513.cloud-front.net/static/images/scho-

जनसमस्याओं के समाधान को लेकर क्षेत्र में पहुंचे नपा अध्यक्ष प्रतिनिधि राजेंद्र अग्रवाल

सच संवाददाता ॥ मंडीदीप

नगर में जनसमस्याओं के त्वरित निराकरण और विकास कार्यों को गति देने के उद्देश्य से नगर पालिका अध्यक्ष प्रतिनिधि राजेंद्र अग्रवाल ने रविवार को लोरका पिपलिया, टीलाखेड़ी, सतलापुर वार्ड क्रमांक एवं खामखेड़ा क्षेत्र का भ्रमण कर रहवासियों से सीधा संवाद किया। इस दौरान उन्होंने क्षेत्र की विभिन्न समस्याओं की जानकारी लेते हुए मौके पर उनका जायजा लिया।

भ्रमण के दौरान रहवासियों ने सड़क, नाली, साफ-सफाई, जल निकासी सहित अन्य स्थानीय समस्याओं से राजेंद्र अग्रवाल को अवगत कराया। उन्होंने नागरिकों की समस्याओं को गंभीरता से सुनते हुए संबंधित अधिकारियों से चर्चा कर आवश्यक कार्रवाई शीघ्र सुनिश्चित कराने का भरोसा दिलाया।

इस अवसर पर राजेंद्र अग्रवाल ने कहा कि जनता की समस्या हमारी जिम्मेदारी है। नगर के प्रत्येक वार्ड और क्षेत्र में मूलभूत सुविधाएं बेहतर हों तथा नागरिकों को किसी प्रकार की परेशानी न हो, इसके लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि मंडीदीप का सर्वांगीण विकास केवल योजनाओं से नहीं, बल्कि जनता के साथ निरंतर संवाद और उनकी समस्याओं को समझकर समाधान करने से संभव है।

राजेंद्र अग्रवाल की क्षेत्र में सक्रिय जनसंपर्क शैली और नागरिकों के बीच पहुंचकर उनकी समस्याएं सुनने की पहल की स्थानीय रहवासियों ने सराहना की। सामाजिक सरोकारों और जनसेवा के प्रति उनकी समर्पित भावना लगातार उन्हें आम नागरिकों से जोड़ रही है। वे विकास कार्यों के साथ समाज के हर वर्ग की जरूरतों को समझने और उनके हित में तत्परता से कार्य करने पर जोर दे रहे हैं।

उन्होंने कहा कि 'निरंतर जनसंपर्क, सतत प्रयास और विकास के साथ मंडीदीप को बेहतर और विकसित नगर बनाना हमारा संकल्प है।

सम्मान समारोह का आयोजन

आष्टा। नगर के सांदीपनि शासकीय उमावि आष्टा में प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी शनिवार को षिक्षक सम्मान समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ जिला पंचायत उपाध्यक्ष जीवन सिंह मंडलोई, नगर पालिका अध्यक्ष प्रतिनिधि रायसिंह मेवाड़ा, नगर पालिका उपाध्यक्ष प्रतिनिधि भूरू भाई, डॉ. सुरूचि सिंह, भाजपा मंडल अध्यक्ष लखन मेवाड़ा, विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी नीलेश सक्सेना, बी.आर.सी.सी. अजब सिंह राजपूत, प्राचार्य सितवत खान द्वारा सर्वप्रथम मॉ सरस्वती एवं डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के चित्र के समक्ष माल्यापर्ण एवं दीपप्रज्जवलन किया गया। प्राचार्य सितवत खान द्वारा षिक्षक दिवस पर आमंत्रित सभी जनप्रतिनिधि, अतिथिगण और षिक्षकों का स्वागत सम्मान किया गया। प्राचार्य ने स्वागत भाषण में कहा कि आष्टा को बहुत बड़ा सांदीपनि स्कूल मिला है, जिसके माध्यम से विद्यालय के समर्पित अनुभवी एवं प्रतिभाषाली षिक्षक विद्यार्थियों को मार्गदर्शन प्रदान कर जीने की कला सिखा रहे है।

स्कूल स्टाफ और रिश्तेदार को भी दे दिया आर्थिक लाभ

सच संवाददाता सोहागपुर।

शिक्षा सत्र वर्ष 2025 - 26 में स्कूलों को विशेष राशि का बड़ा फंड क्या मिला इसमें जमकर बंदरबांट कर डाली गई। कागज़ों में राशि खर्च और खत्म करने की योजना में मोटा हिस्सा स्कूल स्टाफ और रिश्तेदारों के खाते तक में डाल दिया जाना उजागर हुआ है। विकासखंड के तीनों ही पीएम श्री एवं सीएम राइज में हुए इन कारनामों को अंजाम देने वाले मास्टरमाइंड एक संकुल प्राचार्य, विभागीय अधिकारी तथा एक शिक्षक की भूमिका सार्वजनिक हो चुकी है।

कमीशनखोरी और फर्जीवाड़े से समूचे जिले की व्यवस्था भली भांति अवगत है लेकिन जांच एवं कार्यवाही के नाम पर कुछ भी नहीं किया गया है। पीएम श्री सोहागपुर में स्कूल स्टाफ के खातों में डाली राशि।।।। पीएम श्री विद्यालय सोहागपुर में तीस लाख से अधिक राशि मिलने की जानकारी मिली है।

सूत्रों ने बताया कि खरीददारी में जो भी कमीशनखोरी हुई वह दूसरे भाग की राशि में अधिक हुई। इसमें बसंत इंटरप्राइजेज और भरत सेल्स जैसी कथित एजेंसी के बसंत और जय के खातों में डाली गई। ये दोनों ही गुप्ता जी के रिश्तेदार हैं या नहीं यह स्पष्ट नहीं है। वहीं इस विद्यालय के प्यून, दो माध्यमिक शिक्षक और एक व्यवसायिक शिक्षक के खातों में राशि डाली गई। यह किस आधार पर डाली गई यह कोई भी बताने को तैयार नहीं। कामती पीएम श्री में रिश्तेदार हुए उपकृत। कामती पीएम श्री विद्यालय में प्राचार्या ने अपने रिश्तेदारों को उपकृत किया हुआ है। उनकी भाभी एवं दो भतीजियां स्कूल में लगा लिया गया है तो स्कूलों को बड़ी राशि मिलने के बाद रिश्तेदार की कागजी वर्कशॉप को बड़े भुगतान आनन फानन कर डाले गए।

अवैध पेस्टीसाइड दुकानों से हो रहा फसलों को नुक़सान

सच संवाददाता सोहागपुर।

विकासखंड के बड़े भू भाग की धान की फसल खरपतवार नाशक दवा के छिड़काव से पूरी तरह नष्ट हो चुकी है। इसे विलवुड कंपनी के अधिकृत डीलर के अलावा अनाधिकृत विक्रेताओं ने भी बेचा है। ऐसे अनाधिकृत विक्रेताओं की संख्या बहुत बड़ी है जो बहुतेरी कंपनियों के पेस्टीसाइड बेच रहे हैं। अवैध पेस्टीसाइड दुकानें नगर ही नहीं गांवों में भी बड़ी संख्या में चल रही हैं जिनके संचालक नियमों के मुताबिक अयोग्य हैं। इस अवैध कारोबार ने क्षेत्र के उत्पादन को भी व्यापक स्तर पर प्रभावित किया है। समूचा गोरखधंधा विभाग के बड़े अधिकारियों की जानकारी में संचालित हो रहा है।

वर्तमान में धान की फसल के नष्ट हो जाने के लिए विलवुड कंपनी की विल सुपर नामक दवाई को जवाबदेह ठहरा दिया गया है। लंबे समय से बेची जा रही यह दवा फसल को नष्ट कर देने की वजह एकाएक कैसे बन गई, जबकि यह डाली तो बहुत पहले से ही जा रही है। इस विषय में एक कृषि वैज्ञानिक ने बताया कि सही मायनों में विलवुड धान की खरपतवार नाशक नहीं है यह धान के नष्ट हो जाने का बड़ा कारण हो सकता है, उन्होंने बताया कि सोहागपुर क्षेत्र में पेस्टीसाइड की दुकानों को ऐसे लोग चला रहे हैं जिन्हें बेची जाने वाली दवाओं के रसायन का कोई ज्ञान ही नहीं है इसलिए समूचे क्षेत्र का उत्पादन बहुत ही व्यापक स्तर पर प्रभावित हुआ है। वहीं सवाल यह भी खड़ा हो गया है कि संबंधित कंपनियों के अनाधिकृत विक्रेता पेस्टीसाइड क्यों और किसके संरक्षण में बेच रहे हैं। सिर्फ नगरीय क्षेत्र में ही पेस्टीसाइड दुकानों की संख्या सैकड़ों में है। इनके अधिकांश संचालक अल्पशिक्षित हैं जबकि बीएससी रसायन शास्त्र या डिप्लोमाधारी ही पेस्टीसाइड बेच सकते हैं। क्षेत्र के उन्नत कृषकों का कहना हैं कि जो लोग पेस्टीसाइड बेच रहे हैं उन्हें जानकारियों का भी अभाव है खरपतवार नाशक, कीटनाशक या टानिक फसल में कितनी मात्रा में डलवाना यह सही नहीं बता पाते वे सिर्फ दवाईयां बेच रहे हैं यही फसलों को क्षति पहुंचा रहा है। फसलों के पूरी तरह नष्ट हो जाने के हर वर्ष अनेकों मामले सामने आते हैं जिन्हें संबंधित विभाग और विक्रेता दबा देते हैं। वर्तमान में धान का बड़ा रकबा पूरी तरह से नष्ट हुआ है तथा दोनों ओर से राजनैतिक हस्तक्षेप हो जाने के चलते हल्ला मचा हुआ है नहीं तो सबकुछ खामोशी से पूर्व की भांति निपटा दिया जाता। क्षेत्र के उन्नत कृषक चौहान सिंह पटेल कहते हैं कि पेस्टीसाइड बेचने वाले धान की दवाई चने में डलवा देते हैं यही फसलों के नुक़सान का सबसे बड़ा कारण है।

सरकार और समाज की सहभागिता से शासकीय स्कूल बनेंगे आकर्षक और सर्वसुविधायुक्त : विधायक श्री खंडेलवाल

सच संवाददाता ॥ बैतूल

शिक्षक दिवस के अवसर पर जिले के 227 शासकीय स्कूलों में अधोसंरचना विकास एवं उन्नयन कार्यों का शुभारंभ किया गया। शिक्षा संजीवनी अभियान के तहत शुरू किए जा रहे इन कार्यों में सरकार के साथ समाज, जनप्रतिनिधियों, सहयोगी संस्थाओं, पालकों एवं शिक्षकों की सहभागिता सुनिश्चित की जा रही है। अभियान का उद्देश्य शासकीय स्कूलों की अधोसंरचना को सुदृढ़ करने के साथ उन्हें आकर्षक, सुरक्षित एवं विद्यार्थियों के लिए बेहतर शैक्षणिक वातावरण प्रदान करना है। बैतूल विकासखंड में शिक्षा संजीवनी अभियान का जिला स्तरीय शुभारंभ केंद्रीय राज्यमंत्री दुर्गादास उईके एवं प्रदेश अध्यक्ष भाजपा एवं बैतूल विधायक हेमन्त खंडेलवाल के मुख्य आतिथ्य में हुआ। कार्यक्रम में जिला विकास सलाहकार समिति के सदस्य सुधाकर पवार, जिला पंचायत उपाध्यक्ष हंसराज धुर्वे, कलेक्टर डॉ. सौरभ संजय सोनवणे सहित अन्य जनप्रतिनिधि, शिक्षक एवं सहयोगी संस्थाओं के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। अभियान के तहत विधायक हेमन्त खंडेलवाल ने एकीकृत माध्यमिक शाला बडोरा, माध्यमिक शाला कोसमी, माध्यमिक शाला जामठी एवं खेड़ी सांवलीगढ़ में अधोसंरचना विकास एवं उन्नयन कार्यों का शुभारंभ किया। इस अवसर पर मां सरस्वती एवं भारत रत्न डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के छायाचित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की गई। साथ ही शिक्षक दिवस के अवसर पर शिक्षकों का शाल एवं श्रीफल भेंट कर सम्मान किया गया।

समाज और राष्ट्र की नींव होते हैं शिक्षकः विधायक

सच संवाददाता ॥ शाजापुर

शिक्षक समाज और राष्ट्र निर्माण की नींव होते हैं। वे विद्यार्थियों को शिक्षा के साथ संस्कार देकर उनके भविष्य को सही दिशा देते हैं। प्रतिभावान विद्यार्थियों का सम्मान और उन्हें प्रोत्साहन देने से उनका आत्मविश्वास बढ़ता है और वे आगे चलकर देश का गौरव बढ़ाते हैं। यह बात विधायक अरूण भीमावद ने नगर पालिका द्वारा शिक्षक दिवस के मौके पर शनिवार को नगर पालिका परिषद में आयोजित शिक्षक दिवस समारोह को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने कहा कि चाणक्य ने बहुत पहले कहा था कि शिक्षक साधारण नहीं होता। प्रलय और निर्माण उसकी गोद में खेलते हैं।

शैलेंद्र बने युवा कार्यकारी अध्यक्ष

शिवपुरी। अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा (महाराणा प्रताप) ने संगठन का विस्तार करते हुए शिवपुरी निवासी शैलेंद्र सिंह तोमर को संगठन का युवा कार्यकारी अध्यक्ष शहर तो वही प्रदीप सिंह गौर को ग्रामीण कार्यकारी जिला अध्यक्ष युवा, शिवपुरी के पद पर नियुक्त किया है। यह नियुक्ति प्रदेश अध्यक्ष ठाकुर रघुराज सिंह बैस द्वारा 2 सितंबर 2026 को जारी नियुक्ति पत्र के माध्यम से की गई। नियुक्ति पत्र में उल्लेख किया गया है कि प्रदीप सिंह गौर द्वारा क्षत्रिय समाज के प्रति समर्पण भावना के साथ किए जा रहे कार्यों को देखते हुए उन्हें संगठन में उक्त महत्वपूर्ण दायित्व सौंपा गया है।

गौसेवा कर मनाया संस्कृति सप्ताह

सच संवाददाता ॥ शिवपुरी

भारत विकास परिषद शाखा विवेकानंद, शिवपुरी द्वारा आयोजित संस्कृति सप्ताह के तृतीय दिवस का आयोजन सेवा, श्रद्धा और सामाजिक समर्पण की भावना के साथ किया गया। कार्यक्रम के अंतर्गत परिषद के सदस्य शेषई स्थित गौशाला पहुंचे, जहां उन्होंने गौसेवा करते हुए गायों को हरा चारा खिलाया। साथ ही सदस्यों ने अपने हाथों से गौमाता को रोटियां एवं गुड़ खिलाकर सेवा का पुण्य लाभ प्राप्त किया। गौसेवा के दौरान परिषद के सदस्यों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए सेवा और संवेदना का संदेश दिया।

हनुमान मंदिर में उमड़ा श्रद्धालुओं का सैलाब

सच संवाददाता ॥ शिवपुरी

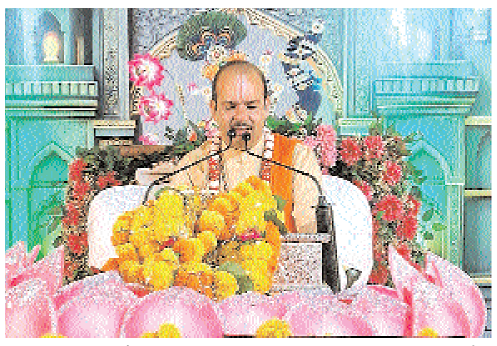

बांकड़े हनुमान मंदिर में चल रही श्रीमद्भागवत कथा के चतुर्थ दिवस व्यासपीठ से भागवताचार्य डॉ. गिरीश जी महाराज ने श्रद्धालुओं को आध्यात्मिक प्रवचन दिए। उन्होंने श्रीमद्भागवत के विभिन्न प्रसंगों के माध्यम से भगवान की भक्ति, धर्म और सद्मार्ग पर चलने का संदेश दिया।

कथा के यजमान श्रीमती आशा हरिशंकर अग्रवाल ठेइया परिवार हैं। आयोजन में उनके परिजन हरिशंकर अग्रवाल, मुकेश अग्रवाल एवं अशोक अग्रवाल सहभागी हैं, जबकि कथा के मुख्य संयोजक अजीत अग्रवाल ठेइया हैं। चतुर्थ दिवस की कथा में आध्यात्मिक गुरु रघुवीर सिंह गौर भी शामिल हुए और उन्होंने कथा श्रवण कर धर्मलाभ लिया। इस अवसर पर अग्रवाल समाज के पूर्व अध्यक्ष विष्णु गुप्ता पिपरघार वाले, रामजीलाल बंसल, निर्मल गुप्ता, पार्षद गौरव सिंघल, घनश्याम गुप्ता तिगरी वाले, विकास गोयल पूर्व महामंत्री अग्रवाल समाज, सुनील अग्रवाल मामू, पूर्व पार्षद गणेश गुप्ता एवं समाजसेवी मोनू भगवती अग्रवाल सहित बड़ी संख्या में समाजबंधु एवं श्रद्धालु मौजूद रहे।

कथा के दौरान संगीत की सुमधुर लहरियों पर श्रद्धालु भक्ति भाव में झूमते और नृत्य करते नजर आए। पूरा कथा परिसर भगवान की भक्ति और जयकारों से गुंजायमान रहा। कथा विश्राम के पश्चात सभी श्रद्धालुओं के लिए प्रसाद का वितरण किया गया।आयोजकों ने बताया कि श्रीमद्भागवत कथा 1 सितंबर से 8 सितंबर तक बांकड़े हनुमान मंदिर में जारी रहेगी। श्रद्धालुओं से कथा के आगामी दिवसों में भी अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर कथा श्रवण एवं धर्मलाभ लेने का आग्रह किया गया है।

सच संक्षेप

भजन-कीर्तन का आयोजन

मंडीदीप। नगर के वरिष्ठ समाजसेवी करण राजपूत का जन्मदिन वार्ड क्रमांक-13 स्थित हनुमान मंदिर में श्रद्धा एवं भक्तिभाव के साथ मनाया गया। इस अवसर पर मंदिर परिसर में भजन-कीर्तन का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में नगरवासियों एवं शुभचिंतकों ने शामिल होकर करण राजपूत को जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम के पश्चात महाप्रसादी का आयोजन भी किया गया। करण राजपूत नगर में सामाजिक एवं धार्मिक गतिविधियों में सक्रिय भूमिका निभाते हैं और नगर के प्रत्येक अच्छे एवं जनहितकारी कार्य में बढ़-चढ़कर सहभागिता करते हैं। उनके जन्मदिन के अवसर पर नगर के वरिष्ठजनों, करणी सेवा के कार्यकर्ताओं एवं शुभचिंतकों ने उन्हें पुष्पमाला पहनाकर एवं मिठाई खिलाकर शुभकामनाएं दीं।

इस अवसर पर भाजपा नगर मंडल अध्यक्ष पवन श्रीवास्तव तथा भोपाल भाजपा ग्रामीण मंडल के उपाध्यक्ष सहित अनेक गणमान्य नागरिकों ने करण राजपूत को जन्मदिन की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। सभी ने ईश्वर से प्रार्थना की कि उन्हें उत्तम स्वास्थ्य, दीर्घायु, सुख-समृद्धि एवं सफलता प्रदान हो तथा उनका जीवन सदैव खुशियों और उपलब्धियों से भरा रहे। कार्यक्रम में करणी सेवा के कार्यकर्ताओं सहित बड़ी संख्या में समाजजन एवं नगरवासी उपस्थित रहे।

मेधावी प्रतिभाओं का सम्मान

सिलवानी। भगवान श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के पावन अवसर पर यादव समाज विकास परिषद द्वारा समाज की मेधावी प्रतिभाओं के सम्मान में कार्यक्रम आयोजित किया गया। शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को सम्माननीय पूर्व कैबिनेट मंत्री ठाकुर रामपाल सिंह राजपूत के कर कमलों से प्रमाण पत्र एवं गोल्ड मेडल प्रदान कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में 90 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित करते हुए अतिथियों एवं समाजजनों ने उनकी मेहनत और उपलब्धि की सराहना की।

इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि समाज की प्रतिभाओं को सम्मान और प्रोत्साहन मिलने से विद्यार्थियों में आगे बढ़ने का उत्साह पैदा होता है। उन्होंने विद्यार्थियों से शिक्षा के क्षेत्र में निरंतर मेहनत करते हुए समाज और क्षेत्र का नाम रोशन करने का आह्वान किया। सम्मानित विद्यार्थियों में राजेश्वरी यादव, पिता वीरेंद्र कुमार यादव ने कक्षा दसवीं में 94 प्रतिशत, मोहित यादव, पिता माखन सिंह यादव ने कक्षा दसवीं में 90.60 प्रतिशत, सहजो यादव, पिता जीवन सिंह यादव ने कक्षा दसवीं में 90 प्रतिशत, आराध्या यादव, पिता ब्रजेन्द्र सिंह यादव ने कक्षा पांचवीं में 92.25 प्रतिशत तथा कृष्णा यादव, पिता वीरेंद्र यादव ने कक्षा आठवीं में 91.8 प्रतिशत अंक प्राप्त कर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। राजेश्वरी यादव एवं आराध्या यादव ने पुष्पा हाईस्कूल सिलवानी, मोहित यादव एवं सहजो यादव ने सरस्वती विद्या मंदिर सिलवानी तथा कृष्णा यादव ने शेमफोर्ड स्कूल सिलवानी में अध्ययन करते हुए यह उपलब्धि हासिल की। इस दौरान यादव समाज युवा अध्यक्ष दिनेश यादव रमपुरा, समाज के वरिष्ठ खेमचंद यादव, रमेश कुमार यादव (रिटायर्ड आरआई), फूलचंद यादव (रिटायर्ड आरआई), जगदीश यादव, रामदीन यादव (रिटायर्ड पुलिस), शेर सिंह यादव आलमपुर, तुलसी यादव, नारायण यादव जमुनियापुरा, कांता यादव रमपुरा सहित बड़ी संख्या में समाजजन मौजूद रहे।

रक्तदान शिविर

सिलवानी। सामाजिक संस्था सत्यार्थ वेलफेयर फाउंडेशन द्वारा शिक्षक दिवस के अवसर पर नगर के सेठ अमरचंद समैया सांदीपनि स्कूल में स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में कुल 52 यूनिट रक्त का संग्रहण किया गया। संस्था द्वारा बीते 6 सालों से लगातार रक्तदान शिविर आयोजित किया जा रहा है। अभी तक करीब 400 यूनिट रक्त का संग्रहण कर गांधी मेडिकल कॉलेज भोपाल को दिया जा चुका है। मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद की नवांकुर संस्था सत्यार्थ वेलफेयर फाउंडेशन द्वारा लगातार छठवीं बार यह शिविर शासकीय सांदीपनि स्कूल में लगाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ सेवानिवृत्त प्राचार्य प्रजा सेवक जैन एवं विकासखंड शिक्षा अधिकारी रूपेंद्र ठाकुर द्वारा दीप प्रज्वलन कर किया गया। इस अवसर पर सांदीपनि प्राचार्य एनपी शिल्पी तथा शिक्षकों का फूल.मालाओं से सम्मान किया गया।

भोपाल के गांधी मेडिकल कॉलेज एवं हमीदिया अस्पताल की चिकित्सकों की टीम द्वारा रक्त का संग्रहण किया गया। रक्तदान करने वाले प्रत्येक रक्तदाता को एक-एक पौधा भेंट कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया। शिविर में करीब 15 रक्तदाताओं ने पहली बार रक्तदान किया। आयोजकों ने सभी रक्तदाताओं का आभार व्यक्त किया। आयोजको ने बताया कि संस्था का उददेश सदैव समाज सेवा रहा है।

मटकी फोड़ प्रतियोगिता का आयोजन

सिलवानी। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के पावन अवसर पर नगर के शासकीय महाविद्यालय परिसर में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद इकाई सिलवानी द्वारा मटकी फोड़ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं ने उत्साह पूर्वक भाग लिया और भगवान श्रीकृष्ण की भक्ति एवं जन्माष्टमी के उल्लास में जमकर उत्साह दिखाया। प्रतियोगिता के दौरान करीब 25 फीट ऊंचाई पर मटकी बांधी गई थी, जिसे फोड़ने के लिए गोविंदाओं की पांच टीमों ने हिस्सा लिया। टीमों ने एक.दूसरे को कड़ी टक्कर देते हुए मटकी फोड़ने का प्रयास किया। प्रतियोगिता को देखने के लिए महाविद्यालय परिसर में बड़ी संख्या में छात्र.छात्राएं मौजूद रहे। कार्यक्रम में भाजपा नेता राजपाल सिंह राजपूत, भाजपा मंडल अध्यक्ष श्याम साहू, यादव समाज अध्यक्ष दिनेश यादव आदि ने विजेता टीमो को पुरस्कार वितरित किए।

अतिथियों ने प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन करते हुए जन्माष्टमी की शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम के दौरान छात्राओं के लिए नजरबंद प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया, जिसमें तीन छात्राओं ने विजय हासिल की। प्रतियोगिता में छात्राओं ने भी बढ़.चढ़कर भाग लिया। कार्यक्रम के पश्चात भाग संयोजक जय यादव ने उपस्थित सभी छात्र-छात्राओं एवं अतिथियों का आभार व्यक्त किया।

ब्रीफ न्यूज

राहुल के कार्यक्रम में केवल युवाओं पर दांव

छात्रों की गूंजः कांग्रेस ने बुजुर्ग नेताओं को किया साइडलाइन, 32 जोन में बांटकर कॉलेज, स्कूल, हॉस्टल और कोचिंग तक पहुंचने की तैयारी

भोपाल। राहुल गांधी के 19 सितंबर को इंदौर में होने वाले 'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम में कांग्रेस ने भीड़ जुटाने के बजाय युवा चेहरों पर फोकस करने की रणनीति बनाई है। पार्टी ने साफ कर दिया है कि आयोजन में 30 वर्ष तक की उम्र के युवाओं का ही पंजीयन किया जाएगा। यानी इस बार कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं और उम्रदराज कार्यकर्ताओं की भूमिका मंच के सामने नहीं, बल्कि युवाओं को कार्यक्रम तक पहुंचाने तक सीमित रहेगी। कार्यक्रम की तैयारियों के लिए कांग्रेस ने इंदौर को 32 जोन में बांटा है। इनमें 19 जोन शहरी और 13 ग्रामीण क्षेत्र में रखे गए हैं। युवा कांग्रेस और एनएसयूआई के पदाधिकारियों को प्रत्येक जोन की जिम्मेदारी दी गई है। इन्हें कॉलेज, हायर सेकंडरी स्कूल, हॉस्टल और कोचिंग संस्थानों तक जाकर युवाओं का पंजीयन कराने का टास्क दिया गया है। कांग्रेस ने इस आयोजन को लेकर संगठन के निचले स्तर तक लक्ष्य तय कर दिए हैं। प्रत्येक पदाधिकारी को दो-दो हजार पंजीयन कराने का टारगेट दिया गया है। पार्टी का जोर इस बात पर है कि आयोजन में आने वाली भीड़ पारंपरिक राजनीतिक कार्यकर्ताओं की न होकर युवा और छात्र हों। इसके लिए वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं को युवाओं के बीच सीधे जाने के बजाय संगठनात्मक मदद की जिम्मेदारी दी गई है। वार्ड और ब्लॉक स्तर के पदाधिकारियों को भी घर-घर संपर्क कर युवाओं का रजिस्ट्रेशन कराने के निर्देश दिए गए हैं।

कांग्रेस का नया प्रयोग : राहुल गांधी के 'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम को कांग्रेस युवाओं के बीच शिक्षा और रोजगार जैसे मुद्दों पर संवाद के रूप में पेश कर रही है। पार्टी नेताओं का कहना है कि इससे पहले कोटा, प्रयागराज, देहरादून और पुणे में हुए आयोजनों में भी युवाओं को ही प्रवेश दिया गया था। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी के घर हुई बैठक में एनएसयूआई, युवा कांग्रेस और शहर व जिला कांग्रेस के पदाधिकारियों ने तैयारियों पर चर्चा की। पार्टी के सामने अब सबसे बड़ी चुनौती तय उम्र सीमा के भीतर बड़ी संख्या में युवाओं को पंजीकृत कर कार्यक्रम में लाना है।

बुजुर्गों की गूंज नहीं : कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व मंत्री सज्जन सिंह वर्मा ने भी उम्र सीमा को लेकर पार्टी की रणनीति स्पष्ट कर दी है। उनका कहना है कि कार्यक्रम युवाओं और छात्रों के लिए है तथा राहुल गांधी शिक्षा और रोजगार जैसे मुद्दों पर उनसे संवाद करेंगे। उन्होंने इसे गैर-राजनीतिक आयोजन बताया है। इस तरह इंदौर का यह आयोजन कांग्रेस के लिए सिर्फ राहुल गांधी की सभा नहीं, बल्कि युवा वोटरों और छात्रों के बीच अपनी राजनीतिक पहुंच मजबूत करने की कोशिश के तौर पर भी देखा जा रहा है। उम्र की 30 साल की सीमा ने इस आयोजन को सामान्य राजनीतिक कार्यक्रमों से अलग जरूर कर दिया है, लेकिन अब असली परीक्षा कांग्रेस के संगठन की है-क्या 32 जोन और हजारों पंजीयन के जरिए पार्टी राहुल गांधी के सामने वास्तविक युवा भागीदारी का बड़ा चेहरा खड़ा कर पाएगी?

अजाक्स भवन के मालिकाना हक को लेकर तकरार

मामला पहुंचा थाने, कोर्ट के आदेश पर बढ़ाई सुरक्षा

भोपाल। मध्य प्रदेश अनुसूचित जाति जनजाति अधिकारी एवं कर्मचारी संघ (अजाक्स) में भवन के मालिकाना हक को लेकर चल रहा विवाद अब खुलकर सामने आ गया है और मामला थाने तक जा पहुंचा है। संघ के पदाधिकारियों का आरोप है कि कोर्ट के स्पष्ट आदेश के बावजूद अजाक्स भवन को खाली नहीं कराया जा रहा है। विवाद और सुरक्षागत खतरों को देखते हुए पुलिस प्रशासन ने अजाक्स भवन के बाहर बैरिकेडिंग कर सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी है। अजाक्स के प्रतिनिधियों ने पुलिस थाने पहुंचकर ज्ञापन सौंपा और बताया कि भोपाल कोर्ट द्वारा इस मामले में सख्त रुख अपनाया गया है। संघ के पदाधिकारियों ने आरोप लगाया कि मुकेश मौर्य द्वारा अजाक्स भवन पर अवैध रूप से कब्जा जमाया गया है, जिससे संगठन के प्रशासनिक और सामाजिक कार्यों में बाधा उत्पन्न हो रही है। पदाधिकारियों के अनुसार, भोपाल कोर्ट ने इस मामले का संज्ञान लेते हुए मुकेश मौर्य के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने के निर्देश दिए हैं।

विवाद बढ़ता देख अलर्ट पर पुलिस : अजाक्स के दोनों गुटों के बीच जारी इस खिंचाव और संभावित टकराव की स्थिति को देखते हुए स्थानीय पुलिस बल अलर्ट मोड पर है। अप्रिय घटना से निपटने के लिए अजाक्स भवन के आसपास भारी पुलिस बल तैनात किया गया है और मुख्य रास्तों पर बैरिकेड्स लगा दिए गए हैं। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि कानून-व्यवस्था बनाए रखना उनकी प्राथमिकता है और अदालती निर्देशों के अनुरूप आगे की वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

मंत्रालय में नहीं लगी बायोमेट्रिक हाजिरी

सीएम के फरमान, तीन बार निर्देश, फिर भी तारीख तय नहीं

भोपाल

सरकारी दफ्तरों में समय पर पहुंचने और जवाबदेही तय करने के लिए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव पिछले आठ महीने में तीन बार बायोमेट्रिक अटेंडेंस लागू करने के निर्देश दे चुके हैं, लेकिन व्यवस्था की शुरुआत उस मंत्रालय में ही नहीं हो पाई जहां से प्रदेश का प्रशासन चलता है। अप्रैल से नई व्यवस्था लागू करने की तैयारी चल रही है, मशीनों और जरूरी सामग्री की खरीदी की प्रक्रिया भी शुरू हुई, लेकिन करीब पांच महीने गुजरने के बाद भी कर्मचारियों की बायोमेट्रिक हाजिरी शुरू नहीं हो सकी। अब अधिकारियों का कहना है कि सिस्टम तैयार किया जा रहा है और करीब दो महीने में व्यवस्था शुरू हो सकती है। पहले चरण में मंत्रालय के साथ सतपुड़ा और विंध्याचल भवन को शामिल किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने पहली बार 7 जनवरी को वरिष्ठ अधिकारियों की बैठक में सरकारी कार्यालयों का काम सुबह 10 बजे से शुरू करने और बायोमेट्रिक अटेंडेंस लागू करने को कहा था। उन्होंने यहां तक कहा था कि समय पर आने की आदत नहीं सुधरी तो सप्ताह में छह दिन काम की व्यवस्था फिर लागू करने पर विचार किया जा सकता है। इसके बाद 15 मई को मुख्यमंत्री ने व्यवस्था की समीक्षा करते हुए प्रदेश के सभी सरकारी कार्यालयों में बायोमेट्रिक अटेंडेंस लागू करने के निर्देश दिए। उन्होंने इसे समयबद्धता और जवाबदेही बढ़ाने का जरिया बताया और खुद कार्यालयों में उपस्थिति का निरीक्षण करने की बात कही। फिर 25 अगस्त की समीक्षा बैठक में मंत्रालय, विंध्याचल और सतपुड़ा भवन के साथ सभी जिलों के सरकारी कार्यालयों में भी बायोमेट्रिक अटेंडेंस लागू करने की बात कही गई। इसके बावजूद मंत्रालय में अभी तक नई व्यवस्था जमीन पर नहीं उतर पाई है।

अप्रैल से तैयारी, पांच महीने बाद भी सिस्टम तैयार नहीं : मंत्रालय में अप्रैल से बायोमेट्रिक अटेंडेंस शुरू करने की तैयारी थी। सामान्य प्रशासन विभाग ने मशीनों और अन्य

सामग्री की खरीदी के लिए एमपीएसआईडीसी को वर्क ऑर्डर जारी करने का प्रस्ताव भेजा था। लेकिन खरीदी और सिस्टम तैयार करने की प्रक्रिया आगे बढ़ने के बावजूद व्यवस्था लागू नहीं हो सकी। अधिकारियों के मुताबिक एमपीएसईडीसी सिस्टम तैयार कर रहा है और अब लगभग दो महीने में इसे शुरू किया जा सकता है। यानी जिस व्यवस्था को अप्रैल में शुरू करने की तैयारी थी, उसके लिए अब आगे भी करीब दो महीने का इंतजार करना पड़ सकता है।

पहले रजिस्टर, फिर फेस अटेंडेंस... दोनों बेअसर : मंत्रालय में कर्मचारियों की लेटलतीफी रोकने के लिए यह पहला प्रयोग नहीं है। इससे पहले भी दो व्यवस्थाएं लागू की जा चुकी हैं। जून 2024 में अटेंडेंस रजिस्टर में कर्मचारियों के हस्ताक्षर की व्यवस्था शुरू की गई थी। इसके बाद फरवरी 2025 में आधार बेस्ड फेस अटेंडेंस लागू की गई। लेकिन खबर के मुताबिक दोनों व्यवस्थाएं कर्मचारियों के समय पर कार्यालय पहुंचने की समस्या पर प्रभावी अंकुश नहीं लगा सकीं। अब तीसरी बार बायोमेट्रिक व्यवस्था से उम्मीद की जा रही है कि कर्मचारी की उपस्थिति सीधे दर्ज होगी और हाजिरी में पारदर्शिता आएगी।

फाइव-डे वीक के बीच समय की पाबंदी बड़ा मुद्दा : प्रदेश के सरकारी कार्यालयों में वर्ष 2021 से फाइव-डे वीक लागू है। 8 अप्रैल 2021 के आदेश के बाद कार्यालयों का समय सुबह 10 से शाम 6 बजे किया गया था। रविवार के साथ शनिवार को भी अवकाश रहने लगा। ऐसे में सरकार की कोशिश है कि पांच दिन के कार्य सप्ताह में कार्यालयों का कामकाज तय समय के अनुसार हो और कर्मचारियों की उपस्थिति का डिजिटल रिकॉर्ड रहे। लेकिन मंत्रालय में ही बायोमेट्रिक व्यवस्था लागू होने में लगातार हो रही देरी ने सरकार की टाइमिंग और जवाबदेही वाली नीति पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

अब मंत्रालय से होगी व्यवस्था की परीक्षा : सरकार पहले मंत्रालय, सतपुड़ा और विंध्याचल भवन में बायोमेट्रिक सिस्टम लागू कर इसकी सफलता परखेगी। इसके बाद प्रदेश के अन्य सरकारी कार्यालयों में इसे चरणबद्ध तरीके से लागू करने की तैयारी है। ऐसे में सबसे बड़ा सवाल यही है कि जब मुख्यमंत्री तीन बार निर्देश दे चुके हैं, तो मंत्रालय में व्यवस्था लागू करने में पांच महीने से ज्यादा समय क्यों लग रहा है? सरकार जिस बायोमेट्रिक सिस्टम को पूरे प्रदेश में जवाबदेही बढ़ाने का जरिया बता रही है, उसकी पहली परीक्षा अब मंत्रालय में ही होगी।

30 से अधिक साइटों पर पड़ा 12 लाख टन से ज्यादा पुराना कचरा

मप्र में कचरा हटाने की पहली डेडलाइन फेल, अब 2027 का नया टारगेट

भोपाल

मध्य प्रदेश के शहर भले ही स्वच्छता के मामले में देशभर में अपनी पहचान बना रहे हों, लेकिन वर्षों से जमा कचरे के पहाड़ अब भी नगरीय निकायों के लिए बड़ी चुनौती बने हुए हैं। प्रदेश की 30 से अधिक डंपिंग साइटों पर 12 लाख टन से ज्यादा लीगेसी वेस्ट जमा होने की जानकारी सामने आई है। खास बात यह है कि इस पुराने कचरे के निपटान के लिए जून 2026 तक की डेडलाइन तय की गई थी, लेकिन लक्ष्य पूरा नहीं हो सका। अब सरकार ने वर्ष 2027 के अंत तक शत-प्रतिशत लीगेसी वेस्ट हटाने का नया लक्ष्य तय किया है। राज्य सरकार की ओर से इस संबंध में सुप्रीम कोर्ट में हलफनामा भी दिया गया है। सरकार का कहना है कि पुराने कचरे की मात्रा का थर्ड पार्टी सत्यापन कराया जा रहा है और डंपिंग साइटों के रेमेडिएशन का काम आगे बढ़ाया जा रहा है।

लीगेसी वेस्ट यानी वर्षों से लैंडफिल, खुले मैदानों या डंपिंग साइटों पर जमा पुराना कचरा हटाने के लिए जून 2026 तक का लक्ष्य निर्धारित था। नगरीय निकायों को अपने-अपने शहरों में पुराने कचरे की स्थिति स्पष्ट करने के निर्देश भी दिए गए थे। इसके बावजूद प्रदेश की कई साइटों से कचरा पूरी तरह नहीं हटाया जा सका। अब विभाग ने निकायों को 2027 तक लंबित काम पूरा करने के निर्देश दिए हैं। इससे सबसे बड़ा सवाल यही उठता है कि जब पहली डेडलाइन पूरी नहीं हो सकी तो नई समयसीमा में काम पूरा कराने के लिए व्यवस्था में क्या बदलाव किए जाएंगे।

30 से ज्यादा साइटों पर कचरे का ढेर : सरकार के सामने सबसे बड़ी चुनौती उन 30 से अधिक डंपिंग साइटों की है, जहां वर्षों से कचरा जमा होता आ रहा है। इन साइटों पर 12 लाख टन से अधिक लीगेसी वेस्ट होने की जानकारी दी गई है। सरकार इसकी मात्रा का थर्ड पार्टी सत्यापन भी करा रही है। पुराने कचरे को हटाने

के लिए बायोरेमेडिएशन, बायोमाइनिंग और स्थिरीकरण जैसी तकनीकों का इस्तेमाल किया जाता है। इसका उद्देश्य सिर्फ कचरा हटाना नहीं, बल्कि डंपिंग साइट की जमीन को दोबारा उपयोग योग्य बनाना भी है।

स्वच्छता रैंकिंग बनाम कचरे के पहाड़ : मध्य प्रदेश के सामने इस मामले में एक बड़ा विरोधाभास दिखाई देता है। एक तरफ प्रदेश के शहर स्वच्छता सर्वेक्षण में लगातार बेहतर प्रदर्शन कर रहे हैं और इंदौर देश के सबसे स्वच्छ शहरों में अपनी स्थिति बनाए हुए है। भोपाल भी शीर्ष शहरों में शामिल रहा है। दूसरी तरफ कई जगहों पर वर्षों पुराना कचरा अभी भी जमा है। यही लीगेसी वेस्ट प्रदेश के स्वच्छता मॉडल की सबसे बड़ी कमजोर कड़ी बन रहा है। रोजाना उठने वाले कचरे का प्रबंधन और पुराने कचरे की सफाई दो अलग चुनौतियां हैं। नई व्यवस्था में जहां स्रोत पर कचरे का पृथकीकरण और रोजाना कचरे का नियमित प्रसंस्करण जरूरी है, वहीं पुराने डंपिंग साइटों की रेमेडिएशन भी पूरी करनी होगी।

विधानसभा क्षेत्र क्रमांक -22, दतिया से विधानसभा उपचुनाव में जीत हासिल करने वाले नवनिर्वाचित विधायक घनश्याम सिंह को विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर ने आज अपने कक्ष में विधानसभा सदस्यता संबंधी शपथ दिलाई।

तामोट प्लास्टिक पार्क में 84 प्रतिशत भूखंड खाली

108 करोड़ की अधोसंरचना, फिर भी निवेशक नहीं

भोपाल। सरकार ने तामोट में प्लास्टिक उद्योग का बड़ा हब खड़ा करने के लिए सड़क, बिजली, पानी और दूसरी जरूरी सुविधाओं पर करीब 108 करोड़ रुपये खर्च कर दिए, लेकिन इसके बावजूद पार्क अपेक्षित औद्योगिक गतिविधि नहीं पकड़ सका। मंडीदीप से करीब 15 किलोमीटर दूर विकसित देश के दूसरे सबसे बड़े प्लास्टिक पार्क में एक दशक के बाद भी अधिकांश भूखंड खाली हैं। 121.90 एकड़ में विकसित इस पार्क में 172 भूखंड आरक्षित किए गए हैं, लेकिन अब तक सिर्फ 28 भूखंडों की बुकिंग हुई है। इनमें भी केवल 10 इकाइयां स्थापित हो पाई हैं। इन इकाइयों में करीब 10 से 15 करोड़ रुपये का निवेश और लगभग 150 लोगों को रोजगार मिलने की जानकारी है। यानी जिस पार्क से करीब 5 हजार प्रत्यक्ष और 15 हजार अप्रत्यक्ष रोजगार की उम्मीद की गई थी, वहां रोजगार और निवेश दोनों लक्ष्य से काफी दूर हैं।

जमीन और सुविधाएं तैयार, उद्योगों का इंतजार : तामोट प्लास्टिक पार्क की योजना करीब 12 साल पहले छोटे-बड़े प्लास्टिक उद्योगों को एक ही स्थान पर जमीन और जरूरी सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से शुरू की गई थी। भारत सरकार के रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय के सहयोग से विकसित इस पार्क में अधोसंरचना खड़ी करने पर करीब 108 करोड़ रुपये खर्च किए गए। लेकिन सरकारी निवेश के मुकाबले निजी निवेश की रफ्तार बेहद धीमी रही। अधिकांश भूखंड खाली होने से पार्क की वास्तविक औद्योगिक क्षमता का उपयोग नहीं हो पा रहा है।

निवेश खींचने के लिए दो बार घटाए भूखंडों के दाम निवेशकों को आकर्षित करने के लिए एमपीआईडीसी ने भूखंडों की कीमतों में दो बार बदलाव किया।

58 साल पुरानी मशीनों पर 464 करोड़ का दांव

गांधी सागर पावर हाउस फिर बनेगा बिजली का बड़ा स्रोत

भोपाल। करीब छह दशक पुरानी मशीनरी, 2019 की विनाशकारी बाढ़ और लगातार घटते बिजली उत्पादन के बाद गांधी सागर जल विद्युत गृह को फिर से पूरी क्षमता में लाने की तैयारी शुरू हो गई है। मध्य प्रदेश पावर जनरेटिंग कंपनी अब इसकी पांचों इकाइयों का नवीनीकरण और आधुनिकीकरण करेगी। सरकार ने इसके लिए 464.55 करोड़ रुपये की संशोधित लागत मंजूर की है। गांधी सागर की बिजली उत्पादन क्षमता फिलहाल 115 मेगावाट है, लेकिन पुरानी मशीनों और तकनीकी समस्याओं के कारण इसका वास्तविक उत्पादन लंबे समय से प्रभावित रहा है। आधुनिकीकरण के बाद पांचों इकाइयों की क्षमता बढ़ाकर 121.25 मेगावाट करने का लक्ष्य है। गांधी सागर की पांचों इकाइयां 1960 से 1962 के बीच स्थापित हुई थीं। यानी ये मशीनें अब करीब 64 से 66 साल पुरानी हो चुकी हैं। विधानसभा में दिए गए सरकारी जवाब के मुताबिक, सामान्य तौर पर जल विद्युत इकाइयों का सेवा जीवन करीब 35 वर्ष माना जाता है। इसके बावजूद इन इकाइयों से लंबे समय तक बिजली उत्पादन जारी रहा। उम्र बढ़ने के साथ तकनीकी समस्याएं बढ़ीं और बिजलीघर की उत्पादन क्षमता पर भी असर पड़ा। नवंबर 2024 में स्थिति यह थी कि पांच में से केवल दो इकाइयों से करीब 29.5 मेगावाट बिजली का उत्पादन हो रहा था। दूसरी इकाई करीब दो साल से पानी में डूबे रहने के कारण बंद बताई गई है।गांधी सागर पावर हाउस की सबसे बड़ी चुनौतियों में 2019 की बाढ़ भी रही। 14 सितंबर 2019 को पांचों इकाइयां जलमग्न हो गई थीं। पानी उतरने के बाद मरम्मत और परीक्षण के जरिए कुछ इकाइयों को दोबारा शुरू किया गया, लेकिन बिजलीघर पहले की तरह नियमित और पूरी क्षमता से उत्पादन नहीं कर पाया। अब सरकार का जोर केवल खराब इकाइयों को चालू करने पर नहीं, बल्कि पूरे पावर हाउस की तकनीकी क्षमता को नए सिरे से तैयार करने पर है।

6.25 मेगावाट बढ़ेगी क्षमता : आधुनिकीकरण के बाद प्रत्येक 23 मेगावाट की इकाई में करीब 1.25 मेगावाट क्षमता बढ़ाने का लक्ष्य है। इससे पांचों इकाइयों की कुल क्षमता 115 मेगावाट से बढ़कर 121.25 मेगावाट हो जाएगी। यानी करीब 6.25 मेगावाट अतिरिक्त स्थापित क्षमता मिलेगी। इसके साथ पुरानी मशीनरी को आधुनिक तकनीक से बदलने और बिजली उत्पादन की विश्वसनीयता बढ़ाने पर भी काम होगा।

मार्च 2027 से शुरू हो सकता है काम : परियोजना से जुड़े अधिकारियों के अनुसार नवीनीकरण का काम मार्च 2027 से शुरू होने की संभावना है। पहली इकाई पर काम शुरू होने के बाद करीब छह महीने में उसे पूरा कर सितंबर 2027 में कमीशन करने का लक्ष्य रखा गया है। इसके बाद अन्य इकाइयों का चरणबद्ध तरीके से नवीनीकरण किया जाएगा, ताकि बिजलीघर को पूरी तरह बंद किए बिना उत्पादन व्यवस्था को आगे बढ़ाया जा सके। गांधी सागर जल विद्युत परियोजना की बिजली में मध्य प्रदेश और राजस्थान की 50-50 प्रतिशत हिस्सेदारी है। ऐसे में इस पावर हाउस का आधुनिकीकरण केवल मध्य प्रदेश की बिजली व्यवस्था के लिए ही महत्वपूर्ण नहीं है, बल्कि राजस्थान को मिलने वाली हिस्सेदारी पर भी इसका असर पड़ेगा। करीब 464 करोड़ रुपये खर्च करने के बाद सरकार की चुनौती अब यह सुनिश्चित करने की होगी कि दशकों पुरानी इकाइयों का आधुनिकीकरण केवल कागजों पर क्षमता बढ़ाने तक सीमित न रहे, बल्कि गांधी सागर से नियमित और भरोसेमंद बिजली उत्पादन भी दोबारा शुरू हो।

निजी कॉलेजों के छात्रों को सबसे ज्यादा झटका; अब 30 सितंबर तक आवेदन का मौका

एडमिशन में देरी ने बिगाड़ा छात्रवृत्ति का गणित

भोपाल

मध्य प्रदेश में कॉलेज विद्यार्थियों के लिए छात्रवृत्ति आवेदन को लेकर राहत की खबर है। उच्च शिक्षा विभाग ने विभिन्न छात्रवृत्ति योजनाओं के लिए आवेदन की अंतिम तारीख बढ़ाकर 30 सितंबर 2026 कर दी है। इससे उन विद्यार्थियों को आवेदन का अतिरिक्त अवसर मिल गया है, जिनका कॉलेज में प्रवेश हो चुका है, लेकिन समय पर छात्रवृत्ति का फार्म नहीं भर पाए थे। दरअसल, प्रदेश के कॉलेजों में रिक्त सीटों पर प्रवेश प्रक्रिया अगस्त के अंतिम सप्ताह तक चली। इसके कारण बड़ी संख्या में विद्यार्थियों का प्रवेश देर से हुआ और वे तय समय सीमा में छात्रवृत्ति के लिए आवेदन नहीं कर सके। इसका सबसे ज्यादा असर निजी कॉलेजों में प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों पर पड़ा। कॉलेज प्रबंधनों की ओर से भी आवेदन की अंतिम तारीख बढ़ाने की मांग उच्च शिक्षा विभाग के सामने रखी गई थी।

30 सितंबर तक कर सकेंगे आवेदन

अब विद्यार्थी 30 सितंबर तक छात्रवृत्ति के लिए आवेदन कर सकेंगे। इसके लिए कॉलेज से प्रवेश संबंधी जानकारी अपडेट करवाने के बाद आवश्यक दस्तावेजों के साथ आवेदन प्रक्रिया पूरी करनी होगी। विद्यार्थियों को अंतिम तारीख का इंतजार करने के बजाय जल्द आवेदन करने की सलाह दी गई है, क्योंकि आवेदन के बाद कॉलेज स्तर पर दस्तावेजों और जानकारी का सत्यापन भी किया जाता है।

कई योजनाओं का मिलेगा लाभ

प्रदेश में विद्यार्थियों की सामाजिक श्रेणी और पात्रता के अनुसार कई छात्रवृत्ति योजनाएं संचालित हैं। इनमें अनुसूचित जाति विद्यार्थियों के लिए महाविद्यालयीन पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति, अनुसूचित जनजाति विद्यार्थियों के लिए महाविद्यालयीन छात्रवृत्ति योजना और पिछड़ा वर्ग विद्यार्थियों के लिए पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति शामिल हैं। इसके अलावा उच्च शिक्षा विभाग की विभिन्न एकीकृत छात्रवृत्तियों के साथ मुख्यमंत्री मेधावी विद्यार्थी योजना और मुख्यमंत्री जनकल्याण (शिक्षा प्रोत्साहन) योजना का लाभ भी पात्र विद्यार्थियों को मिलता है। योजनाओं के अनुसार पात्रता, आय सीमा और जरूरी दस्तावेज अलग-अलग निर्धारित हैं।

बैंक खाते की जानकारी जरूरी

छात्रवृत्ति का लाभ लेने के लिए विद्यार्थियों को आवेदन में बैंक खाते की जानकारी भी देनी होगी। पात्र विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति की राशि डीबीटी के माध्यम से बैंक खाते में भेजी जाती है। अनुसूचित जनजाति विद्यार्थियों के लिए आवेदन प्रक्रिया एमपीटास के माध्यम से होती है। विद्यार्थियों को आवेदन करने से पहले अपने दस्तावेज, प्रवेश संबंधी जानकारी और बैंक खाते की जानकारी जांच लेने की सलाह दी गई है, ताकि सत्यापन के दौरान किसी तरह की परेशानी न हो। 30 सितंबर के बाद आवेदन का अवसर मिलेगा या नहीं, इसे लेकर विद्यार्थियों को अंतिम तारीख से पहले ही प्रक्रिया पूरी कर लेनी चाहिए।

मध्यप्रदेश में अब सड़क सफर होगा महंगा!

12 और सड़कों पर लगेगा टोल, सरकार का सालाना 3 हजार करोड़ कमाई का प्लान

भोपाल। मध्यप्रदेश में आने वाले समय में सड़क से सफर करना महंगा हो सकता है। राज्य सरकार सड़कों से होने वाली आय बढ़ाने के लिए टोल व्यवस्था का विस्तार करने की तैयारी में है। कम से कम 12 और सड़कों को टोल के दायरे में लाने का प्रस्ताव तैयार किया गया है। इसके अलावा कुछ अन्य सड़कों को भी भविष्य में इस व्यवस्था से जोड़ने की योजना है। फिलहाल प्रदेश में मध्यप्रदेश रोड डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन (एमपीआरडीसी) की अलग-अलग योजनाओं के तहत 93 सड़कों पर 139 टोल प्लाजा संचालित हो रहे हैं। विभाग का मानना है कि नई सड़कों को टोल व्यवस्था से जोड़कर सरकार की आय में बड़ा इजाफा किया जा सकता है।

अभी 400 करोड़, लक्ष्य 3 हजार करोड़ तक : पीडब्ल्यूडी से जुड़े अधिकारियों के अनुसार प्रदेश में राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) के टोल से सालाना करीब 4 हजार करोड़ रुपये की आय होती है। इसके मुकाबले पीडब्ल्यूडी और एमपीआरडीसी की टोल से कमाई करीब 400 करोड़ रुपये सालाना है। इसी अंतर को देखते हुए विभाग अगले 10 से 15 साल में टोल से होने वाली आय को बढ़ाकर 2 हजार से 3 हजार करोड़ रुपये सालाना तक पहुंचाना चाहता है। इसके लिए नई सड़कों का निर्माण टोल आधारित मॉडल पर करने पर जोर दिया जा रहा है। पीडब्ल्यूडी के अधिकारियों के अनुसार टोल

आधारित नई सड़कों से विभाग की आय बढ़ेगी। इससे सड़क क्षेत्र में निवेश के साथ राज्य के राजस्व में भी विभाग का योगदान बढ़ाया जा सकेगा।

निजी कंपनियों के बजाय सरकार के पास आएगा टोल : सड़क निर्माण के लिए पीडब्ल्यूडी अब हाइब्रिड एन्युटी मॉडल यानी एचएएम को ज्यादा बढ़ावा देने की तैयारी में है। इसका उद्देश्य यह भी है कि सड़क बनने के बाद टोल से मिलने वाली राशि सरकार के पास आए। बीओटी मॉडल में सड़क बनाने वाली निजी कंपनी निवेश करती है और तय अवधि तक टोल से अपनी लागत और मुनाफा वसूलती है। वहीं एचएएम में सड़क निर्माण की लागत का 40 प्रतिशत हिस्सा सरकार देती है, जबकि बाकी 60 प्रतिशत राशि निजी कंपनी लगाती है। इस मॉडल में सड़क बनने के बाद टोल वसूली पीडब्ल्यूडी के माध्यम से किए जाने का प्रावधान है। यही वजह है कि विभाग नई परियोजनाओं के लिए एचएएम मॉडल को प्राथमिकता देने पर विचार कर रहा है। एमपीआरडीसी के टोल आधारित सड़क प्रोजेक्ट से जुड़े अधिकारियों के मुताबिक हाल में कुछ सड़कों को एचएएम के तहत मंजूरी दी गई है। इनमें सिवनी-बालाघाट, विदिशा-भोपाल और दमोह-कटनी सड़क परियोजनाएं शामिल हैं। इन सड़कों पर टोल प्लाजा बनाए जाने की योजना है। इसके अलावा आने वाले समय में एचएएम के तहत और सड़क परियोजनाएं मंजूर किए जाने की तैयारी है।

वाहन चालकों पर बढ़ेगा खर्च : नई सड़कों को टोल नेटवर्क में शामिल किए जाने का सीधा असर वाहन चालकों पर पड़ेगा। इन सड़कों का इस्तेमाल करने वाले लोगों को निर्धारित शुल्क देना होगा। सरकार जहां इसे सड़क निर्माण और रखरखाव के लिए अतिरिक्त आय का जरिया मान रही है, वहीं यात्रियों और माल परिवहन करने वाले वाहनों के लिए यात्रा की लागत बढ़ने की संभावना है। नई सड़कों पर टोल लागू होने से पहले शुल्क की दर और वसूली की व्यवस्था तय की जाएगी।

स्वामी/प्रकाशक/संपादक उज़्मा सिकंदर द्वारा मुद्रक नरेश मंगतानी द्वारा बालाजी प्रिंटर्स, प्लॉट नं. 21, सेक्टर-एच, गोविंदपुरा इंडस्ट्रियल एरिया, भोपाल, 462023 (म.प्र.) से मुद्रित एवं एफ 113/33 शिवाजी नगर भोपाल 462016 से प्रकाशित।
समूह संपादक : अशोक वर्मा, * समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। समाचार संपादक : अंसारुल हसन सिद्दीकी। सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र भोपाल होगा। आर.एन.आई. रजि. MPHIN/2025/A2700, Mail-ID sachesamachar013@gmail.com फोन नं. :- 0755-4152506